केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

श्री महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

खुद से बहस करोगे तो सारे सवालों के जवाब मिल जाएंगे! अगर दुसरो से करोगे तो और नये सवाल खड़े हो जायेंगे !

वर्ष 13 अंक 282 | उज्जैन, सोमवार 27 मार्च 2023 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास आगमन पर श्री नड्डा का स्वागत किया

भोपाल/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य सभा सांसद श्री जगत प्रसाद नड्डा का मुख्यमंत्री निवास आगमन पर स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री नड्डा का पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। सांसद श्री वी.डी. शर्मा उपस्थित थे।

अतीक अहमद का करीबी जर्रार अहमद पुलिस मुठभेड़ में घायल, 25 हजार का था इनाम

फतेहपुर/जीएनएस। उत्तर प्रदेश में फतेहपुर जिले के खखरेरू क्षेत्र में पुलिस ने रविवार को माफिया डान अतीक अहमद के एक करीबी को एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह ने यहां बताया कि खखरेरू थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर और अतीक अहमद का करीबी अतहर खां के दूसरे नम्बर के पुत्र मोहम्मद जर्रार की काफी दिन से पुलिस को तलाश थी। पुलिस ने इस पर 25 हजार का इनाम घोषित कर रखा था। आज खखरेरू पुलिस रहमतपुर के जंगल में कम्बिंग कर रही थी कि पुलिस को देखकर जर्रार ने फायरिंग की। जबाबी फायरिंग में जर्रार के पैर में गोली लगी और वह गिर पड़ा। गिरने के बाद पुलिस ने उस मय इंग्लिस रायफल के गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले पिछले सप्ताह जर्रार के बड़े भाई इनामी मोहम्मद अहमद ने न्यायालय में समर्पण कर दिया था। बाद में पुलिस ने रिमांड पर लिया और इसके कब्जे 38 बोर का फैक्ट्री मेड पिस्टल और एक रायफल उसके ईट भटठे से बरामद हुई थी। उन्होंने बताया कि गुंडई के बल पर अतहर खां ने तालाब की जमीन पर घर बना रखा था जिसे पुलिस ने बुल्डोजर चलाकर जमींदोज कर दिया था।

दलित छात्रा रोहिणी घावरी ने यूएन में बढ़ाया मान, इंदौर की होनहार ने पाकिस्तान को दिखाया आईना

जेनेवा/जीएनएस। जेनेवा में मानवाधिकार परिषद के 52वें सत्र के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व इंदौर शहर के एक सफाई कर्मचारी की बेटी को मिला। रोहिणी घावरी इस वक्त सरकारी स्कॉलरशिप पर स्विट्जरलैंड में पीएचडी कर रही हैं। उन्होंने यूएनएचआरसी के सत्र में हाशिए पर पड़े लोगों के लिए उत्थान के लिए भारत की प्रशंसा की। रोहिणी ने कहा कि कुछ देश और संगठन भारत की छवि धूमिल कर रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान समेत अन्य पड़ोसी देशों की तुलना में भारत में दलितों की स्थिति काफी बेहतर है। संयुक्त राष्ट्र में रोहिणी घावरी ने कहा कि मुझे संयुक्त राष्ट्र में रहने का एक सुनहरा मौका मिला है। पिछले दो साल से मैं जेनेवा में पीएचडी कर रही हूं और संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरा सपना था। एक दलित लडक़ी के रूप में, मुझे वास्तव में गर्व है कि मुझे यहां आने का मौका मिला। भारत में दलितों की स्थिति पाकिस्तान समेत अन्य पड़ोसी देशों की तुलना में बहुत बेहतर है। हमारे पास दलितों के लिए आरक्षण नीति है। यहां तक कि मुझे भारत सरकार से एक करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति मिली। एक सफाई कर्मचारी की बेटी होने के नाते यह बड़ी उपलब्धि है कि हम यहां तक पहुंचे हैं।

तीन वर्षीय बालिका का मुंह दबाकर 200 मीटर दूर ले जाकर दरिंदगी की

जबलपुर/जीएनएस। तीन वर्षीय आदिवासी बालिका से दरिंदगी करने वाले आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित ने पुलिस पूछताछ के दौरान वारदात को अंजाम देने की बात कबूली है। आरोपित भी आदिवासी है। जिसे सोमवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा। जानकारी के अनुसार आदिवासी परिवार खेत में बनी टपरिया में रहता है। मंगलवार 21 मार्च रात सभी ने खाना खाया और सो गए। देर रात वहां आरोपित पहुंचा। उसने माता-पिता के पास सो रही तीन वर्षीय बालिका का मुंह दबाया और उसे लगभग दो सौ मीटर दूर ले गया। जहां आरोपित ने बालिका को अपनी हवस का शिकार बनाया। वहीं रात लगभग तीन बजे बालिका की मां की नींद खुली, तो बालिका को गायब देख वह हड़बड़ा गई। पूरा परिवार जाग गया और बालिका की तलाश में जुट गया।

युवा गरीबों को साथ लेकर आगे बढ़ें : राज्यपाल पटेल

सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को विद्यार्थी ग्रामीण अंचल में पहुँचाये ››राज्यपाल राधारमण शिक्षा समूह के पुरस्कार एवं सम्मान समारोह में हुए शामिल

भोपाल/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने युवाओं से आह्वान किया है कि वंचित और पिछड़े क्षेत्रों में जाकर जन-समुदाय में जन-जागरण के प्रयास करें। उन्होंने कहा कि गरीब को आगे बढ़ाने में हाथ पकड़ कर साथ लेकर चलने के भाव से उनका सहयोग करें। यही राष्ट्र और समाज की सच्ची सेवा होगी।

राज्यपाल श्री पटेल आज राधारमण शिक्षा समूह द्वारा आयोजित वार्षिक पुरस्कार एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने 3 प्राध्यापक, 1 पूर्व छात्र और 6 विद्यार्थी को भी सम्मानित किया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि राष्ट्र और समाज के विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी है। ज़रूरी है कि छात्र-छात्राएँ सामाजिक सरोकारों में प्रभावी योगदान दें। विद्यार्थी ग्रामीण अंचल में केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को पहुँचाने में सहयोग करें। सिकल सेल और टी.बी. जैसे रोगों के उन्मूलन प्रयासों के प्रति जन-मानस को सजग और सचेत करें। उन्होंने शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य के प्रति सजग होने की ज़रूरत बताई और विद्यार्थियों से कहा कि खान-पान के प्रति सावधानी रखें। स्वास्थ्य के लिए आवश्यक और मौसम अनुकूल आहार ही ग्रहण करें। कुछ भी खा लेने की प्रवृत्ति हानिकारक होती है। नियमित रूप से योग और व्यायाम करें।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि आज़ादी का अमृत महोत्सव राष्ट्र के अतीत के गौरव से वर्तमान पीढ़ी को परिचित और आज़ादी के सौ वर्षों की पूर्णता पर राष्ट्र के भविष्य निर्माण के लिए प्रतिबद्ध भावी पीढ़ी तैयार करने का प्रसंग है। जरूरी है कि युवा, विश्व के ज्ञान का केंद्र, समृद्धता और वीरता की मिसाल बनाने वाला भारत देश के परतंत्र होने के कारणों को समझें। राष्ट्र के लिए जीवन का बलिदान करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के भाव और भावनाओं को ग्रहण करें। मातृभूमि के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से प्रेरणा लेकर राष्ट्र के विकास में सहयोग करें।

मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. भरत शरण सिंह ने कहा कि जीवन में निरंतर प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि असफलता, नवाचार के प्रयासों का प्रतीक होती है। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए युवाओं में सदाचरण, अध्ययन शीलता, आशावाद, दृढ़ निश्चय और स्वस्थ शरीर का होना जरूरी है। समाजसेवी डॉ. अभिजीत देशमुख ने युवाओं को आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि निरंतर कौशल उन्नयन, विकास और नवाचार का आधार होता है। युवाओं से कहा कि सबके साथ और सहयोग से आत्मनिर्भर भारत निर्माण में सहयोग करें।

भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर के निदेशक श्री हिमांशु राय ने कहा कि लक्ष्य के लिए पूर्ण क्षमता के साथ संकल्पित प्रयास ही व्यक्ति का स्वधर्म है। उन्होंने कहा कि नवाचार के लिए धन होने की अवधारणा निराधार है। वास्तविकता यह है कि नवाचार से धन मिलता है। धनार्जन के प्रयास आवश्यकता के लिए किए जाने चाहिए, इच्छाओं के लिए नहीं; क्योंकि इच्छाएँ अनियंत्रित होती हैं। नवाचार के लिए दृढ़ निश्चय के साथ कार्य करें। वही करें जो स्वयं को सही लगे। अन्य के विचारों से जीवन में उपलब्धि मिलती है, आत्म संतुष्टि नहीं मिलती है। उन्होंने कहा कि नवाचार के लिए असफलता के भय से मुक्त होना ज़रूरी है। परिश्रम के साथ ही पूर्ण क्षमता के साथ निरंतर प्रयास ही सफलता का आधार है।

प्रारम्भ में समूह के चेयरमेन श्री राधारमण सक्सेना ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि समूह शिक्षा के प्रकाश को फैलाकर राष्ट्र निर्माण के पथ पर आगे बढ़ रहा है। समूह का प्रयास है कि आधुनिकतम शिक्षा और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के आधार पर विश्व-स्तरीय शिक्षा संस्थान की स्थापना की जाए।

डॉ. अनुराग जैन ने आभार माना। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारम्भ किया। अतिथियों को शाल, श्रीफल, पौधा और स्मृति-चिन्ह भेंट किए गए।

प्रियंका बोलीं- देश का प्रधानमंत्री कायर, नड्डा बोले- रस्सी जल गई बल नहीं गया

नई दिल्ली/जीएनएस। राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द करने के खिलाफ कांग्रेस रविवार को देशभर में संकल्प सत्याग्रह किया। प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन जैसे बड़े नेता सुबह-सुबह राजघाट पहुंचे। पुलिस ने यहां धारा 144 लगा दी, लेकिन नेता और कार्यकर्ता इसके बावजूद पहुंचे। उधर, राहुल गांधी ने रविवार को ट्विटर पर अपना बायो बदल दिया। उन्होंने अब खुद को डिसक्वालिफाइड सांसद लिखा है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि आज तक हम चुप रहे हैं तो आप हमारे परिवार का अपमान करते गए। मैं पूछना चाहती हूं कि एक आदमी का कितना अपमान करोगे। मुझ पर केस लगा दो, लेकिन सच ये है कि इस देश का प्रधानमंत्री कायर है। इस पूरे मामले में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि रस्सी जल गई है, लेकिन बल नहीं गया।

लोकसभा सेक्रिटेरिएट ने 24 मार्च को राहुल गांधी को डिसक्वालिफाइड कर दिया था। राहुल केरल के वायनाड से सांसद थे। यह एक्शन मानहानि केस में राहुल को 2 साल की सजा सुनाए जाने के बाद लिया गया। राहुल ने 2019 में कर्नाटक की सभा में मोदी सरनेम को लेकर बयान दिया था।

बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में बोले जेपी नड्डा - यह विरोधियों की हवा टाइट करने का समय, कांग्रेस का मतलब करप्शन, कमीशन और डिवीजन

भोपाल/दैनिक मालवा हेराल्ड । पार्टी के बूथ अध्यक्षों को जीत का मंत्र देकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने रविवार को मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव का शंखनाद किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता और सरकार समर्पण से काम कर रहे हैं। विरोधी भी हमसे टकराने में सौ बार सोचते हैं। अब तो यह कहूंगा, यह समय गला खराब करने का नहीं, विपक्ष की हवा टाइट(हालत खराब) करने का है।

नड्डा ने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए 'अबकी बार-200 पार' का नारा दोहराया। उन्होंने शिवराज सरकार की लाड़ली बहना योजना को क्रांतिकारी कदम बताते हुए कहा कि बहनों के स्वाभिमान की दिशा में यह मील का पत्थर साबित होगी। भोपाल में नड्डा ने सपत्नीक भाजपा के नए प्रदेश कार्यालय के लिए भूमिपूजन किया, तो शहर के गांधीनगर के बूथ-53 पर पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम सुना। यहां ग्रुप कैप्टन स्वर्गीय वरुण सिंह सभागृह का लोकार्पण किया और उनके पिता सेवानिवृत्त कर्नल केपी सिंह एवं मां उमादेवी का सम्मान किया।

रस्सी जल गई बल नहीं गया-किसी का नाम लिए बिना नड्डा ने कहा कि एक नेता की चर्चा हो रही है, अहंकार में डूबे हैं। पूरे देश में कांग्रेस सत्याग्रह कर रही है। सत्याग्रह तो महात्मा गांधी ने भारत के सम्मान, अस्मिता के लिए किया था। यह सत्याग्रह किस लिए हो रहा है। लोकतंत्र पर विश्वास नहीं करते। न्यायालय के कहने पर भी माफी नहीं मांगते। सदस्यता चली जाती है, सजा हो जाती है। रस्सी जल गई बल नहीं गया।

खालिस्तानी प्रदर्शन के दौरान 'सुरक्षा चूक' पर भारत हुआ सख्त, कनाडा के उच्चायुक्त को किया तलब

नयी दिल्ली/जीएनएस। भारत के राजनयिक मिशन और वाणिज्य दूतावास में सूरक्षा चूक के मामले में अब भारत ने सख्त रुख अख्तियार किया है। राजनयिक मिशन के खिलाफ खालिस्तानी समर्थक अतिवादी तत्वों के हालिया कृत्यों के मद्देनजर कनाडा के उच्चायुक्त कैमरून मैके को तलब किया है। भारत ने शनिवार को उच्चायुक्त को तलब कर अतिवादी तत्वों के खिलाफ की गई कार्रवाई को लेकर जवाब मांगा है।

इस संबंध में विदेश मंत्रालय की ओर से आधिकारिक बयान जारी किया है। इस बयान मे कहा गया कि उसने शनिवार को मैके को तलब किया और स्पष्टीकरण मांगा कि पुलिस की मौजूदगी के बावजूद ''अलगाववादी एवं अतिवादी तत्वों'' को भारत के राजनयिक मिशन और वाणिज्य दूतावासों की सुरक्षा का उल्लंघन करने की अनुमति कैसे मिल गई? इसके साथ ही भारत सरकार ने कनाडा उच्चायुक्त को वियना कन्वेंशन की याद दिलाते हुए दूतावास और मिशन की सुरक्षा सुनिशित करने को कहा है। घटना को अंजाम देने वालों की पहचान किए गए लोगों की गिरफ्तारी की मांग भी की गई है।खालिस्तान समर्थकों के हिंसक प्रदर्शन के बाद कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में गत रविवार को आयोजित कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए थे।

देश में अंगदान के प्रति लोगों में बढ़ रही जागरूकता 'मन की बात' कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली/जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से अंगदान के लिए आगे आने की अपील करते हुए कहा कि इसके लिए कानून में भी सुधार किए जा रहे हैं। पीएम मोदी ने आकाशवाणी पर मन की बात के 99वें संस्करण में कहा कि आधुनिक मेडिकल साइंस के इस दौर में अंगदान किसी को जीवन देने का एक बहुत बड़ा माध्यम बन चुका है। कहते हैं, जब एक व्यक्ति मृत्यु के बाद अपना शरीर दान करता है तो उससे आठ से नौ लोगों को एक नया जीवन मिलने की संभावना बनती है। संतोष की बात है कि आज देश में अंगदान के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है। वर्ष 2013 में, हमारे देश में, अंगदान के पांच हजार से भी कम थे, लेकिन 2022 में, ये संख्या बढ़कर, 15 हजार से ज्यादा हो गई है। अंगदान करने वाले व्यक्तियों ने, उनके परिवार ने, वाकई, बहुत पुण्य का काम किया है। उन्होंने इस संबंध में 39 दिनों की पंजाब की बच्ची अबाबत के अंगदान का उदाहरण दिया और इस बारे में उनकी माता और पिताजी से विस्तार से बातचीत की। इस बच्ची के गुर्दा का दान किया गया था । प्रधानमंत्री ने कहा कि अंगदान के लिए सबसे बड़ा जज्बा यही होता है कि जाते-जाते भी किसी का भला हो जाए, किसी का जीवन बच जाए। जो लोग, अंगदान का इंतजार करते हैं, वो जानते हैं, कि, इंतजार का एक-एक पल गुजरना, कितना मुश्किल होता है। और ऐसे में जब कोई अंगदान या देहदान करने वाला मिल जाता है, तो उसमें, ईश्वर का स्वरूप ही नजर आता है।

सारनाथ के होटल में पंखे से लटका मिला शव, मौत से कुछ घंटे बाद उनका गाना रिलीज हुआ

वाराणसी/जीएनएस। भोजपुरी एक्ट्रेस आकांक्षा दुबे ने रविवार को वाराणसी के सारनाथ के एक होटल में सुसाइड कर लिया। उनका शव होटल के कमरा नंबर 105 में पंखे से लटका मिला। पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया है। आकांक्षा के सुसाइड की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। आकांक्षा भदोही जिले के चौरी थाना क्षेत्र के परसीपुर गांव की रहने वाली थीं। वह शुक्रवार रात शूटिंग के बाद होटल में गई थीं और सुबह उनका शव फंदे से लटकता मिला। रविवार सुबह मेकअप मैन ने आकांक्षा दुबे को फोन किया। फोन न उठाने पर मेकअप मैन होटल पहुंचा। वहां आकांक्षा के कमरे का दरवाजा बंद था।

सिंधिया बोले- 3-4 साल में 200 एयरपोर्ट बनाने का लक्ष्य, गगल एयरपोर्ट का दो चरण में होगा विस्तार

नई दिल्ली/जीएनएस। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को कहा कि नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में पिछले 65 वर्षों में जो हासिल नहीं हुआ वह पिछले नौ वर्षों में 148 हवाईअड्डे, वाटरड्रोम और हेलिपोर्ट बनाकर पूरा कर लिया गया है तथा अगले तीन से चार सालों के भीतर 200 एयरपोर्ट बनाने के लक्ष्य रखा गया है। सिंधिया ने आज यहां पहली दिल्ली-धर्मशाला-दिल्ली इंडिगो उड़ान का शुभारंभ किया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय अगले तीन से चार वर्षों के भीतर 200 एयरपोर्ट बनाने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहा है। यह प्रयास बड़े मेट्रो हवाई अड्डों के साथ-साथ दूर-दराज के हवाई अड्डों को भी उतना ही महत्व देगा, जो अंतिम छोर तक संपर्क मुहैया कराते हैं।

गगल हवाई अड्डे के विस्तार के संबंध में उन्होंने कहा कि उनका मंत्रालय पहले से ही इसके लिए दो चरण की योजना पर काम कर रहा है। पहले चरण में वर्तमान रनवे को 1900 मीटर तक लंबा करना शामिल है ताकि लोड पेनल्टी के साथ टर्बोप्रॉप विमान को बिना किसी पेनाल्टी के चलने में सक्षम बनाया जा सके। दूसरे चरण में हवाईअड्डे पर बोइंग 737 और एयरबस ए320 को उतारने के विजन को साकार करने के लिए रनवे को 3110 मीटर तक और लंबा करना शामिल होगा। उन्होंने कहा कि शिमला हवाई अड्डे पर रनवे की मरम्मत का काम पूरा हो गया है और मंडी में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के लिए जगह की मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने दोहराया कि उनका मंत्रालय राज्य में नागरिक उड्डयन बुनियादी ढांचे के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, नागरिक उड्डयन क्षेत्र में पूर्ण लोकतंत्रीकरण आया है और जो लोग केवल विमान को उड़ते हुए देख सकते थे, वे आज इसमें उड़ान भर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी 2013-14 में प्रति सप्ताह 40 विमान से बढ़कर 110 विमान हो गई है, जो पिछले नौ वर्षों में 175 फीसदी की वृद्धि है। विशेष रूप से धर्मशाला में इस अवधि में हवाई यातायात की संख्या में 110 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 2013-14 में प्रति सप्ताह 28 उड़ान की तुलना में बढ़कर आज 50 हो गई है।

जिसके भीतर भगवान को पाने की ललक, इच्छा, चरण पाने की इच्छा बढ़ जाती है, उसके लिए भगवान भी उसको पाने की इच्छा बढ़ा देता है

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिवमहापुराण की कथा कहती है केवल शिव को पाने की पुण्यायी है। जिसके भीतर भगवान को पाने की ललक, इच्छा, चरण पाने की इच्छा बढ़ जाती है। उसके लिए भगवान भी उसको पाने की इच्छा बढ़ा देता है। परमात्मा को चढ़ाए जाने वाले जल में छल नही होना चाहिए। हदय, दिल, भाव, मन से भगवान को समर्पित करना चाहिए। उक्त प्रवचन ख्याति प्राप्त कथा वाचक प्रदीप मिश्रा ने पंचपुष्प शिवमहापुराण कथा के तीसरे दिन रविवार को व्यक्त किए।

आपने कहा कि शंकर भगवान पर गंगाजल चढ़ाए तो क्या भगवान प्रसन्न अधिक होते शिवमहापुराण कथा कहती है एक लौटा जल महादेव को चढा रहे है यदि वह शिवलिंग से छू गया तो अपने आप ही गंगाजल बन जाता है।

जैसा आप शुद्ध खाते है वैसा ही भगवान को शुद्ध और सच्चे मन से अर्पण करे। चाहे एक चावल का दाना चढ़ाना तो वह भी जो आप खाते है वैसा ही शंकरजी को चढ़ाते हो तो वे प्रसन्न हो जाएंगे। केमिकल युक्त व अशुद्ध वस्तु अर्पण करने से भगवान को भी कष्ट होता है। कर्मो की संपदा होती है करोड़ों की नही। परमात्मा ने पेट दिया है तो भरने की व्यवस्था भी करी हैं।

मनुष्य को नेत्र दर्शन के लिए, कान श्रवण करने, चरण मदिर जाने, शीश झुकाने एवं हाथ दिए है दान करने के लिए। मदिर में प्रवेश नही कर सकते हो बाहर से मुस्कुरा देना ये भी नही कर सकते है तो जहां खड़े हो वहीं से शिखर दर्शन कर लेना। जिसके भीतर भगवान को पाने की इच्छा एक अन्न के दाने को पकाने में काफी मेहनत लगती है पसीना बहाना पड़ाता है जब पका हुआ धान उसके निवाले के साथ शरीर के अंदर जाता है तब उसकी आंखों से आंसू के साथ पसीने की महक भी होती है। हे प्रभु जितना भी देना भाग्य का देना, दूसरे के नसीब का मत देना। व्यक्ति ने जमीन मकान, वंश बढ़ा लिया, दुनिया का सामान बढ़ा लिया लेकिन भजन एवं विश्वास नही बढ़ाया। एक लौटा जल कलयुग को रोकने का सामर्थ्य रखता है। संस्कार दोगे तो अंतिम संस्कार होगा। जिस गांव में पानी की कमी होती है वहां की फसल बिगड़ जाती है तथा जिस घर में संस्कार की कमी होती है उसकी नस्ल बिगड़ जाती है। संस्कार दोगे तो अंतिम संस्कार होगा। यदि जिदंगी आनलाईन में उलझती रही हो तो अंतिम संस्कार भी आनलाईन होगा। पिता दुनिया की वो संपत्ती है जिसके पास कुछ नही होता है फिर भी वह चैन की नींद सोता है।

मीडिया प्रभारी गोवर्धनसिंह डोडिया ने बताया कि आस्था टीवी पर 8 लाख, पंडित मिश्रा के यू टयूब चैनल लाईव पर 4 लाख, आस्था लाईव 2 लाख श्रद्धालू कथा श्रवण का लाभ ले रहे है। इस प्रकार तकरीबन 15 लाख वर्चुअल कथा का लाभ ले रहे है।

कथा के तीसरे दिन बताया शमी का महत्व

शमी जिसमें कांटे लगे है उसको लोग खेजड़ी भी कहते है। शमी का जो फूल होता है वह गुलाबी कलर का होता है। शमी के वृक्ष को प्रणाम कर भगवान राम ने लंका पर चढ़ाई कर विजय प्राप्त की थी। स्वर्ण की कीमत से पूर्ण हो एक शमी का पत्ता होता है। विजयादशमी के दिन शमी का पत्ता लोगों को दिया जाता है। इस दिन शमी के पत्ते के साथ शस्त्रों की पूंजा करने से संपदा की कमी नही होती। पंचपुष्प कथा के तीसरे दिन शमी का पुष्प् का वर्णन सुनाया। प्रथम पारिजात, द्वितीय कनेर तथा तीसरा शमी का पुष्प है।

काजल को आंखों में क्यों लगाया जाता है, क्योकि कालोच अपने नैन में रहेंगे तो सामने वाले में आलोच नजर नही आएगा और न ही दूसरों को अपने में। कथा के तीसरे दिन निजी विद्यालय संघ के संचालकगण, प्रशासनिक अमला आदि ने मंच पर प्रदीप मिश्रा से आशीष प्राप्त किया। तीसरे दिन भी जमीन पर बैठकर कथा श्रवण की। कथा के पश्चात राज्यमंत्री राजेश अग्रवाल, पूर्व विधायक बालमुकुंदसिंह गौतम, मनोजसिंह गौतम, कमलसिंह पटेल, अमित जैन विक्की,मनीष बोकड़िया, आदि ने आरती में लाभ लिया। इससे पूर्व शनिवार को तहसील के विभिन्न मंदिरों के पूजारियों का सम्मान किया गया।

तीसरे दिन बढ़ाया टेंट

दो दिन की कथा के पश्चात तीसरे दिन रविवार को 12 हजार वर्ग फुट का पांडाल अतिरिक्त रूप से बढ़ाया गया। किंतु यह पांडाल भी रविवार को छोटा पड़ गया और कई श्रद्धालुओं ने तपती धूप में खड़े रहकर कथा का रसपान किया।पहले आराम में रहने वाले, मठमंदिर में रहने वाले, सत्संग में रहने वाले साधु संत उपासक इन पर रामायण से मतलब रहता था। धीरेधीरे भगावन का भजन छोडकर कहीं न कहीं संसार के लोगों में प्रवेश करते गए। गीता छूटती गई जो तप करते रहे वह धीरे धीरे संसार में रमते चले गए। पहेल राम कृष्ण को पकडते थे किंतु आजकल के लोग किसी सत्ताधारी को पकड़ने लग गए।

एक-एक व्यक्ति की दो दो दुकाने है, घर के सब लोग काम करते है, सभी कमाते है लेकिन फिर भी घर का हंडा नही भर पाता है। घर में रोग, क्लेश, अशांति है, पढ़ाई भी अच्छी चल रही है उसके बाद भी घर में शांति नही है। किसके लिए भागदौड़ कर रहे है बड़े बड़े शहरों में लोग सुबह 8 से घर से निवकलते है 11 बजे पहुंचते है और शाम 6 निकलते है तो रात 10 बजे घर तक पहुंचता है। फिर उठा फिर चल दिया। परिवार का हंडा भी कितना भरना चाहो किंतु वह जिदंगी भर नही पर आएगा। एक फरमाईश पूरी होगी दूसरी आ जाएगी। इस परिवार को हंडे को पांच कर्म को इसको ले जाकर महादेव को वापस दे दो। जितना तू दे मेरे भाग्य का देना वही करोड़ों की दौलत हो जाए। हमे धन तो देना तो किस्मत का हो भाग्य को किसी दूसरें का मत देना।

ळम दुनिया को संतुष्ट करने चले, मैने तूझे जनम तेरे लिए दिया है किसी दूसरे के लिए नही। जन्म और खूब व्यापार बढ़ाया, जमीन बढ़ा ली, मकान बड़ा लिया दुनिया का सामान बढ़ा लिया लेकिन यदि जीवन में भजन नही किया भक्ति नही तो उद्धार संभव नही। यदि श्रद्धा और विश्वास के साथ भक्ति में रम गए तो जीवन सार्थक हो जाएगा। चोरों ने कितनी भी चोरी की होगी, धन इकटठा किया होगा लेकिन वे आज भी चोटटे की कहलाते है। उसने तो चोरी की थी लेकिन तुमने से कर्म भाग्य से कमाया थे। जिसने खोया था उसने तो फिर से कमा लिया लेकिन जिसने चुराया वो आज तक चोटटा ही रह गया।

सबको संतुष्ट करना बहुत कठिन है। परिवार में बाबा भोलेनाथ कहते है कि पेट मैने दिया तो भर में दूंगा। एक परिवार रूपी हंडे को भरने के लिए बेटे, परिवार, रिश्तेदार के लिए कुछ करनाा है इस परिवार के हंडे को जितना भी भरने का प्रयास करों यह कभी भर नही पाता है। खेत में गेहूं चना काट रहा है एक किसान से दुनिया के लोग किसान सबसे ज्यादा सुखी रहता है उसका शरीर को देखना तपता हुआ मिलेगा। एक दाना भी मेहनत से जब कम मिलती है तो उसकी आंखों में आंसू आ जाते है। आखिरी में भगवान पर छोड़ देता है कि अब तेरे भरोसे है। उसके बाद भी वह मेहनत करता रहता है किसान, जितना परिवार वाले एश की जिंदगी जीते होंगे किसान खेत में काम करता है पसीना बहाता है। इतनी मेहनत अपने परिवार का हंडा भरने के लिए करता है। अर्जुन, नकल, सहदेव, युधिष्ठिर सब पांडवों ने देखा की गाय बछिया का दूध पी रही है। इसका माता पिता बेटी को जन्म देंगे और वह कमा कर लाएगी और वह घर चलाएंगी।

पत्नी, बच्चे, भोजन पानी घर इतने 84 लाख योनिजों में जम्न लेगं तो सब कुछ मिलेगा पर हर जन्म शिवमहापुराण कथा की नही मिलेगी। मनुष्य की देह के लिए यह कथाहै। जब एक बार हम स्मरण कर लेते है शिव भक्ति में रम जाते है तो फिर हम विकारों में नही फसते। मन में आसक्ती जागे तो प्रयास करे कि हम भक्ति की और जाए। यह कथा हमारे जीवन का चरित्र है इसको ध्यान से सुनना। बहुत समय की कीमत समझना उसको जानने का प्रयास करना। जिसके पास संतोष रूपी धन होता है जिसके पास एक रूपया भी है उसमें प्रसन्ज्ञनता है बहुत मिलने के बाद भी उसको संतोष नही है तो वह दुखी है। जिसने अभिलाषा करी वो दुखी है और जिसने नही की वो सुखी होता है।

भगवान का भजन करने वाला, आनंदमय रहने वाला, शिवजी का भक्त बडी मुश्किल से पांच दिन की कथा दूसरी चीजों को एक-एक पल एक घडी का जो समय दिया है उसकाो अअगर कोई रोग लग जाता है मन में कहीं न टीस मन के अंदर कोई रोग लग जाता है तो उसका कोई इलाज नही है। उसका कोई इलााज है तो शिवमहापुरारण कथा ही है। शरीर के रोग को औषणियणें से मिटाया जा सकहा है किंतु मन का जो रोग है उसको मिटाने के लिए कोई दूसारी औषधी नही है। केवल एक औषधी है धर्म ध्यान शिवमहापुराण कथा सुनने की। पने जीवन में उतार लो। शरीर में कोइ बामारी हो तो उसका इलाज भी संभव है। पर मन में आठ दूरबीन से नजर रख रहे है, सीसीटीवी कैमरे कथा पांडाल 11 हजार 350 वर्ग फीट का बढ़ाया गया। अब पांडाल में बैठने की क्षमता डेढ़ लाख हो गई।पांडाल बढ़ाने के बाद भी कई श्रद्धालूओं ने तपती धूप में खड़े रहकर कथा श्रवण की। जानकारी शिव महापुराण आयोजन के मीडिया प्रभारी गोवर्धन सिंह डोडिया खिलेड़ी ने दी।

सकल पंच धाकड़ समाज द्वारा न्यायधीश बनने पर कमलेश धाकड़ का किया सम्मान

उन्हेल/दैनिक मालवा हेराल्ड। पंच धाकड़ समाज द्वारा धाकड़ धर्मशाला मे खाचरोद निवासी कमलेश पिता परमानंद धाकड़ के द्वारा न्यायाधीश की परीक्षा उत्तीर्ण कर सिविल जज बनने पर प्रथम उन्हेल आगमन पर श्री सकल पंच धाकड़ समाज एवं श्री धाकड़ युवा संघ द्वारा स्वागत और सम्मान किया गया इस मौके पर पंच धाकड़ समाज के अध्यक्ष रमेशचंद्र नंदेड़ा नगर परिषद अध्यक्ष शांतिलाल हल्कारा अखिल भारतीय धाकड़ युवा संघ के राष्ट्रीय महामंत्री दयाराम धाकड़ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नंदराम धाकड़ अखिल भारतीय श्री धाकड़ युवा संघ नगर अध्यक्ष कन्हैयालाल ढोढरिया नीरज खमोरिया गोविंद संगीत्रा दिनेश ढोढरिया रमेश नंदेडा नंदराम नायमा परमानंद धाकड़ संतोष मदारिया जगदीश धाकड़ गोविंद सलीत्रा तेजकरण धाकड़ दिनेश पटेल पूनमचंद्र खमोरिया नंदराम बंबोरिया धन्नालाल भगत कमलेश धाकड़ लीलाधर पटेल दिनेश नंदेड़ा सोभाराम सारा बाबूलाल खमोरिया भरत नागर हरिओम सगीतरा एवं समाज के गणमान्य नागरिक एवं युवा उपस्थित हुए, आर्थिक सहयोग की घोषणा की, पंच धाकड़ समाज के अध्यक्ष ने घोषणा की कि समाज के प्रतिभावान व आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए धाकड़ समाज आर्थिक रूप से सहायता प्रदान करेगा।

मध्यप्रदेश युवक कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष डॉ.विक्रांत भूरिया को भोपाल पुलिस द्वारा झाबुआ में उनके गोपाल कालोनी स्थित निवास स्थान से गिरफ्तार किया

झाबुआ/माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश युवक कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष डॉ.वि ांत भूरिया को आज भोपाल पुलिस द्वारा झाबुआ में उनके गोपाल कालोनी स्थित निवास स्थान से गिरफ्तार कर भोपाल ले जाया गया। आपको बता दें कि राहुल गांधी के समर्थन में अब तक किसी कांग्रेसी नेता की यह पहली गिरफ्तारी हुई है।

जीआरपी, भोपाल के टीआई नितीन पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि एक दिन पूर्व दक्षिण एक्सप्रेस ट्रेन को भोपाल में हबीबगंज रेलवे स्टेशन प्लेट फार्म नंबर एक पर बिना घोषणा के विक्रांत भूरिया एवं अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ताओं द्वारा अघोषित रूप से रोक कर रेल यात्रा को बाधित कर यात्रियों की यात्रा में व्यवधान डाला गया था। जिसके उपरांत जीआरपी थाना हबीबगंज में आईपीसी धारा 143 और रेलवे प्रोटेक्शन एक्ट की धारा 144, 147 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उसके पालन में माननीय न्यायालय के आदेशानुसार विक्रांत भूरिया की गिरफ्तारी की गई है।

आज सुबह तीन वाहनों से भोपाल पुलिस भारी पुलिस बल के साथ डा.विक्रांत भूरिया को गिरस्तार करने उनके निवास स्थान झाबुआ पहूंची जहां पर बड़ी संख्या में उपस्थित कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने विक्रांत भूरिया की गिरफ्तारी का विरोध किया। काफी जद्दोजहद के बाद आखिर कार पुलिस ने विक्रांत भूरिया को गिरफ्तार कर अपने साथ गाड़ी में बिठाकर ले जाने में सफलता प्राप्त की है।

ज्ञातव्य है कि डा.विक्रांत भूरिया पूर्व सांसद व केंद्रीय मंत्री तथा झाबुआ से कांग्रेस विधायक व आदिवासी नेता कांतिलाल भूरिया के सुपुत्र है। डा.विक्रांत भूरिया ने अपनी गिरफ्तारी पर कहा की भोपाल पुलिस मुझे झाबुआ से गिरफ्तार कर भोपाल ले जा रही है। कांग्रेसी लोग गिरफ्तारी से डरते नहीं है। कांग्रेस के लोगों ने देश की आजादी में जेलों में अपनी जिंदगीयां गुजार दी है। हम राहूल गांधी की सेना है, राहूल जी के साथ हमारी लड़ाई युवाओं और देश की लड़ाई है जो की जारी रहेगी भाजपा हम पर चाहे कितने ही जुल्म क्यों न ढहाये।

अकोदिया में सत्याग्रह आंदोलन के दौरान किया नरेंद्र मोदी के पुतले का दहन

अकोदिया/किशोर नाथ राजगुरु /दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सांसद सदस्यता समाप्त करने पर शाजापुर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा अकोदिया में सत्याग्रह आंदोलन व रैली निकाली गई जहां टप्पा चौराहे पर आयोजित सत्यग्रह आंदोलन को प्रदेश सह प्रभारी पीसी मित्तल जिला प्रभारी जयप्रकाश शास्त्री कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेंद्र बना वरिष्ठ नेता कांग्रेश अजब सिंह पवार कालापीपल विधायक कुणाल चौधरी पूर्व उम्मीदवार विधानसभा रामवीर सिकरवार कार्यकारी जिलाध्यक्ष केदार मेवाड़ा अशोक परमार गजेंद्र सिसोदिया ब्लॉक अध्यक्ष हिरेंद्र जादौन भोजराज परमार दिनेश शर्मा कालापीपल ब्लॉक अध्यक्ष अचल मेवाड़ा सुजालपुर ब्लॉक अध्यक्ष मंगल राठौर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रचना जैन जयंत सिकरवार हरि सिंह मंडलोई कुमेर सिंह एलम सिंह मेवाडा पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेंद्र मेवाड़ा सहित कई कांग्रेस के जिले के वक्त ब्लॉक के पदाधिकारी ने संबोधित किया जहां संबोधित के दौरान उन्होंने लोकतंत्र की हत्या करार दिया है वही नरेंद्र मोदी की तानाशाही नहीं चलेगी सहित कई प्रकार के नारे भी लगाए गए चोर को चोर कहने पर इस तरह जनप्रतिनिधियों को बदनाम कर रही है वही हम न्यायपालिका पर पूर्ण विश्वास है और जो भी फैसला है उसे हम वो राहुल गांधी भी मान रहे इस दौरान अकोदिया पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रामनारायण कुशवाह युवा नेता सुमेर परमार महेश कचन कमल मालवीय चिराग परमार लक्ष्मी नारायण परमार शिवनारायण परमार बाबू सिंह मेवाड़ा मुकेश पटेल गोविंद परमार आजाद मंसूरी विजय भानेज मनीष परमार विजेंद्र लाला बृजमोहन पवार सहित सही कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

पेपर लिक के खिलाफ कांग्रेस ने दिया धरना, शिक्षा मंत्री का पुतला दहन कर जताया आक्रोश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी की सरकार 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं के पेपर लिक के विरोध में रविवार को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के पूर्व अध्यक्ष अजीत सिंह के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। बच्चो के भविष्य बर्बाद कर रही भाजपा के खिलाफ धरना देते हुए कांग्रेसियों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। अजीत सिंह ने कहा की मध्यप्रदेश में बच्चों के भविष्य के साथ जो खिलवाड़ भारतीय जनता पार्टी और उनकी सरकार के मंत्री द्वारा किया जा रहा है वह कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। अजीत सिंह ने कहा कि एक गरीब परिवार के मां-बाप लोन लेकर कर्ज करके अपने बच्चों की पढ़ाई लिखाई कराते हैं लेकिन ये शिक्षा के सौदागर एन वक्त पेपर लिक कर के उनकी कड़ी मेहनत पर पानी फेरने का काम करते हैं।

हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम का समापन पर भाजपा पर जमकर बरसे कालापीपल विधायक कुणाल चौधरी

किसानों के पेट पर लात और छाती पर गोली नंगा करके वार करने की आदत भारतीय जनता पार्टी की है, विधायक कुणाल चौधरी

अकोदिया/ किशोर नाथ राजगुरु /दैनिक मालवा हेराल्ड। शाजापुर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा रविवार को हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम का समापन हुआ स्थानीय सार्वजनिक धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कांग्रेस सचिव एवं प्रदेश कांग्रेश सह प्रभारी सी.पी. मित्तल कांग्रेस जिला अधक्ष योगेंद्र सिंह बंटी बना ति कालापीपल विधायक कुणाल चौधरी पूर्व का पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामवीर सिंह सिकरवार प्रदेश सचिव गजेंद्र सिंह सिसोदिया रचना जैन आदि मंचासीन अतिथि मौजूद रहे जहां कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीपी मित्तल ने कहा कि आज समय आ गया है कि हम सब कांग्रेस जन एकजुट होकर आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेसका परचम फहरायगें कार्यक्रम को अन्य कांग्रेश जनों ने भी संबोधित किया वही कांग्रेश नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता निरस्त करने पर कांग्रेसियों ने काली पट्टी बांधकर नगर में पैदल मार्च निकाला और टप्पा चौराहा पर सत्याग्रह किया और बस स्टैंड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुर्दाबाद राहुल गांधी जिंदाबाद जैसे नारे लगाए कार्यक्रम में कालापीपल विधायक कुणाल चौधरी के द्वारा भाजपा पर जमकर हमला बोला वही मीडिया से चर्चा करते हुए विधायक कुणाल चौधरी ने कहा कि जिस दिन यह सड़के सुनी हो जाएगी उस दिन इस देश की संसद आवारा हो जाएगी और इस देश की संसद को आवारा होने से बचाने के लिए आज कांग्रेसका एक-एक कार्यकर्ता सड़कों पर है हमारे नेता राहुल गांधी जी शोषित वंचित किसान मजदूर की आवाज को बुलंद करने के लिए कन्याकुमारी से कश्मीर तक गए वही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बयान पर कुणाल चौधरी ने कहा कि कांग्रेस देश की समस्या इसलिए दिखती है इनको क्योंकि कांग्रेस किसानों की बात करती है भाजपा अडानी की जेब में बैठे हुए हैं और कांग्रेस किसानों के साथ खड़ी है जो किसानों की बात करेती हे किसानों के पेट पर लात और छाती पर गोली नंगा करके वार करने की आदत भारतीय जनता पार्टी की है।

भगवान के प्रति निष्ठा के बिना कर्म फल नहीं देता-वंदना श्री

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। गीता के उपदेश को सुनकर हम अच्छे कर्म के लिए प्रेरित जरूर होते हैं। किंतु जब तक अपने कर्म अर्थात कार्य करते समय प्रभु का स्मरण नहीं रखोगे तो कर्म के प्रतिफल में अनुकुलता नहीं रहेगी। अर्जुन के साथ स्वयं भगवान थे उसी विश्वास ने अर्जुन को कर्म करने के लिए प्रेरित किया और अर्जुन ने अन्याय के विरूद्ध शस्त्र उठाए तथा महाभारत जैसे युद्ध में विजय प्राप्त की। कर्म के अनुसार फल मिलता है यह पूर्ण सत्य नहीं, कई बार हम अच्छे कार्य करते हैं फिर भी परिणाम अनुकूल नहीं होता, उसका कारण कर्म करते समय हमने परमात्मा को साक्षी नहीं माना। जो हमें सतकर्म करने के लिए प्रेरित करता है। भगवान के प्रति निष्ठा के बिना कोई कर्म अनुकूल फल नहीं देता। यह विचार कैलादेवी मदिर पर हो रही संगीत एवं दृष्यमय श्रीमद भागवत कथा में बृजरत्ना वंदना श्री ने श्रीमद भागवत के प्रसंगों का दृष्टांत सुनाते हुए व्यक्त किये। कथा में हर प्रसंग को आपने जितनी सुंदरता से वर्णित किया उतने सुंदर अभिनय के साथ बृज के कलकारों ने चरित्र के भाव में प्रवेश कर उपस्थितजनों को हर प्रसंग में इतना बांधे रखा कि वे भाव विभोर हो गए। कथा संपूर्ण रसों के साथ ईश्वर की लीला का दर्शन करा रही है। कथा में सती अनुसुईया के सतित्व का बहुत ही सुंदर सजीव चित्रण किया। ब्रह्मा, विष्णु, महेश, माता पार्वती, ब्रह्माणी के साथ माता अनसुईया एवं नारद जी का सुंदर अभिनय को देखकर श्रोतागण नयनाभिराम हो गए। कथा में ध्रुव चरित्र का मार्मिक चित्रण किया गया साथ ही ध्रुव तारे के अस्तित्व का कथा में सुंदर वर्णन हुआ। अजामिल की कथा में मनुष्य के बुरे कर्मो का परिणाम एवं अंत समय में ईश्वर याद करने का प्रतिफल बताया। आज कथा में ठाकुरजी के अवतरण की कथा दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगी। व्यासपीठ की पूजा आयोजक मन्नुलाल गर्ग, दीपक गर्ग, जयेश गर्ग, हितेश गर्ग, हरीश गोयल, योगेश बंसल एवं राजेश अग्रवाल ने सपरिवार की। बड़ी संख्या में महिला एवं पुरूषों ने कथा श्रवण कर दृश्यमय कथा का आनंद लिया।

केंद्रीय सहायक आयकर आयुक्त नियुक्त होने पर महाराष्ट्र समाज ने किया तन्मय काले का अभिनंदन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय सहायक आयकर आयुक्त भारत सरकार के पद पर नियुक्त होने उज्जैन के महेश विहार निवासी तन्मय काले का महाराष्ट्र समाज द्वारा स्वागत किया गया। समाज सचिव सुशील मूले के अनुसार केंद्रीय सहायक आयकर आयुक्त पद पर नियुक्त होने के बाद तन्मय पहली बार उज्जैन पहुंचे। इस मौके पर समाज के अध्यक्ष पंकज चांदोरकर, सचिव सुशील मूले, कोषाध्यक्ष सतीश हरणे, सहसचिव संजय देवधर, दीपक अवसरकर, राजश्री जोशी, धनश्री काले, मिलिंद पन्हालकर, गौरव गड़करी, तुषार मुजुमदार, संदीप मेहंदले, संदीप गड़करी आदि सदस्यों द्वारा पुष्पमाला, दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया।

कॉम्बिंग गश्त में 400 अधिकारी एवं पुलिसकर्मी मैदान में उतरे

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस विभाग के जिले के 400 से अधिक पुलिस अधिकारियों, पुलिस कर्मियों ने कॉम्बिंग गश्त करते हुए 56 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया और 92 गिरफ्तारी वारंट तामिल करवाते हुए कुल 163 वारंटी तमिल कराए।

इसके साथ ही 500 निगरानी शुदा गुंडे बदमाशों और जिलाबदर हुए बदमाशों की तलाशी ली गई। कॉम्बिंग गश्त के दौरान मंदसौर पुलिस के अलग-अलग थानों के 4 उद्घोषित बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। इनमें कोतवाली और गरोठ थाने से 1-1 और मल्हारगढ थाने से 2 बदमाश गिरफ्तार किए हैं। वहीं, इनामी बदमाशों में कोतवाली पुलिस ने 10 हजार के इनामी बदमाश कादर पिता फारुख मेवाती (20) निवासी रिसालदार गली चांदनी चौक मदारपुरा को गिरफ्तार किया। वही भावगढ पुलिस ने 5 हजार के इनामी बदमाश अर्जुन पिता देवीलाल बावरी निवासी चंदनखेड़ा और मल्हारगढ पुलिस ने 2 हजार के इनामी बदमाश कारूलाल पिता मांगीलाल बावरी निवासी चंदनखेड़ा को गिरफ्तार किया।

वहीं, कॉम्बिंग गश्त के दौरान गरोठ पुलिस ने तस्करी के मामले में फरार चल रहे 2 हजार के इनामी बदमाश सुनिल पिता रामचंद्र पाटीदार निवासी नाटाराम को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही दलौदा पुलिस ने 2 चोरी गए वाहनों को बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है वही 2 गुमशुदा व्यक्तियों को बरामद किया है। कॉम्बिंग गश्त के दौरान मंदसौर पुलिस के द्वारा वाहनों की चेकिंग के दौरान 20 वाहनों पर चलानी कारवाई करते हुए 6 हजार का समन शुल्क वसूला। वही आर्म्स एक्ट के 7 और जुआं सट्टा के 2 प्रकरण बनाए। अवैध शराब मामले में 40 प्रकरणों में 41 आरोपियों के खिलाफकार्रवाई करते 3947 लीटर अवैध शराब जब्त की गई।

राज्य कर्मचारी संघ कल्याण समिति अध्यक्ष से की 4व डीए की मांग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जिला शाखा उज्जैन ने माननीय रमेश चंद शर्मा कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) के उज्जैन आगमन पर नाथ चंद्रेश्वर धाम मंदिर मेलानिया मैं एक कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष मनोहर गिरी प्रदेश सह कोषाध्यक्ष अनोखीलाल शर्मा ने राज्य के कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को केंद्र सरकार के समान डीए नवरात्रि के पूर्व देने की मांग रखी। उक्त जानकारी देते हुए जिला सचिव दिलीप चौहान ने बताया कि इस अवसर पर दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को विनियमित एवं विनियमित कर्मचारियों को विभिन्न विभागों में चतुर श्रेणी एवं तृतीय श्रेणी के रिक्त पदों पर नियमित किए जाए, विनियमित कर्मचारियों को सातवां वेतनमान दिया जाए, विनियमित कर्मचारियों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जाए की मांग का ज्ञापन दिया गया।

मोबाईल चुराने वाला सीसीटीवी में कैद हुआ, पुलिस ने पकड़ा

मंदसौर/पिपलियामंडी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मोबाइल शॉप से चोरी हुए दो मोबाइल बरामद कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार बूढ़ा निवासी मनोज जैन ने बूढ़ा चोकी पर शिकायत दर्ज कराई कि शुक्रवार को प्रातः 11 बजे खाना खाने घर गया, इसी दौरान इसी दौरान टेक्नो कंपनी के 2 मोबाइल चोरी हो गए। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से दो घंटे में मोबाइल चोरी करने वाले टकरावद निवासी सावन उर्फसावन्त (19) पिता शम्भूसिंह चन्द्रावत को पकड़ लिया। आरोपी घटना के दौरान नई बाइक से आया था व मोबाइल चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। घटना सीसीटीवी में भी कैद हुई, इसी आधार पर पुलिस चोर तक पहुंच पाई। आरोपी के खिलाफधारा 380, 454 में मामला दर्ज कर चोरी गए मोबाइल बरामद किए।

तीन छत्री बालाजी धाम में प्रारंभ हुआ महायज्ञ, निकली कलश यात्रा

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड।श्री तीन छत्री बालाजी धाम में 26 मार्च से श्री रामचरित मानस नवकुण्डात्मक महायज्ञ प्रारंभ हुआ। श्रीश्री 1008 श्री महंत श्री रामशिरोमणी दासजी महाराज सरंभग ऋषि आश्रम चित्रकूट धाम, श्रीश्री 1008 श्री महंत श्री रामकिशोरदासजी महाराज श्री तीन छत्री बालाजी धाम मंदसौर के सानिध्य में 12 दिवसीय आयोजन प्रारंभ हुआ। आयोजन के शुभारंभ अवसर पर एक विशाल कलश यात्रा मंदिर प्रांगण से निकली जो विभिन्न मार्गो से होती हुई पुनः तीन छत्री बालाजी धाम पर पहुंची। कलश यात्रा में महिलाएं लाल चुनरी की साडी पहन सिर पर कलश धारण कर चल रही थी। यात्रा में सबसे आगे संत यात्रा की शोभा बढा रहे थे। कार्यक्रम के अंतर्गत भीमाशंकर शास्त्री के मुखारबिंद से भागवत कथा के प्रवचन भी प्रारंभ हुए। इस अवसर पर यज्ञ शाला पर कलश एवं ध्वजा चढ़ाई गयी। कलश यात्रा में संत समाज सहित बडी संख्या में शहर की धर्म प्रेमी जनता ने सहभागिता की।

गुरु सृजन करके उसका संवर्द्धन भी करते हैं

आचार्य पदवी के बाद पहली बार पधारे वीर रत्न सुरेश्वर जी आदि का मंगल प्रवेश जुलूस निकला

-आज खारा कुआ मन्दिर मे प्रवेश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरु वह होते हैं, जो सृजन करके उसका संवर्धन करे और आने वाले दोषों का विसर्जन (नष्ट) करे। अरविंद नगर मे श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर निर्माण और प्रतिष्ठा के बाद से क्षेत्र का और क्षेत्र के श्री संघ का चहुंमुखी विकास हुआ, उसका बहुत आनन्द हैं।

यह बात आचार्य पदवी प्राप्त करने के बाद पहली बार नगर मे पधारे श्री मद विजय, आचार्य श्री वीररत्न सुरेश्वर जी मसा ने अरविंद नगर उपाश्रय मे आयोजित धर्म सभा मे कहीं। उसके पूर्व बैंड बाजे के साथ उनका मंगल प्रवेश जुलूस निकला , जो क्षेत्र की कालोनियों मे होकर उपाश्रय पहुँचकर धर्म सभा मे परिवर्तित हुआ । उपस्थित आचार्य श्री पद्मा भूषण सुरेश्वर जी मसा, मुनिश्री ऋषभ रत्न विजय, निरा ग रत्न विजय, त्रिपदि रत्न ने भी प्रवचन प्रदान किए। साध्वी भक्ति रेखा श्री जी आदि ठाणा 12 भी उपस्थित थे।

वंदना सकलेचा ने मंगल गीत की प्रस्तुति दी । इस अवसर पर आयोजित नवकारशी का लाभ सुजानमल, अभय मामा सकलेचा परिवार ने तथा गुरुदेव को कामली अर्पित करने का लाभ जैन ज्वैलर्स परिवार ने लिया। समाजजनों के साथ ट्रस्ट अध्यक्ष नरेश भंडारी ने 2024 के चातुर्मास की विनती की। संचालन राकेश कोठारी ने किया।

आज खारा कुआ मे प्रवेश, सोमवार सुबह 9 बजे कांच के जैन मन्दिर दौलत गंज से आचार्य श्री वीर रत्न सुरेश्वर जी , आचार्य श्री पद्मा भूषण सुरेश्वर जी आदि ठाणा 11 एवं गणिवर्य श्री आदर्श रत्न सागर जी आदि ठाणा का मंगल प्रवेश जुलूस प्रारम्भ होगा , जो प्रमुख मार्ग से होकर श्री केशरिया नाथ सिद्ध चक्र आराधन तीर्थ पेढ़ी पहुंचेगा। ट्रस्ट सचिव नरेंद्र जैन दलाल के अनुसार गुरुदेव के सानिध्य मे 28 अप्रेल से 9 दिवसीय नवपद ओली तप आराधना प्रारम्भ होगी। जिसमे करीब 300 तपस्वी नौ दिवसीय आयंबिल तप आराधना करेंगे।

श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर पर भव्यता से मनाया जाएगा श्री हनुमान जयंती पर्व

श्री हनुमंत रुद्र महायज्ञ, श्री बालाजी रस महोत्सव एवं ढोल तथा आतिशबाजी के साथ होगी महाआरती

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जन-जन के आराध्य श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर पर प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री हनुमान जयंती पर्व पर भव्य आयोजन होगा। इस पुनीत अवसर पर आध्यात्मिकता से परिपूर्ण चार दिवसीय आयोजन संपन्न होंगे। श्री हनुमान जयंती पर्व का शुभारंभ दिनांक 3 अप्रैल से होगा।

श्री हनुमान जयंती पर्व की जानकारी देते हुए श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर ट्रस्ट द्वारा बताया गया कि श्री हनुमान जयंती पर्व के तहत चार दिवसीय आयोजन संपन्न होंगे। इनमें दिनांक 3 अप्रैल सोमवार को श्री अखंड रामायण पाठ होगा। दिनांक 4 अप्रैल मंगलवार को श्री बालाजी रस महोत्सव सहित अन्य धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे। आचार्य डॉ. देवेंद्र शर्मा शास्त्री के आचार्यत्व में भगवान श्री बालाजी महाराज का वेद ऋचाओं से विशेष पूजन किया जाएगा। साथ ही रजत पुष्प, मोती, पुखराज, पन्ना आदि रत्नों से श्री बालाजी महाराज का सहस्त्रार्चन किया जाएगा। दिनांक 5 अप्रैल बुधवार को 108 प्रकार की औषधियों से पंच कुंडीय होमात्मक हनुमंत रूद्र महायज्ञ संपन्न होगा। दिनांक 6 अप्रैल गुरुवार को प्रातः 6 बजे बैंड, ढोल एवं भव्य आतिशबाजी के साथ भगवान श्री बालाजी महाराज की भव्य महाआरती की जायेगी। महाआरती के पश्चात ढाई क्विंटल प्रसादी का वितरण होगा। महाआरती के पश्चात सभी भक्तजन अपनी मनोकामना पूर्ति एवं कष्ट निवारण की कामना के साथ महायज्ञ में पांच-पांच आहुति प्रदान करेंगे। अपरान्ह 11.15 बजे यज्ञ की पूर्णाहुति होगी। इस वर्ष आयोजन की विशेषता यह होगी कि आचार्य देवेंद्र जी शास्त्री द्वारा भगवान बालाजी की विशेष पूजा अंजना जी तीर्थ से प्राप्त जल से की जावेगी। उल्लेखनीय है कि अंजनादि तीर्थ पर ही भगवान श्री हनुमान जी का जन्म माना गया है। श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर ट्रस्ट ने भक्तो से आग्रह किया है कि श्री हनुमान जयंती पर्व के धार्मिक आयोजनों की श्रंखला में अवश्य सहभागी होकर धर्म लाभ प्राप्त करें।

जैन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप ने निकाली साइकिल यात्रा

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड।अखिल भारतीय जेन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप फाउण्डेशन के तत्वावधान में मंदसौर जैन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप ने भगवान महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर आयोजित सायक्लोथान कार्यक्रम के अंतर्गत मंदसौर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सीए प्रतिक डोसी एवं वर्तमान अध्यक्ष विकास पामेचा के नेतृत्व में सायकिल यात्रा निकाली।

ग्रुप की साइकिल यात्रा रविवार को प्रातः 7 बजे नेहरू बस स्टेण्ड से प्रारंभ हुई जहां पर गौशाला में गौवंश का आहार करवाया गया इसके पश्चात् यात्रा विभिन्न मार्गो से होती हुई नई आबादी स्थित श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ मंदिर होती हुई रेवास देवडा रोड स्थित मनमोहन वाटिका पर संपन्न हुई। जिसमें ग्रुप के सीए प्रतिक डोसी, विकास पामेचा, अंकुश कोठारी, विनोद कुकडा, सौरभ डोसी, विवेक खाबिया आदि उपस्थित थे।

देवमानूस - माणूस होण्या ची गोष्ट, एक डॉक्टर की मार्मिक युद्ध डायरी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोई भी युद्ध किसी प्रश्नं पर उत्तर नही हो सकता, इंसान इंसान में फर्क निर्माण होता है तो युद्ध की परिणिती होती है, युद्ध से इंसान इंसान से अलग होने लगता है जो जीवन को एक शर्मनाक दृश्य दिखाता है।

ऐसे मार्मिक एवं सामाजिक विषय को स्वर संवाद सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्था, उज्जैन द्वारा अपने वार्षिक सदस्यों के लिए रविवार 26 मार्च को सांय 6.15 बजे निर्माती कविता मच्छिंद्र कांबळी भद्रकाली प्रॉडक्शन्स मुम्बई निर्मित एवं प्रसाद कांबळी द्वारा प्रस्तुत मराठी नाटक÷ देवमाणूस÷ के माध्यम से कालिदास अकादमी के पं. सूर्यनारायण व्यास ÷संकूल÷, उज्जैन में मंचित किया गया। नाटक ÷देवमाणूस÷ के नायक राघव दीक्षित पेशे से डॉक्टर हैं। चुनौतीपूर्ण काम उनकी जीवन शैली है। उन्हें 2014 से 2018 तक, सीरिया, जतारी, यमन और मोसुल देशों के युद्धग्रस्त शहरों में चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने का अवसर दिया गया है। डॉक्टर कवी हृदय होने से प्रत्येक सानिध्य में आने वाले व्यथित आदमी से मिलकर एवं युद्ध के उपरांत के परिणाम से डॉक्टर विचलित रहता है। उसका मानना है की युद्ध समाधान नहीं एक समस्या है और इस समस्या का समाधान मनुष्य को सामूहिक चिंतन से करना चाहिए।

कलेक्टर ने लाड़ली बहना योजना केंद्रों का निरीक्षण किया

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने मंदसौर एवं सीतामऊ क्षेत्र में आवेदन फार्म जमा करने वाले मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर निरीक्षण के दौरान कमला नेहरू मंदसौर, सीतामऊ में ग्राम ठिकन्या, सुरी, खेड़ा गांव में पहुंचे। केंद्रों पर योजना से संबंधित कितने आवेदन प्राप्त हुए इस संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी केंद्रों पर निर्देश देते हुए कहा कि आवेदन जमा करने आने वाले हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत कुमार सत्यम उपस्थित थे। केंद्रों पर आवेदन फार्म जमा करने के लिए आने वाली पात्र महिलाओं से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि महिलाओं को आवेदन फार्म जमा करने में कोई असुविधा ना हो।

विधानसभा क्षेत्रों संसदीय क्षेत्रों में माननीय मंत्री महोदयों से सांसद महोदयों से विधायक महोदयों को लाल गुलाब का पुष्प एवं ज्ञापन सौंपकर मांगे पूरी करने का निवेदन किया

महिला बाल विकास से मुलाकात हेतु समय देने का अनेकों बार निवेदन किया गया

खाचरोद/दैनिक मालवा हैराल्ड/मुरलीदास बैरागी। महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त मोर्चा संघ के परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों ने विगत 30 वर्षों से लंबित वेतन संबंधी विसंगतियां जैसे ग्रेड पे कम मिलना पदनाम सहित टाइम स्केल ना मिलना पर्यवेक्षकों की पदोन्नति ना होना संविदा पर्यवेक्षकों का नियमितीकरण करना विकासखंड महिला सशक्तिकरण अधिकारी के नाम से प्रभारी शब्द हटाकर परियोजना अधिकारी के पद पर मर्ज करने परियोजना अधिकारियों को आहरण संवितरण अधिकार पुनः देने की मांग तथा पुराने विभागीय क्षतिग्रस्त वाहनों को कंडम घोषित कर किराए के वाहन लगाने की अनुमति देने की मांगे शासन स्तर से लंबे समय से विचाराधीन हैं संयुक्त मोर्चा संघ के प्रतिनिधि मंडल द्वारा विगत 2 वर्षों से माननीय मुख्यमंत्री महोदय एवं भार साधक मंत्री जी महिला बाल विकास से मुलाकात हेतु समय देने का अनेकों बार निवेदन किया गया लेकिन माननीय मुख्यमंत्री जी ने मुलाकात का समय नहीं दिया जिससे इन कैडरो में अत्याधिक निराशा है पूर्व में दो 2 मार्च से 14 मार्च तक संयुक्त मोर्चा संघ ने मध्य प्रदेश के सभी जिलों में शासन एवं प्रशासन को अपनी मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपकर मांगे पूरी करने हेतु निवेदन किया

तत्पश्चात 3 मार्च को माननीय मुख्यमंत्री महोदय का ध्यान आकर्षण करने के लिए संयुक्त मोर्चा संघ द्वारा 3 मार्च का सामूहिक अवकाश लिया जाकर अपनी मांगों की चिट्ठी पाती डाक तार के माध्यम से प्रेषित करी गई 5 मार्च को हमारे संयुक्त मोर्चा संघ की महिला कर्मियों ने जनप्रतिनिधियों को रक्षा सूत्र बांधकर अपनी बातें माननीय मुख्यमंत्री महोदय तक पहुंचाने का निवेदन किया तथा 6 से 10 मार्च के बीच संयुक्त मोर्चा संघ ने प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों संसदीय क्षेत्रों में माननीय मंत्री महोदयों से सांसद महोदयों से विधायक महोदयों को लाल गुलाब का पुष्प एवं ज्ञापन सौंपकर मांगे पूरी करने का निवेदन किया परन्तु कोई जबाव विभाग के दुवारा नही दिया गया संयुक्त मोर्चा संघ की 14 तारीख को बैठक में यह निर्णय लिया गया कि हमने 2 से 14 मार्च तक का समय अपनी मांगों को पूरी करने के लिए विभिन्न प्रकार के संदेश माध्यमों का उपयोग किया परंतु 2 सप्ताह का समय देने के बावजूद भी हमें कोई जवाब नहीं मिला तब संयुक्त मोर्चा संघ ने व्यथित होकर एवं पूर्व सूचना अनुसार 15 मार्च से सामूहिक अवकाश पर रहने का निर्णय लिया आज संयुक्त मोर्चा संघ को सामूहिक अवकाश पर रहते हुए आज 12 दिन हो गये है परंतु माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने अभी तक हमारी मांगे पूरी नहीं करी और ना ही किसी तरह से हमें आश्वस्त किया परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक संयुक्त मोर्चा संघ 15 मार्च से लगातार विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रम के माध्यम से जिला स्तर पर कार्यक्रम कर रहे हैं इसी श्रंखला में हड़ताल के 12 वे दिन मध्यप्रदेश परियोजना अधिकारी संघ के अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार अनुसार हम सभी उज्जैन जिले के परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक संयुक्त मोर्चा संघ ने अपनी मांगों को लेकर एक बार पुनःमाननीय श्री सुलतानसिंह शेखावत पूर्व विधायक श्री दिलीपसिंह शेखावत और नागदा खाचरोद विधायक श्री दिलीपसिंह जी गुर्जर को ज्ञापन दिया ज्ञापन सौंपते समय परियोजना अधिकारी जिला उज्जैन संघ के अध्यक्ष मुकेश वर्मा परियोजना अधिकारी खाचरोद मनोजसिंह जाट,इसी श्रंखला में उज्जैन जिलें की पर्यवेक्षक सुषमा यादव शोभना कनेरे नीता सुयल सुनीता साहनी टीना बैरागी ममता डांगी अर्चना खंड मंजुला राठौर प्रीति श्रीवास्तव राहत खान संगीता शर्मा ने उपस्थित रहे।

उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

(जाहिर सूचना)

उज्जैन विकास प्राधिकरण की श्री महाकाल वाणिज्यिक सह आवासीय योजना के अंतर्गत वाणिज्यिक सह आवासीय उपयोग के भूखण्ड/भवन **क्रमांक सी-4/10 श्रेणी ई.डब्ल्यू.एस.** को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्री-होल्ड) में संपरिवर्तन के संबंध में।

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति उज्जैन विकास प्राधिकरण के रिकार्ड में **श्री नेतराम विश्वकर्मा पिता स्व. खेमसिंह विश्वकर्मा एवं श्रीमती मीना विश्वकर्मा पति श्री नेतराम विश्वकर्मा निवासी - सी-4/10 महाकाल वाणिज्यिक केन्द्र उज्जैन (म.प्र.)** के नाम पर दर्ज है तथा प्राधिकरण कार्यालय में आवेदक के द्वारा आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र मय फोटो आदि समस्त दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से फ्री-होल्ड में संपरिवर्तन करने हेतु निवेदन किया गया है, को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्री-होल्ड) किये जाने में यदि किसी को भी कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन होने की दिनांक से पन्द्रह दिन (15 दिवस) की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति मय दस्तावेजों के साथ कार्यालय उज्जैन विकास प्राधिकरण, उज्जैन अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा मियाद समाप्ति के पश्चात् उक्त सम्पत्ति को औपचारिकतायें पूर्ण होने पर अर्थात समस्त दस्तावेज तथा बकाया राशियाँ जमा होने पर आवेदन तथा दस्तावेज के आधार पर उक्त सम्पत्ति भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) कर दी जावेगी जिसमें किसी की कोई आपत्ति / उज्र मान्य नहीं होगी।

सहायक सम्पदा अधिकारी
उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

(जाहिर सूचना)

उज्जैन विकास प्राधिकरण की श्री महाकाल वाणिज्यिक सह आवासीय योजना के अंतर्गत वाणिज्यिक सह आवासीय उपयोग के भूखण्ड/भवन **क्रमांक ए-10/8 श्रेणी ई.डब्ल्यू.एस.** को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्री-होल्ड) में संपरिवर्तन के संबंध में।

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति उज्जैन विकास प्राधिकरण के रिकार्ड में **श्री नवीन राय पिता श्री देवीलाल जी राय निवासी- 133, लाला लाजपतराय मार्ग, गली नं. 1, उज्जैन (म.प्र.)** के नाम पर दर्ज है तथा प्राधिकरण कार्यालय में आवेदक के द्वारा आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र मय फोटो आदि समस्त दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से फ्री-होल्ड में संपरिवर्तन करने हेतु निवेदन किया गया है, को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्री-होल्ड) किये जाने में यदि किसी को भी कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन होने की दिनांक से पन्द्रह दिन (15 दिवस) की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति मय दस्तावेजों के साथ कार्यालय उज्जैन विकास प्राधिकरण, उज्जैन अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा मियाद समाप्ति के पश्चात् उक्त सम्पत्ति को औपचारिकतायें पूर्ण होने पर अर्थात समस्त दस्तावेज तथा बकाया राशियाँ जमा होने पर आवेदन तथा दस्तावेज के आधार पर उक्त सम्पत्ति भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) कर दी जावेगी जिसमें किसी की कोई आपत्ति / उज्र मान्य नहीं होगी।

सहायक सम्पदा अधिकारी
उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

बड़नगर विधायक श्री मोरवाल की अनुशंसा पर क्षेत्र में निर्माण और विकास कार्यों के लिये 21 लाख रु. से अधिक की राशि स्वीकृत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर के विधायक श्री मुरली मोरवाल की अनुशंसा पर विधानसभा क्षेत्र विकास योजना वर्ष 2022-23 के अन्तर्गत क्षेत्र में विभिन्न निर्माण और विकास कार्यों के लिये कलेक्टर कार्यालय द्वारा 21 लाख 21 हजार 906 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसमें नगर पालिका बड़नगर के अडान मोहल्ले में कब्रिस्तान पर हाईमास्ट लाइट पोल हेतु दो लाख 89 हजार 862 रुपये, ग्राम गुरावदा और बरड़िया में स्थाई यात्री प्रतीक्षालय लाईट सहित (9 गुणा 18) छह सीटर निर्माण हेतु पांच लाख 30 हजार 44 रुपये, ग्राम इंगोरिया में शमशान शेड निर्माण हेतु तीन लाख रुपये, ग्राम झालरिया में आजाद के घर से छोटू के घर तक सीसी रोड निर्माण हेतु तीन लाख 52 हजार रुपये, ग्राम चिरोला में विष्णुदास बैरागी के घर से चौक तक सीसी रोड निर्माण हेतु एक लाख 50 हजार रुपये, ग्राम बड़गारा में सीसी रोड निर्माण हेतु एक लाख रुपये, ग्राम घड़सिंगा में नरसिंह के घर से कृष्णपाल के खेत तक सीसी रोड निर्माण हेतु तीन लाख रुपये और ग्राम असावता में ग्राम चौपाल निर्माण हेतु एक लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

सम्पादकीय

सजा भुनाने की कोशिश

कानूनी लड़ाई से ज्यादा राजनीति को प्राथमिकता देने का प्रयास,राहुल गांधी कुछ भी कहें सच तो यही है कि मानहानि के मामले में सजा उनके उस बयान के लिए मिली है जो उन्होंने चार वर्ष पहले मोदी समाज को लेकर दिया था। क्या राहुल गांधी अपनी सजा के खिलाफ अपील करने के बजाय जेल जाना पसंद करेंगे!

लोकसभा की सदस्यता गंवाने के बाद पहली बार मीडिया को संबोधित कर रहे राहुल गांधी ने जिस तरह यह कहा कि कुछ भी हो जाए, मैं अदाणी मामले को लेकर प्रश्न पूछता रहूंगा, उससे यह स्पष्ट हो गया कि मानहानि मामले में अपनी सजा को लेकर वह कानूनी लड़ाई से अधिक राजनीतिक लड़ाई लड़ने को प्राथमिकता देने जा रहे हैं। इसका पता कांग्रेस की ओर से देश भर में धरना-प्रदर्शन करने की तैयारी से भी चलता है। यह भी उल्लेखनीय है कि अपने प्रवक्ता पवन खेड़ा के मामले में जो कांग्रेस आनन-फानन सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई थी, वह राहुल गांधी के मामले में ऐसी कोई तत्परता नहीं दिखा रही है। इसका अर्थ है कि राहुल गांधी की सजा को राजनीतिक रूप से भुनाने की तैयारी कर ली गई है।

इसी के तहत राहुल गांधी और कांग्रेस की ओर से यह बताने की कोशिश की जा रही है कि उन्हें सजा इसलिए सुनाई गई और उनकी सदस्यता इसलिए चली गई, क्योंकि वह अदाणी मामले पर लगातार सवाल खड़े कर रहे थे। किसी मामले को अलग रूप देकर उसे राजनीतिक रूप से भुनाना कोई नई-अनोखी बात नहीं, लेकिन ऐसी कोशिश तभी सफल होती है, जब जनता भी उस विमर्श से जुड़ती है, जो नेता या दल विशेष की ओर से गढ़ा जा रहा होता है। यह समय बताएगा कि जनता इस धारणा से सहमत होती है या नहीं कि राहुल गांधी को अदालत से सजा इसलिए मिली, क्योंकि वह अदाणी मामले में लगातार बोल रहे थे।

राहुल गांधी और उनके सहयोगी कुछ भी कहें, सच तो यही है कि मानहानि के मामले में सजा उनके उस बयान के लिए मिली है, जो उन्होंने चार वर्ष पहले मोदी समाज को लेकर दिया था। क्या इस सच से मुंह मोड़ने के लिए राहुल गांधी अपनी सजा के खिलाफ अपील करने के बजाय जेल जाना पसंद करेंगे, ताकि उन्हें लोगों को सहानुभूति मिल सके? यह वह प्रश्न है जिसका उत्तर फिलहाल उपलब्ध नहीं है, लेकिन कांग्रेस राहुल की सजा के मामले को बहुत अधिक नहीं खींच सकती, क्योंकि एक तो भाजपा अपने स्तर पर यह समझाने की हर संभव कोशिश करेगी कि उनकी सदस्यता किन कारणों से गई और दूसरे, यह कोई ऐसा मामला नहीं जो आम जनता के सरोकार से जुड़ा हो।

राजनीति उन्हीं मुद्दों पर की जा सकती है, जो जनता को प्रभावित करते हों। कांग्रेस को यह विस्मृत नहीं करना चाहिए कि पिछले चुनाव के अवसर पर उसने और विशेष रूप से राहुल गांधी ने राफेल सौदे को एक घोटाला करार देकर उसे राजनीतिक रूप से भुनाने के हर संभव जतन किए थे, लेकिन यह किसी से छिपी नहीं कि उसके नतीजे क्या रहे? यदि जनमानस किसी मुद्दे को अहमियत नहीं देता तो फिर राजनीतिक दल कुछ भी कर लें, उसका व्यापक असर नहीं पड़ता।

मां कात्यायनी की आराधना में ध्यान आज्ञा चक्र में स्थित होना चाहिए

सहजयोग, आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति द्वारा चक्रों की जागृति की सरल पद्धति

नवदुर्गा के छठवें स्वरूप में माँ कात्यायनी की पूजा की जाती है. माँ कात्यायनी का जन्म कात्यायन ऋषि के घर हुआ था अतः इनको कात्यायनी कहा जाता है. इनकी चार भुजाओं मैं अस्त्र शस्त्र और कमल का पुष्प है , इनका वाहन सिंह है. ये ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी हैं, गोपियों ने कृष्ण की प्राप्ति के लिए इनकी पूजा की थी. मां कात्यायनी की आराधना में आज्ञा चक्र पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी ने कुंडलिनी जागरण में आज्ञा चक्र की भूमिका का वर्णन इस प्रकार किया है कि,

छठा चक्र आज्ञा चक्र कहलाता हैऔर इसकी केवल दो पंखुड़ियाँ होती हैं। ..इस केन्द्र को वहाँ स्थित किया गया है जहाँ मस्तिष्क में दोनों दृकतंत्रिकायें एक दूसरे को पार करती हैं। यह केन्द्र पीयूष (पिट्यूटरी) तथा शंकुरूप (पीनियल) ग्रन्थियों के लिये कार्य करता है जो कि अहं एवं प्रति अहं नामक दोनो संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करता है। (सहजयोग पुस्तक) यदि आज्ञा चक्र की जागृति नहीं होती तो कुण्डलिनी का उत्थान नहीं हो सकता क्योंकि जिस मनुष्य का आज्ञा चक्र खराब होता है तो उसका मूलाधार चक्र भी पकड़ जाता है। किसी मनुष्य का आज्ञा चक्र बहुत ही ज़्यादा पकड़ा होगा तो उसकी कुण्डलिनी शक्ति जाग्रत नहीं होगी।

इस चक्र के अन्तर्जात गुण हैं क्षमाशीलता तथा पावनता।

1. क्षमाशीलता - कलियुग में क्षमा के सिवाय कोई भी बड़ा साधन नहीं है, और जितनी क्षमा की शक्ति होगी उतने ही आप शक्तिशाली होंगे। क्षमा के सिवाय शुद्धता अन्दर नहीं आती और जब शुद्धता आयेगी तो धर्म का प्रकाश फैलेगा, जिसमें क्षमा नहीं आयेगी, उसे शान्ति नहीं मिल सकती।

2. पावनता - आपके अन्दर से पावनता की शक्ति का प्रक्षेपण होना चाहिये ताकि आपकी आँखों को देखकर कोई भी व्यक्ति यह जान जाए कि उन आँखों से माधुर्य प्रवाहित हो रहा है, वासना-लोभ और आक्रामकता नहीं।

सहजयोग में जब कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तो क्षमाशीलता व पावनता सहज ही व्यक्ति के स्वभाव का अंग हो जाते हैं।

अतः इस नवरात्रि आज्ञा चक्र के संतुलन को स्थापित करने के लिए कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने हेतु www.sahajayoga.org.in और टोल फ्री नम्बर 18002700800 पर सम्पर्क करें।

चैत्र नवरात्रि 2023 के 7 वें दिन जानिए कैसे मां कालरात्रि की पूजा करे

नवरात्रि की सप्तमी को देवी मां कालरात्रि के 7 रहस्य

मां दुर्गा की सातवीं विभूति हैं मां कालरात्रि है। नवरात्रि की सप्तमी तिथि को इनकी पूजा और आराधना की जाती है। कालरात्रि की उपासना करने से ब्रह्मांड की सारी सिद्धियों के दरवाजे खुलने लगते हैं और तमाम असुरी शक्तियां उनके नाम के उच्चारण से ही भयभीत होकर दूर भागने लगती हैं। इसलिए दानव, दैत्य, राक्षस और भूत-प्रेत उनके स्मरण से ही भाग जाते हैं।

आओ जानते हैं इनके 7 रहस्य।

- मां पार्वती काल अर्थात् हर तरह के संकट का नाश करने वाली है इसीलिए कालरात्रि कहलाती है।

- मंत्र - ॐ कालरात्र्यै नम:।

- गर्दभ पर सवार माता के खुले बाल और गले में विद्युत माला है। एक हाथ वरमुद्रा, एक हाथ अभयमुद्रा, एक हाथ में लोहे का कांटा और एक हाथ में खड्ग है।

- कालरात्रि माता को गुड़ का नैवेद्य चढ़ाने से मुक्ति मिलती है एवं आकस्मिक आने वाले संकटों से रक्षा भी होती है।

- जो किसी कृत्या प्रहार से पीड़ित हो एवं उन पर किसी अन्य तंत्र-मंत्र का प्रयोग हुआ हो, वे इनकी साधना कर छुटकारा पा सकते हैं।

- मां दुर्गा ने दैत्य रक्तबीज का वध किया तब उसके शरीर से निकलने वाले रक्त को मां कालरात्रि ने भूमि पर गिरने से पहले ही पी लिया था।

- मां कालरात्रि का पूजन सुबह जितनी जल्दी किया जाए, उतना शुभ है। इसके स्मरण मात्र से ही सभी संकट दूर हो जाते हैं।

नवरात्रि सप्तम दिन- सातवां दिवस

पूजा करने के लिए दुर्गा माँ का रूप - माँ कालरात्रि

पहनने के लिए रंग- नीला

मां कालरात्रि का प्रिय पुष्प- रात्रि रानी, गेंदा

चैत्र नवरात्रि एक नौ दिवसीय हिंदू त्योहार है जिसे लोग चैत्र के महीने में मनाते हैं, जो आमतौर पर मार्च या अप्रैल में पड़ता है। इसके अलावा, यह बुराई पर अच्छी जीत का उत्सव और दुर्गा देवी के नौ रूपों की पूजा करने का समय है। नवरात्रि के सातवें दिन भक्त देवी के सप्तम स्वरूप मां कालरात्रि की पूजा करते हैं।

मां कालरात्रि देवी दुर्गा के उग्र रूप में से एक हैं। इसके अलावा, वह सभी अज्ञानता और अज्ञानता का नाश करने वाले हैं। उनके नाम दो शब्दों से बना है, ÷काल÷ जिसका अर्थ है समय या मृत्यु, और 'रात्रि' जिसका अर्थ है रात। इसलिए, उन्हें 'अंधेरी रात' या ÷रात की काली÷ के रूप में भी जाना जाता है।

कैसे करें मां कालरात्रि की पूजा?

माँ कालरात्रि का आशीर्वाद पाने के लिए भक्त नीचे बताए गए अनुष्ठान का पालन कर सकते हैं-

पूजा कक्ष को साफ और वाक्य - पूजा शुरू करने से पहले पूजा कक्ष को फूल, रंगोली और रोशनी से साफ और वाक्य। पूजा कक्ष के बीच में मां कालरात्रि की तस्वीर या मूर्ति रखें।

भगवान गणेश की पूजा करें - सभी बाधाओं को दूर करने वाले भगवान गणेश की पूजा करके पूजा शुरू करें।

नवग्रहों की पूजा करें -

नौ योजनाओं या नवग्रहों की पूजा करें। लोगों का मानना है कि मां कालरात्रि योजनाओं को नियंत्रित करती हैं और नवग्रहों की पूजा करने से उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है।

दीया और धूप जलाएं - एक शांत और पूजन की परिस्थित बनाने के लिए एक दीपक और धूप जलाएं।

फूल और फल चढ़ाएं-मां कालरात्रि को फूल और फल अर्पित करें। माना जाता है कि गुड़, काले तिल और नारियल का भोग लगाने से वह प्रसन्न होते हैं।

मंत्र का जाप करें

मां कालरात्रि की कृपा पाने के लिए निम्न मंत्र का जाप करें- ॐ देवि कालरात्रियै नमः

आरती करें-अंत में शुद्ध मन और भक्ति से मां कालरात्रि की आरती करें।

माँ कालरात्रि को देवी दुर्गा की सबसे दयालु और प्रेममय रूप कहा जाता है। आस्था और भक्ति के साथ उनकी पूजा करके, उन्हें आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है और शक्ति, साहस और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है।

मां दुर्गा के इस रूप से जुड़ी हुई कथा

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवी दुर्गा का सप्तम स्वरूप मां कालरात्रि से जुड़ी एक सुंदर कहानी है। कथा कुछ इस प्रकार है-

एक बार की बात है, रक्तबीज नाम का एक राक्षस था जिसे वरदान प्राप्त था कि जब उसका लहू जमीन पर गिरेगा, तो उसे एक राक्षस का नया जन्म होगा। इसने उसे लगभग अजेय बना दिया क्योंकि देवी-देवता उसे मारने में असमर्थ थे।

तब दुनिया ने रक्तबीज को हराने के लिए मां दुर्गा की मदद का आग्रह किया। जब मां दुर्गा उससे युद्ध करने गईं तो रक्तबीज ने उन पर अपनी पूरी क्षमता से आक्रमण करना शुरू कर दिया। लेकिन हर बार मां दुर्गा उस पर युद्ध करतीं हैं, उसका खून जमीन पर गिर जाता है और नए राक्षस पैदा हो जाते हैं, जिससे उसे हराना लगभग असंभव हो जाता है।

धर्म

पं. सतीश नागर
श्री अन्नपूर्णा अनुष्ठान केन्द्र
मो. 9753585323

माँ दुर्गा ने तब माँ कालरात्रि का रूप धारण कर लिया, जो देवी का एक भयानक और भयानक रूप था। उसका रंग सांवला था, उसके बाल जंगली थे, और वह खोपड़ियों की पैदाइश हुई थी। उसकी तीन आंखें और उसकी जीभ निकली हुई थी, जो उसके खून के पत्रों पर अंकित थी।

जब मां कालरात्रि युद्ध के मैदान में दिखाई देने लगी तो रक्तबीज आत्माभिमानी हो गया और उसने कोशिश की कोशिश की। लेकिन मां कालरात्रि ने उनका पीछा किया और अंततः उन्हें पकड़ लिया। उसने फिर अपनी जीभ से अपना खून चाटा, किसी भी नए राक्षस को पैदा होने से रोक दिया।

रक्तबीज की पराजय होने से देवी-देवता अन्य राक्षस आसानी से परास्त करने में सक्षम थे। नवरात्रि के सातवें दिन माँ कालरात्रि की रक्तबीज पर विजय का उत्सव मनाया जाता है और उन्हें अज्ञान और अज्ञान के विनाश के रूप में पूजा जाता है।

मां कालरात्रि की कहानी हमें सिखाती है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, उसे हमेशा ईश्वर के प्रति आस्था और भक्ति से हराया जा सकता है।

महासप्तमी पर मां कालरात्रि की पूजा के मंत्र

महासप्तमी के दिन माता कालरात्रि की पूजा करने के लिए कई मंत्रों का प्रयोग किया जाता है। यहाँ कुछ सबसे लोकप्रिय मंत्र हैं सत्य जाप द्वारा माता कालरात्रि का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है-

कालरात्रि मूल मंत्र- ॐ ह्रीं श्रीं क्रीं कालरात्रि देवी नमः÷

यह मंत्र माता कालरात्रि का मूल या मूल मंत्र है। भक्ति के साथ इस मंत्र का जप करने से आप माता कालरात्रि की दिव्य ऊर्जा से जुड़ सकते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

कालरात्रि ध्यान मंत्र- ॐ देवी कालरात्रियै नमः

मन को एकाग्र करने और माता कालरात्रि के दिव्य रूप पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जातकों को इस मंत्र का जाप करना चाहिए। इस मंत्र का जाप करने से आप माता कालरात्रि के उग्र और शक्तिशाली रूप में ध्यान कर सकते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

कालरात्रि स्तोत्रम्- ॐ या देवी सर्वभूतेषु माँ कालरात्रि रूपेण संस्थिता नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः'

यह स्तोत्र माता कालरात्रि की स्तुति का स्तोत्र है। भक्ति के साथ इस स्तोत्रम का जाप करने से माता कालरात्रि का आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है और आपको उनकी दिव्य ऊर्जा से जुड़ाव में मदद मिल सकती है।

कालरात्रि अष्टकम-ॐ या देवी सर्वभूतेषु माँ कालरात्रि रूपेण संस्थिता नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः'

माता कालरात्रि की स्तुति में यह एक और शक्तिशाली स्तोत्र है। भक्ति के साथ इस अष्टकम का जप करने से आप माता कालरात्रि के आशीर्वाद का आह्वान कर सकते हैं और उनका दिव्य संरक्षण और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

कुल मिलाकर, भक्ति और ईमानदारी के साथ इन मंत्रों का जप करने से आप माता कालरात्रि की दिव्य ऊर्जा से जुड़ सकते हैं और महा सप्तमी पर उन्हें आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए जातकों का स्पष्ट इरादा और शुद्ध हृदय से इन मंत्रों का जाप करना चाहिए।

चैत्र नवरात्रि 2023 के सप्तम दिवस करने वाले उपाय

भक्तों का मानना है कि इस दिन मां कालरात्रि की पूजा करने से नकारात्मकता, भय और चिंता को दूर करने और समृद्धि और भक्ति लाने में मदद मिल सकती है। यहां कुछ उपाय दिए गए हैं सच में चैत्र नवरात्रि के सप्तम दिवस पालन किया जा सकता है-

गहरे रंग के कपड़े दिखना-

मां कालरात्रि का संबंध काले रंग से है। इसलिए इस दिन काले या अन्य गहरे रंग के परिधान धारण करना अत्यधिक जीवंत होता है।

काले तिल भी चढ़ाएं-

पूजा के दौरान मां कालरात्रि को काला तिल अर्पित करें। इसके अलावा काले तिल से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मकता दिखाई देती है।

सरसों के तेल का दीपक जलाएं- इस दिन सरसों के तेल का दीपक जलाना अत्यंत शुभ होता है। यह बुराई को दूर करता है और समृद्धि प्रदान करता है।

काले वस्त्र दान करें -

चैत्र नवरात्रि के सप्तम दिवस जागरण और कन्याओं को काले वस्त्र दान करना एक अच्छा उपाय है। यह मां कालरात्रि को प्रसन्न करता है और जातकों के जीवन में आशीर्वाद लाता है।

व्रत - चैत्र नवरात्रि का व्रत करना बेहद महत्वपूर्ण है। यह मन और शरीर को शुद्ध करने में मदद करता है और परमात्मा के साथ संबंध को मजबूत करता है।

भगवान शिव की पूजा करें -

मां कालरात्रि भगवान शिव की पत्नी हैं और उनकी पूजा करना इस दिन शुभ होता है। इसलिए, यह आशीर्वाद और स्वरवादिता है।

इन उपायों को अपनाकर व्यक्ति मां कालरात्रि की कृपा प्राप्त कर सकते हैं और सभी प्रकार के नकारात्मक प्रभावों को दूर कर सकते हैं। इन सभी अनुष्ठानों को विश्वास, भक्ति और शुद्ध हृदय से करना महत्वपूर्ण है।

महासप्तमी पर माता कालरात्रि की पूजा करने के लाभ

महा सप्तमी नवरात्रि के हिंदू त्योहार में एक शुभ दिन है, जो देवी दुर्गा और उनके नौ रूपों की पूजा के लिए समर्पित है। महा सप्तमी पर माता कालरात्रि की पूजा करने के कुछ लाभ इस प्रकार हैं-

बुरी शक्तियों से सुरक्षा-

माता कालरात्रि देवी दुर्गा का उग्र रूप हैं, जो उन सभी नकारात्मक ऊर्जाओं और बुरी शक्तियों को नष्ट कर देती हैं जो आपकी आध्यात्मिक और भौतिक प्रगति में बाधा बन सकती हैं। महा सप्तमी पर माता कालरात्रि की पूजा करने से बुरी शक्तियां और नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा मिल सकती है।

साहस और आंतरिक शक्ति का आशीर्वाद- माता कालरात्रि एक भयंकर शेर पर सवार और तलवार में और एक घातक की पकड़ करने के रूप में दिखाई देते हैं। ये प्रतीक साहस और आंतरिक शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। महा सप्तमी पर माता कालरात्रि की पूजा करने से आपको अपने जीवन में किसी भी बाधा और क्षत को दूर करने के लिए साहस और आंतरिक शक्ति का आशीर्वाद मिल सकता है।

भय और चिंता से मुक्ति माता कालरात्रि भय और चिंता की नाश करने वाली हैं। महा सप्तमी पर माता कालरात्रि की पूजा करने से आपको अपने डर और प्रश्नों को दूर करने में मदद मिल सकती है और आपके जीवन में किसी भी स्थिति का सामना करने का विश्वास प्राप्त होता है।

अच्छे स्वास्थ्य का वरदान-

देवी कालरात्रि में दावे को दूर करने और अपने भक्तों को अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद देने की शक्ति है। महासप्तमी पर माता कालरात्रि की पूजा करने से आपको अच्छा स्वास्थ्य मिलता है और आप बीमारियों और बीमारियों से बच सकते हैं।

मनोकामना प्रतिबिंब माता कालरात्रि वर और वर देने वाले हैं। महासप्तमी पर माता कालरात्रि की पूजा करने से आपकी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं और आपके जीवन में समृद्धि और सफलता आ सकती है।

कुल मिलाकर, महासप्तमी पर माता कालरात्रि की पूजा करने से उनके भक्तों को बहुत आशीर्वाद और लाभ मिल सकता है। इसके अलावा, इस दिन देवी कालरात्रि की पूजा और अनुष्ठान करने से व्यक्ति उनका दिव्य आशीर्वाद और सुरक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

सोमवार, 27 मार्च 2023 - आज किसे मिलेगा रोजगार, नौकरी में होगा लाभ, जानें अपना राशिफल

27 मार्च 2023 - सोमवार, किन राशियों पर होगी आज भोलेनाथ की कृपा। आज का दैनिक राशिफल जिसमें आप जानेंगे शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड, नौकरी, करियर, शिक्षा, व्यवसाय, रोजगार, यात्रा, निवेश, सेहत आदि के बारे में यहां सबकुछ।

मेष राशि

आज का भविष्य - पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा।

उपाय-आज किसी को दान दें दिन अच्छा गुजरेगा।

शुभ अंक-4

शुभ रंग-लाल

वृषभ राशि

आज का भविष्य - दु-खद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

उपाय-आज दान-पुण्य करेंगे तो लाभ मिलेगा।

शुभ अंक-5

शुभ रंग-हरा

मिथुन राशि

आज का भविष्य - प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। लाभ होगा।

उपाय-जातक धर्म-कर्म और दान-पुण्य का काम करेंगे तो अच्छा रहेगा।

शुभ अंक-2

शुभ रंग-लाल

कर्क राशि

आज का भविष्य - दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आलस्य हावी रहेगा। प्रमाद न करें। विवेक का प्रयोग करें।

उपाय-जातक आज सूर्य देव को रोजाना जल चढ़ाएं।

शुभ अंक-8

शुभ रंग-लाल

सिंह राशि

आज का भविष्य - अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। किसी कार्य के प्रति चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

उपाय-आज जातक आक का पौधा घर में लेकर आएँ , लाभ देगा।

शुभ अंक-5

शुभ रंग-नारंगी

कन्या राशि

आज का भविष्य - अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति की बातों में न आएं। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा।

उपाय-जातक भगवान शिव का रुद्राभिषेक करें।

शुभ अंक-5

शुभ रंग-आसमानी

तुला राशि

आज का भविष्य - बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। कोई बड़ा काम करने की इच्छा जागृत होगी। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। प्रमाद न करें।

उपाय-जातक आज पीपल के वृक्ष में जल चढ़ाए।

शुभ अंक-5

शुभ रंग-गुलाबी

वृश्चिक राशि

आज का भविष्य - नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। थकान रहेगी। किसी कार्य की चिंता रहेगी।

उपाय-जातक आज घी का दीप जलाएंगे तो लाभ मिलेगा

शुभ अंक-6

शुभ रंग-लाल

धनु राशि

आज का भविष्य - धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें।

उपाय-जातक आज सूर्य को जल चढ़ाएं।

शुभ अंक-7

शुभ रंग-जामुनी

मकर राशि

आज का भविष्य - यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। हंसी-मजाक में हल्कापन न हो, ध्यान रखें। कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

उपाय-जातक गौ सेवा से काम बनेगा।

शुभ अंक-4

शुभ रंग-सफेद

कुंभ राशि

आज का भविष्य - धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है। व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

उपाय-आज जातक भगवान विष्णु की पूजा और आराधना करें।

शुभ अंक-5

शुभ रंग-हरा

मीन राशि

आज का भविष्य - स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य में राहत मिलेगी। चिंता दूर होगी। नौकरी में रुतबा बढ़ेगा।

उपाय-आज गरीबों को वस्त्र दान करें, लाभप्रद है।

शुभ अंक-2

शुभ रंग-गुलाबी

सदैव प्रसन्न रहिये।
जो प्राप्त है, पर्याप्त है।।

(राष्ट्रप्रेम सर्वोपरि)प्राथमिक शिक्षा में ही राष्ट्रीय भावनाओं का समावेशी उत्प्रेरण आवश्यक

राष्ट्रीय चरित्र और राष्ट्रवाद शालाओं की बुनियादी शिक्षा कक्षाओं और गुरु और शिष्य के साथ देश के प्रति समर्पण के भाव के साथ प्रस्फुटित होता हैद्य राष्ट्रवाद राष्ट की रक्षा ,अखंडता एवं सशक्तिकरण के भाग्य को संरक्षित कर सुदृढ़ बनाता हैद्य स्वतंत्रता के बाद विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के स्वप्न दृष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश के भावी भविष्य को पहचानते हुए बुनियादी कक्षाओं की राष्ट्रवाद के निर्माण में भूमिका को सहजता से पहचान लिया और अमेरिका की तर्ज पर भारत को तकनीकी तौर पर एक शक्तिशाली राष्ट बनाने के लिए अमेरिका के एमआईटी की तर्ज पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित करवाया था ।जब खड़कपुर आईआईटी की स्थापना की गई थी तब उन्होंने अतिथि के रूप में अपने भाषण में कहा की भारत को वैज्ञानिक महाशक्ति बनाने का दायित्व इन्हीं आई,आई,टी की कक्षाओं शिक्षकों एवं छात्राओं का होगा, वे राष्ट्र को तकनीकी दिशा में मील का पत्थर बनाने में साबित होंगेद्य

वर्तमान में भारत आज अंतरिक्ष की बड़ी शक्तियों की कतार में शामिल हैद्य इसके पीछे भारत के कई वैज्ञानिक सीवी रमन ,विक्रम साराभाई, सतीश धवन जैसे बड़े वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इसरो संस्थान है जिसकी कक्षाओं में मंगल तक भारतीय तिरंगे को लहराया. भाभा एटॉमिक परमाणु शक्ति बन गया हैद्य वैश्विक स्तर पर हर बड़े स्पेस रिसर्च सेंटर पर भारत की इंजीनियर और वैज्ञानिक अपनी सेवाएं दे रहे हैंद्य

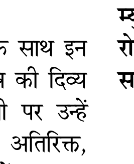

संजीव ठाकुर

आज अमेरिका आर्थिक महाशक्ति बनने के पीछे उसके विश्वविद्यालय ,संस्थाएं हैं। हावर्ड बिजनेस स्कूल विश्व स्तरीय व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में से एक माना जाता हैद्य आर्थिक सामाजिक तथा वैज्ञानिक शोध संस्थाओं में अधिकाधिक धनराशि खर्च करके अमेरिका, रूस, ब्रिटेन ,चीन, ऑस्ट्रेलिया ,कनाडा ने विश्व में सर्वश्रेष्ठ बुद्धिजीवी दिए हैंद्य यह तो तय है कि कोई भी देश का भाग्य तभी उन्नत तथा विकसित होगा जब वहां के छात्र शिक्षक एवं आमजन न्याय, समता ,प्रबुद्धता के प्रति अपनी अडिग प्रतिबद्धता रखें। आने वाली पीढ़ी यानी कि वर्तमान के बच्चे और भविष्य के नागरिक ही किसी देश का भविष्य निर्माण करते हैं और यह भी तय रहता है कि बुद्धिमान शिक्षक अपने छात्रों के माध्यम से किसी महान राष्ट्र की नींव रखते हैं।किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण रातों-रात नहीं होता है इसके लिए पीढीयो का योगदान और श्रेष्ठ शिक्षक एवं छात्रों की लग्न शीलता और मेहनत की प्रतिबद्धता होती है। 1960 और 70 के दशक में चीन में गठित सांस्कृतिक क्रांति कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, खेतों ,कारखानों को एकता में बांधकर सक्रिय नीति का प्रयोग कर सभी को एक सूत्र में बांधा गया था। जापान तो प्राथमिक कक्षाओं से उपजे राष्ट्रवाद, अनुशासन तथा कर्तव्य बोध के लिए सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रहा है, जापान में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पराजय का कड़वा घूंट पीने के पश्चात कमजोर एवं मृतप्राय जापान को एक शक्तिशाली आर्थिक राष्ट्र दिया। इसके विपरीत वर्तमान कक्षाएं प्रेम, अनुशासन ,करुणा जैसे पाठ ना सिखा कर ईर्ष्या, कंपटीशन, हिंसा ,कटुता जैसे अध्याय सिखा कर राष्ट्र के भविष्य को गर्त में ले जा रही है ।देश के अनेक विश्वविद्यालय हड़ताल ,हिंसा, जाति भेदभाव, आपत्तिजनक नारों जैसे विसंगतियों का सामना कर रहे हैं। कक्षाओं का नैतिकता, सहिष्णुता ,अनुशासन से कटाव केवल भारत में नहीं पूरे विश्व में इसका फैलाव हो चुका है। अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में स्कूलों का कक्षाओं में गोली कांड इसके बड़े विकृत उदाहरण हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने ट्रीस्ट विद डेस्टिनी के भाषण में भूख, भय ,बीमारी, अज्ञान से पूर्णता मुक्ति की बात को भारत की नियति या डेस्टिनी कहा है।वर्तमान में इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए की कक्षाओं को चरित्र निर्माण ,अनुशासन ,उत्कृष्ट नवाचार ,लोकतांत्रिक विचार संरचना का केंद्र बनाकर इसकी शिक्षा दीक्षा दी जानी चाहिए। कक्षाओं से बच्चे आर्थिक रूप से प्रौद्योगिकी स्थापित कर स्वयं अपने पैरों पर खड़े होकर आने वाले वर्षों में कई युवाओं को रोजगार देकर संपूर्ण मानवता ,पर्यावरण की रक्षा तथा राष्ट्र के उत्कर्ष को सही दिशा देने का काम करेंगे। जिससे राष्ट्रीय चरित्र निर्माण तथा राष्ट्रीयता की भावना को एक मजबूत आधार प्राप्त हो सकेगा।

दूसरे दिन भी हल नहीं हुई समस्या, बंद-चालू होता रहा सर्वर

ईकेवायसी के लिए लग रही महिलाओं की भीड़

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लाड़ली बहना योजना के लिए शनिवार से शुरू हुई आवेदन भरने की प्रक्रिया पहले ही दिन परेशानी के हवाले हो गई और सभी दूर सर्वर की समस्या होने से कई लोगों के आवेदन नहीं भरवाए जा सके। तो दूसरे दिन भी यही हाल रहे। कभी सर्वर बंद होता तो कभी चालू हो जाता। ऐसे में महिलाओं के साथ-साथ वहां काम कर रहे कर्मचारियों को भी समस्या का सामना करना पड़ा।

दरअसल यह फार्म 30 अप्रैल तक भरे जाएंगे। पहले दिन शहर के गांधी हॉल, कम्यूनिटी हॉल, अयोध्या बस्ती, बड़ा मैदान, गिरबर तालाब की पाल, पॉलिटेक्निक कॉलेज पर योजना के फॉर्म भरने के लिए शिविर लगाए गए थे। जिससें महिलाएं अपने दस्तावेज लेकर सुबह 10 बजे से ही शिविर में आने लगी। शुरूआत में तो सर्वर ने साथ दिया लेकिन उसके बाद सर्वर बंद हो गया। अगले दिन रविवार को जब महिलाएं आवेदन भरवाने पहुंची तो शुरूआत में तो सब कुछ सही रहा लेकिन कुछ देर बाद सर्वर बंद हो गया। जिससे कई महिलाओं को खाली हाथ लौटना पड़ा। हालांकि यह एक नहीं बल्कि जहां भी अन्य जिलों में आवेदन भरे जा रहे हैं वहां भी सर्वर की समस्या सामने आ रही है।

सभी जगह लगेंगे शिविर

25 मार्च से शुरू हुई आवेदन भरने की प्रक्रिया वैसे तो शहर के प्रत्येक वार्डों में शिविरों के माध्यम से होना थी, लेकिन नगर पालिका द्वारा शहर में मात्र 6 ही स्थानों पर शिविर लगाए गए। जबकि यह शिविर कुल 29 वार्डों में लगना थे। इस संबंध में नपाध्यक्ष का कहना है कि अभी यह शिविर ट्रेनिंग के तौर पर लगे हैं। एक दो दिन में सभी वार्डों में शिविर लगाएं जाएंगे। ताकि सभी लोग अच्छी तरह से प्रशिक्षित हो जाएं और महिलाओं को योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि शहर में 16 हजार के लगभग आवेदन भरे जाना है। जो समय सीमा में भरवा दिए जाएंगे। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

सर्वर बंद होने से ऑफ लाईन भरे गए फार्म

कर्मचारियों ने सर्वर डाउन होने के बाद भी महिलाओं की मदद की और उनके मोबाइल से ऑफ लाईन आवेदन भरवाए गए, जिनको सर्वर शुरू होने के बाद कम्प्यूटर में फीड किया जाएगा। ठीक इसी प्रकार की समस्याएं अन्य शिविरों में भी देखने को मिली और यहां भी महिलाओं के ऑफ लाईन आवेदन किए गए।

शासन से राशि आ गई, नहीं आई थंब मशीन

मामला ग्राम पंचायत बज्जाहेड़ा में थंब मशीन नहीं है। जिसके लिए शासन ने राशि तो पंचायत के खाते में डाल दी है, लेकिन इस राशि का आहरण न होने से अब तक मशीन नहीं आ पाई है। जिसके कारण केवायसी के लिए आने वाली महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जबकि इस योजना की शुरूआत हो चुकी है। यहां तक कि केवायसी के लिए शासन द्वारा सभी को निःशुल्क सेवा देने के निर्देश भी दिए गए हैं और यदि कोई केवायसी के लिए राशि की मांग करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही के भी निर्देश संबंधितों को दिए गए हैं। शासन की इतनी सुविधा होने के बाद भी ग्राम पंचायत बज्जाहेड़ा के लोगों को ईकेवायसी के लिए दूर-दराज की खाक छानना पड़ रही है। यहां कार्यरत सचिव ने बताया कि ग्राम पंचायत की सरपंच महिला हैं जो मजदूरी के लिए या अन्य किसी काम के लिए अअधिकतर बाहर रहती है जिन्होंने अब तक राशि नहीं निकाली है। इस कारण थंब मशीन नहीं आ पाई है। जिनके रजिस्टर्ड मोबाइल हैं उनके तो हम ईकेवायसी ओटीपी के माध्यम से कर देते हैं, लेकिन अधिकतर लोगों के मोबाइल नंबर यहां रजिस्टर्ड नहीं है जिसके लिए थंब मशीन की बहुत आवश्यकता है लेकिन अभी तक मशीन नहीं आई है। इस कारण इस योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है।

प्रसव केन्द्र पर कार्यरत स्टाफ का न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट के संबंध में प्रशिक्षण का आयोजन

खरगोन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुराना अस्पताल स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में आरबीएसके कार्यक्रम अंतर्गत शनिवार को प्रसव केन्द्र पर कार्यरत चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टॉफ, एसएनसीयू में कार्यरत स्टॉफ नर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि अधिकांश शिशु स्वस्थ जन्म लेते है और स्वस्थ्य ही रहते लेकिन बहुत कम ही शिशु जन्म के समय स्वस्थ्य होने पर भी मेटाबोलिक गड़बड़ी के चलते बीमार हो जाते है। यदि इसका इलाज न किया जाए तो यह जानलेवा भी हो सकता है । कुछ बच्चे जन्म से ही जटिल स्वास्थ्य समस्याओं के साथ जन्म लेते है जैसे कि बधिरता या हृदय में कोई खराबी। सौभाग्य से कुछ बेहद आसान टेस्टों की मदद से इन जटिलताओं को जल्दी ही पता लगा लिया जाता है। इसके बाद इलाज करके इन खतरों को टाला जा सकता है। आयोजित प्रशिक्षण में राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्राप्त कर तीन मास्टर प्रशिक्षक डॉ. इंदिरा गुप्ता स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. राजेश शहीदे शिशु रोग विशेषज्ञ, अतंरा मालाकार स्टॉफ नर्स द्वारा प्रशिक्षण दिया गया कि नवजात शिशु की स्क्रीनिंग टेस्ट नवजात शिशुओं पर संभावित घातक या हानिकारक विकारों की जॉच करने के लिए किया जाने वाला एक सरल परीक्षण है, जिसे सामान्य रूप से जन्म के समय पता नहीं लगाया जा सकता है। स्क्रीनिंग जन्म के तुरंत बाद और कभी-कभी अस्पताल छोड़ने से पहले भी की जाती है यह प्रक्रिया सरल है और इसमें रक्त स्क्रीनिंग के साथ श्रव्य स्क्रीनिंग परीक्षण भी किया जाता है।

मो.बड़ोदिया के उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर दिनेश जैन ने रविवार को मो.बड़ोदिया जनपद पंचायत क्षेत्र के मार्केटिंग सोसायटी में बने उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण कर समर्थन मूल्य पर किये जाने वाले उपार्जन कार्य को देखा। इस दौरान कलेक्टर ने प्रबंधक को किसानों के लिए की गई छाया-पानी आदि की व्यवस्थाओं करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्र पर सभी सुविधाये किसानों के लिये उपलब्ध रहे, किसानों को उपार्जन के दौरान किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होना चाहिए।

7 साल की मासूम ने रखा पहला रोजा, की इबादत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुस्लिम समाज का पवित्र माह रमज़ान में मुस्लिम समाज द्वारा खुदा की इबादत की जा रही है। जिसमें समाज के छोटे बड़े सभी बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। बेरछा मंडी के चिकित्सक डॉक्टर अकबर अली पठान परिवार की 7 वर्षीय बेटी असरा पिता डॉ. फारूख अली पठान ने 7 साल की उम्र में पहला रोज़ा रख खुदा की इबादत कर देश में अमन चेन की दुआ की।

न्यायिक कर्मचारी सहकारी संस्था की साधारण सभा आयोजित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर न्यायिक कर्मचारी सहकारी साख संस्था मर्यादित की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन रविवार को जिला न्यायालय के एडीआर सेन्टर में किया गया। जिसमे संस्था के अंशधारी सदस्य व सेवानिवृत्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संस्था के अध्यक्ष अशोक ठाकुर, उपाध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा ने बताया कि टर्नओवर वर्तमान में एक करोड़ के लगभग है और संस्था के वर्तमान में 280 सदस्य हैं तथा संस्था के सभी अंशधारियों को वर्ष 2012-13 से 2021-22 तक कि अवधि के लाभांश वितरण की भी घोषणा की गई है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ललितकिशोर गर्ग ने कहा कि कर्मचारी समय का पालन कर अपनी सोच को निश्चित करें तथा अपने काम के प्रति समर्पण रख कर कार्य करें। उन्होंने कहा कि हमसे लोगों की बहुत अपेक्षा होती है। बड़े से बड़ा आदमी कोर्ट की प्रति सम्मान का भाव रखता है। हम हमारा व्यवहार सकारात्मक रखे और मर्यादा के साथ गरिमा के साथ करें। इस अवसर प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश नीतूकान्ता वर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव व एडीजे राजेन्द्र देवड़ा, अपर सत्र न्यायाधीश अनिलकुमार नामदेव, सीजेएम आशीष परसाई, न्यायाधीश अनिरूद्ध जैन एवं समस्त न्यायिक अधिकारी उपस्तिथ रहे। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों द्वारा आकर्षक प्रस्तुतियां भी दी गई। कार्यक्रम में मप्र न्यायिक कर्मचारी संघ संयोजक महेन्द्र शर्मा, अध्यक्ष दिनेश गवली, हिमांशु शर्मा, राधेश्याम खाटवा, आलोक माथुर, नरेन्द्र शर्मा, प्रबंधक राजेश शर्मा, अन्तिमा श्रीवास्तव, रजनी यादव, ममता मीणा, स्वाती बोनिया, राजेन्द्र उमठ, ब्रज गौड़, योगेन्द्र खरोले, राधेश्याम, संजय जैन, आत्माराम शर्मा, बनवारीलाल वर्मा आदि उपस्थित थे। संचालन मुकेशकुमार वर्मा ने किया तथा आभार महेन्द्र शर्मा ने माना।

मनकामनेश्वर मंदिर परसिर में 121 कन्याओं का विवाह हुआ

- वर-वधुओं को अतिथियों ने दी सुखद दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के तहत रविवार को जनपद पंचायत मो.बड़ोदिया के ग्राम खोरियाऐमा के मनकामनेश्वर मंदिर परिसर में सम्पन्न हुए सामुहिक विवाह में 121 कन्याओं का विवाह संपन्न हुआ। वर-वधुओं को आशीर्वाद देने जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराजसिंह सिसोदिया, कलेक्टर दिनेश जैन, जिला पंचायत सदस्य जगदीश फौजी, दिनेश शर्मा, जगदीश पाल, अनुविभागीय अधिकारी नरेन्द्रनाथ पाण्डेय, तहसीलदार सुनील पाटिल, नायब तहसीलदार अजय अहिरवार, दिव्या जैन, गोपाल राजपूत सहित जनपद सदस्यगण एवं सरपंचगण उपस्थित थे।

वर-वधुओं को आशीर्वाद देते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सिसोदिया ने कहा कि प्रसन्नता की बात है कि आज एक साथ 121 जोड़े दाम्पत्य जीवन में प्रवेश कर रहे है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सिसोदिया ने इन सभी जोड़ो को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुये सफल, सुखद एवं समृद्धशाली जीवन की कामना की। इस मौके पर उन्होंने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। कलेक्टर ने भी सभी जोड़ो को खुशहाल जीवन की शुभकामना दी। कलेक्टर ने बताया कि राज्य शासन द्वारा अब मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामग्री न देते हुये सीधी राशि देने का निर्णय लिया गया है। आगामी समय में होने वाले सामुहिक विवाहों में वर वधुओं को राशि के चैक प्रदान किये जायेंगे। सामुहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान दुल्हो की बारात भी निकाली गई, जिसमें बाराती बनकर अतिथिगण भी शामिल हुये। कार्यक्रम का संचालन अजय सक्सेना ने किया। विवाह अनुष्ठान की प्रक्रिया गायत्री परिवार के चतुर्भुज परमार, रमेश्चंद्र शर्मा, शिवनारायण प्रजापति, लक्ष्मीनारायण परमार एवं राजकुमार परमार द्वारा सम्पन्न कराई गई। इसके बाद राज्यमंत्री इंदरसिंह परमार सहित अन्य अतिथियों द्वारा वर वधुओं को उपहार भेंट कर आशीर्वाद दिया गया।

मदिरा दुकानों के लिए निविदा आमंत्रित

खरगोन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की 19 मदिरा दुकानों में से 17 की एकल समुहों का निष्पादन कार्यवाही ई-टेण्डर के माध्यम निष्पादन समिति द्वारा किया जा चुका है। शेष 2 एकल समूह खंडवा रोड़ और डायर्वशन रोड़ खरगोन में सम्मिलित 8 कम्पोजिट मदिरा दुकानों की ई-टेंण्डर के माध्यम से निविदा 28 मार्च तक आमंत्रित की गई है।

अवैधानिक गतिविधियों और आपत्तिजनक पोस्ट की जानकारी यहॉ दें

खरगोन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिलें में शांति सद्भाव, सामाजिक समरसता और सौहार्द बनाऐ रखने के लिए खरगोन पुलिस अधिक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने अवैधानिक गतिविधियों को संचालित होने से रोकने के लिए हेल्पलाईन नम्बर जारी किये है। साथ ही सोशल मीडिया पर प्रसारित ऐसी कोई भी पोस्ट फोटो, विडियों या आपत्तिजनक सामग्री जिससे कानून और शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका हो ऐसी जानकारी 7587620100 और व्हाट्सएप नम्बर 7587620100 दे सकते है।

कैट के प्रदेश संगठन मंत्री असाटी आज उज्जैन में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देश की 8 लाख व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था कॉन्फेडेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के प्रदेश संगठन मंत्री गोविंद दास असाटी सोमवार को उज्जैन आएंगे।

यह जानकारी देते हुए कैट के संभागीय अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने बताया श्री असाटी उज्जैन में व्यापारिक संगठनों के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ कैट के उद्देश्य, गतिविधियों व संगठन विस्तार को लेकर चर्चा करेंगे। इस संबंध में शाम 7:30 बजे निपुण मांगलिक परिसर में बाघेश्वरी मंदिर कोठी रोड पर आयोजित की गई है। जिसमें सभी व्यापारी बंधु सादर आमंत्रित हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष के साथ सुना 'मन की बात' कार्यक्रम

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी जिला के जिलाअध्यक्ष राजीव खंडेलवाल के साथ भाजपा नेता राय सिंह सेंधव राजेश यादव पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने रविवार को देवास विधानसभा के वार्ड क्रमांक 13 में बूथ नंबर 109 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 99वें संस्करण को पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ सुना। इस दौरान वार्ड के वरिष्ठजन,पार्षद और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र चौधरी एवं सह मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

औदिच्य ब्राह्मण समाज ने मनाया गणगौर पर्व, निकाला चल समारोह

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गणगौर पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसमें महिलाएं सज-धजकर माता रानी की आराधना कर रही हैं। इसी कड़ी में औदिच्य ब्राह्मण समाज द्वारा भी गणगौर पर्व मनाया गया। इस दौरान ओंकारेश्वर महादेव मंदिर से चल समारोह निकाला गया, जिसमें डीजे पर बजती धार्मिक धुन पर महिलाओं ने नृत्य कर माता की आराधना की। चल समारोह धानमंडी, किलारोड, आजाद चौक, छोटा चौक होते हुए नई सड़क स्थित औदिच्य धर्मलशाला पहुंचकर संपन्न हुआ।

आज होगी समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक

खरगोन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को प्रातः 10 बजे से राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित होगी। इस बैठक में सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कलेक्टर कार्यालय के मीटिंग हॉल में उपस्थित रहेंगे तथा अन्य राजस्व अधिकारी, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार अपने-अपने मुख्यालय से गुगल मीट से ज्वाईन होंगे। इसके बाद समय सीमा बैठक प्रातः 10.30 बजे से प्रारंभ होगी। इस बैठक में सभी जिला अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व समस्त, मुख्य नगर पालिका अधिकारी समस्त नवीन कलेक्टर कार्यालय सभागृह में उपस्थित रहेंगे। जनपद स्तरीय अधिकारी (तहसीलदार, एसडीओ क्षि, एसडीओ पीएचई, सीईओ जनपद, सीडीपीओ व अन्य अपने-अपने जनपद पंचायत मुख्यालय पर जनपद कार्यालय सभागृह से गुगल मीट से जुडे रहेंगे। इसके पश्चात निर्माण कार्यों में वन भूमियों पर निर्माण कार्य अनुमति संबंधी बैठक आयोजित होगी।

राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त करने के खिलाफ कांग्रेसियों ने किया उग्र प्रदर्शन

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त करने के खिलाफ खातेगांव विधानसभा के ब्लॉक हरण गांव में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नारायण पटेल के नेतृत्व में बाजार चौक हरण गांव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कार्यक्रम रखा गया जिसमें भारी पुलिस बल ने कार्यकर्ताओं के साथ धक्का-मुक्की की कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तीन पुतले बनाए जिसे पुलिस ने छुड़ा लिया इस अवसर पर पूर्व विधायक कैलाश कुंडल डॉक्टर ओम पटेल पूर्व मंडी अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण बंडा वाला बंटू गुर्जर जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि म्रेराम बनवारी जनपद पंचायत उपाध्यक्ष मनीष पटेल खातेगांव नगर कांग्रेश अध्यक्ष सुनील यादव खातेगांव ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश विश्नोई युवक कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष राजवीर गुड़िया मुकेश पटेल नारायण पवार इस्माइल भाई प्रदीप अग्रवाल विजेंद्र मीणा हरिओम पवार आमला डॉ सुरेश विश्वकर्मा शिव पटेल रामचंद्र पटेल शोएब राजावत दीपक शर्मा रामविलास लववंशी कमल मीणा गमों सरपंच पवन पटेल मुकेश राजोरिया राकेश टाटा रज्जाक पहलवान राहुल इनानिया विनोद पंचोली रोहित महावर संदीप विजय यादव मोहन पटेल नारायण पटेल रामसिंह धनवा रे सीताराम ओमकारा सहित कई कांग्रेसी अनुपस्थित थे।

देवास के नवागत एसपी उपाध्याय का किया स्वागत-राजेन्द्र सिंह पंवार

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर से स्थानांतरित होकर देवास आए नवागत एसपी संपत उपाध्याय का पूर्व एसपी डॉक्टर शिव दयाल सिंह ने पुष्पगुच्छ देकर एसपी कार्यालय पर स्वागत किया डॉक्टर शिव दयाल सिंह का देवास जिले में प्रशंसनीय ऐतिहासिक कार्यकाल रहा डॉक्टर शिव दयाल सिंह ने कई महत्वपूर्ण हत्या डकैती वह लूट का पर्दाफाश किया वही मीडिया कर्मियों के साथ भी उनका बेहतर तालमेल रहा उनका कार्यकाल जिले में एक अमित छाप छोड़ कर बीता है वही नवागत एसपी संपत उपाध्याय ने आज कार्यभार ग्रहण किया है!

माता टेकरी पर उमड़ रही भक्तों की भीड़, 5 लाख से अधिक भक्तों ने अब तक किए दर्शन, रविवार को दिनभर लगा रहा तांता

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। माता टेकरी पर नवरात्रि पर्व के चलते इन दिनों बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता चामुंडा और माँ तुलजा भवानी के दर्शन करने पहुंच रहे है। रविवार को नवरात्र का पांचवा दिन था। अभी तक माता टेकरी पर करीब 5 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके है। रविवार को सुबह से माता टेकरी पर हजारों भक्तों ने दर्शन किए। दोपहर के समय भी दूर-दूर से श्रद्धालु माता के दर्शन करने पहुंचे। लगातार अब माता टेकरी पर भक्तों की संख्या में ईजाफा होने लगा है। नवरात्र के चलते छोटी माता मां चामुंडा और बड़ी माता मां तुलजा भवानी के दरबार को फूलों से सजाया गया। प्रशासन द्वारा माता टेकरी पर गर्मी को देखते हुए जगह-जगह पीने की पानी की व्यवस्था भी की गई है। आगामी दिनों में सप्तमी और अष्टमी को लाखों भक्तों के टेकरी पहुंचने का अनुमान है। बड़ी माता तुलजा भवानी मंदिर में सुबह 6 बजे माता की आरती हो रही है वहीं सुबह 6.15 बजे माता चामुंडा की आरती की जा रही है। 9 दिन 24 घंटे माता के पट खुले रहते हैं। माता अपने भक्तों को दर्शन देती हैं। उसी के साथ शाम को 6 बजे माता चामुंडा की आरती हो रही है तो 6.15 बजे बड़ी माता तुलजा भवानी की आरती हो रही है। यह क्रम वर्षों से चला आ रहा है।

मोहनखेड़ा महातीर्थ पर त्रिस्तुतिक संघ का अधिवेशन 26 मार्च रविवार को आयोजित हुआ
प्रदेश भर से 25 से अधिक स्थानों के श्री संघों के कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए

राजगढ़ /धार/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजगढ धार आचार्य श्री हेमेंद्र सूरीश्वरजी एवं आचार्य ऋषभचंद्र सूरीश्वर जी म सा द्वारा स्थापित मध्य प्रदेश त्रिस्तुतिक श्री संघ संस्था के इस अधिवेशन में सम्पूर्ण मप्र से पदाधिकारी व समाज जन शामिल हुए। मप्र त्रिस्तुतिक संघ के अध्यक्ष संतोष नाकोड़ा झाबुआ व महामंत्री शौकीन जैन ने बताया कि दादा गुरुदेव राजेंद्र सूरीजी की वर्ष 2026 में 200 वी जन्म जयंती भव्य रूप से मनाने हेतु विस्तृत रूप रेखा बनाई , संस्था का उद्देश्य त्रिस्तुतिक समाज के उत्थान , समाज को संगठित कर मजबूत बनाने , यूवाओ को रोजगार देने के उद्देश्य से आयोजित इस अधीवेशन मे राष्टीय अध्यक्ष चम्पालाल वर्धन मुम्बई, राष्टीय महामंत्री पुष्पराज वोहरा जालोर, श्री मोहनखेड़ा महातीर्थ के उपाध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी मुम्बई अखिल भारतीय त्रिस्तुतिक संघ के उपाध्यक्ष द्वय श्री धर्मचंद्र चपडोद, राजेश वरमेचा एवँ राष्टीय मंत्री अनिल चोपड़ा , संजय सर्राफ राष्टीय सह कोषाध्यक्ष,संजय कोठारी राष्टीय मंत्री, मुकेश वर्धन राष्टीय सगंठन मंत्री,शौकीन जैन प्रान्तीय मंत्री,सचिन सर्राफ कार्यकारी प्रांतीय अध्यक्षमंचासिन थे ,कार्यक्रम का संचालक संजय काठी ने किया, त्रिस्तुतिक जैन श्री संघ के मध्य प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील बाफना ने बताया संस्था का उद्देश्य समाज उत्थान समाज के कमजोर परिवार जरूरतमंदों को आगे बढ़ाना युवाओं को रोजगार देना शिक्षा के क्षेत्र में उन्हें अच्छी शिक्षा के लिए बड़ी संस्थाओं से जोड़ कर आत्म निर्भर बनाना ,समाज के प्रत्येक परिवार को एक सूत्र में बांधना मुख्य उद्देश्य को लेकर किया गया, जिसमें देशभर से आए युवाओं ने अपनी बातें रखी ,जिसका मंच ही समाधान मंच पर किया गया। अतिथि पृथ्वीराज कोठारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि तीर्थ की गरिमा एवम आगामी कार्यक्रम में मंच पर अतिथियों को सिर्फ तिलक से ही सम्मान करना चाहिए , तीर्थ परिसर में किसी भी श्रावक या ट्रस्टी के फ्लेक्स बैनर नही लगने चाहिए।

अतिथि मुकेश वर्धन एवं चंपालाल वर्धन द्वितीय सत्र में अपनों से अपनी बात में युवाओं ने अपनी अपनी बात रखी जिसमे प्राइवेट स्कूलों में इंग्लिश मीडियम में संस्कारों की कमी को दूर करने के लिए जैन संस्कार भी दी जाए इसके लिए स्कूल खोले जाए, बिना ब्याज के राशि देकर शिक्षा का लोन देकर उन्हें अच्छी शिक्षा मिले ,एवम समाज के प्रतिभाशाली बच्चो को अच्छे अंक प्राप्त होने के बाद भी उन्हें नौकरी मिले,शादियों में फिजूलखर्ची एवं दिखाओ के चक्कर में कमजोर वर्ग परिवार अपनी गाढ़ी कमाई खर्च कर देता है,जिससे कर्ज में दब रहा हे, उस पर भी इस विचार किया जाए , मंच से मुकेश वर्धन ने कहा कि मुझे 10 जैन परिवार को मंदिरों रहने ठहरने अच्छी सेलरी के साथ नोकरी पर रखने के लिए उन परिवार के नाम मुझे देवे तथा युवाओं को रोजगार के लिजिला स्तर पर एजेंसी देने के लिए बड़े उद्योगपति एवम कंपनियों से जुड़ने के लिए युवाओं को व्यापार , नौकरी के लिए जिला स्तर पर एक समिति गठित कर उन्हें नौकरी या रोजगार से लगाने की बात कही , साधु संतो के लिए बिहार ग्रुप बनाकर उनके आहार विहार की वेयवस्था प्रत्येक गांव एवम शहरो में संस्था का गठन की तैयार कि जावेगी ,इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारणी अध्यछ सचिन सराफ ने कहा राजगढ़ के जैन समाज के 5 युवाओं को रोजगार से लगाया जाएगा उसके लिए मेरे से संपर्क करे। इस आयोजन में इंदौर ,रतलाम, नीमच, मंदसौर नागदा प्रतापगढ़ जावरा छोटी सादड़ी पिपलोदा जीरन चीताखेड़ा खारवा नारायणगढ़ मल्हारगढ़ उज्जैन दलोदा खाचरोद देवास बड़नगर अलीराजपुर बदनावर धार राजगढ़ जावरा बड़ीसादड़ी सागवाड़ा झाबुआ डूंगरपुर नीमच अरनोद मनासा लोडकिया थांदला बामनिया टांडा मुंबई जोबट बोरी उदयगढ़ भाबरा बांसवाड़ा आदि प्रदेश भर के हजारों की संख्या में पदाधिकारी वरिष्ठ जन की उपस्थिति में आयोजन हुआ।

मन की बात सुनी कार्यकर्ताओं ने,संगठन ने दिए थे निर्देश

पचोर/हेमन्त कुमार शर्मा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को विगत नौ साल से होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भाजपा कार्यकर्ताओं ने और आम जनता ने ध्यानपूर्वक सुना! उल्लेखनीय है कि 26 मार्च रविवार को ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रसाद नड्डा का भोपाल में कार्यक्रम और रैली थी वहां पर भी स्टेडियम में सार्वजनिक रूप से एलईडी लगाकर प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात को सुना गया था! गत सप्ताह में हुई बैठक में संगठन ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए थे कि जो कार्यकर्ता भोपाल पहुंचेंगे वह भोपाल में मन की बात कार्यक्रम सुनेंगे और जो कार्यकर्ता शहर में रुकेंगे वह कहीं पर भी बैठकरप्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुनेंगे! इसी क्रम में पचोर में वार्ड क्रमांक 15 में भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यसमिति सदस्य मनीष यादव समाजसेवी पवन बंसल आदर्श मंगल पूर्व नगर भाजपा अध्यक्ष कमल सक्सेना सुफल माहेश्वरी आदि कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना! तथा अपने अनुभव साझा करते हुए सभी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनना भी किसी पाठशाला से कम नहीं है उसमें बहुत सी चीजें सीखने को मिलती है! और नई नई जानकारियां निकलकर आती है जो कि जीवन में बहुत काम की होती है।

हमारी सरकार बहनों की आँखों में आँसू नहीं आत्म-विश्वास देखना चाहती है- राजस्व मंत्री श्री राजपूत

भोपाल /दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि प्रदेश सरकार बहनों की आँखों में आँसू नहीं आत्म-विश्वास देखना चाहती है। इसी मंशा से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना लागू की गई है। योजना में पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रूपए और वर्ष भर में 12 हजार रूपए मिलेंगे। इस राशि से बहनें आर्थिक जरूरतों को पूरा कर सकेंगी। श्री राजपूत ने बहनों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण को लेकर हमेशा से ही कार्य करती रही है। स्व-सहायता समूह के माध्यम से ही महिलाओं के लिए रोजगार की व्यवस्था उन्हीं के क्षेत्र में सरकार द्वारा की गई है। मंत्री श्री राजपूत सुरखी क्षेत्र के सीहोरा में लाड़ली बहना योजना के आवेदन-पत्र भरने के कार्यक्रम का शुभारंभ कर रहे थे।

अंतरराष्ट्रीय खाद्य प्र-संस्करण ओडीओपी एक्सपो 2023

इकाइयों की स्थापना और विपणन पर दी जानकारी

भोपाल/दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतरराष्ट्रीय खाद्य प्र-संस्करण ओडीओपी एक्सपो 2023 के दूसरे दिन विषय-विशेषज्ञों ने खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों की स्थापना और उत्पादों के विपणन पर जानकारी दी। एक्सपो में माली प्रशिक्षण के प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए। एक्सपो में खाद्य प्र-संस्करण से संबंधित मशीनरी, सिंचाई यंत्र, ड्रोन टेक्नोलॉजी एवं खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों का प्रदर्शन किया गया है। सीनियर एडवाईजर औषधीय एवं सुगंधित फसल डॉ. गुरपाल सिंह जरियाल ने प्रदेश में औषधीय फसलों की उन्नत खेती प्र-संस्करण की विधि और विपणन की संभावनाओं पर प्रेजेन्टेशन दिया। विशेषज्ञ डॉ. नवदीप सक्सेना ने मसाला उद्योग की स्थापना, ड्रोन टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट डॉ. धीरज अग्रवाल ने उद्यानिकी फसलों में ड्रोन तकनीक के उपयोग, प्रबंधक स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया अमित मिश्रा ने पीएमएफएमई योजना में ऋण स्वीकृति एवं ऋण वितरण प्रक्रिया की जानकारी दी।

मजदूर

दो वक्त के रोटी के खातिर,
कठिन परिश्रम करते हैं!
कुछ पैसे कमाकर,
अपने बच्चो को पढ़ाते हैं!
कभी भूखा रहते हैं तो,
कभी पानी पीकर सोते हैं!
खून पसीना बहाते हैं तभी,
तो खाने को नसीब होता हैं!
कभी फल तो कभी ,
सब्जी बेचते हैं !
धूप गर्मी को सहकर ,
दिन भर मेहनत करते हैं!

-कृष्णा चौहान

पानी का मूल्य और मानव को समझना है

पानी बचाने की ज़वाबदेही निभाना है
पानी का मूल्य हर मानव को समझाना है
पानी को अहम दुर्लभ मानकर
अपव्यय करने से बचाना है

पानी के स्त्रोतों की सुरक्षा स्वच्छता अपनाने
के लिए जी जान से ध्यान लगाना है
पानी बचाओ जीवन बचाओ
यह फॉर्मूला मूल मंत्र के रूप में अपनाना है

पानी बचाने की ज़वाबदेही निभाना है
हर मानव को ज़ल संरक्षण संचयन अपनाकर
पानी बचाकर जनजागृति लाना है
अगली पीढ़ियों के प्रति ज़वाबदारी निभाना है

बिना पानी ज़िन्दगी का दर्द क्या होता है
पानी अपव्यय वालों तक पहुंचाना है
पानी का उपयोग अब हमें
प्रसाद की तरह करना है-

-किशन सनमुखदास भावनानी

मै करू नमन

हे जगजननी तुझको में करू नमन।
सुंदर रूप नो है तेरे करू वर्णन।।

प्रथम शैलपुत्री करे बेल सवारी।
सुंदर रूप मन मोहे करू वंदन।।

ये ब्रह्मचारिणी जपे रुद्राक्ष माला।
जिसे प्रिय पुष्प कमल मैं करू अर्पण।।

तिसरी चंद्रघंटा करती अरी दमन।
मां रखे ध्यान मै करू गीत गुंजन।।

चौथी कुष्मांडा करे बाघ सवारी।
असुर डरते जिससे में वर्णन करू।।

पंचम स्कन्द माता मंगल करने वाली।
है दुख नाशनी माते करू दर्शन।।
छठी कात्यायनी दानवता की शत्रु।
भक्तों के कष्ट हरे करू मन अर्पण।।
कालरात्रि महा प्रलय खाने वाली।
रक्षा करती हैं संकट में करू मनन।।

अष्टम महागौरी स्वेत वस्त्र सोहे।
बेल सवार माता करू चरण वंदन।।

नवी सिद्ध दातरी झोलिया भरती।
मां को तनमनधन नमन करू अर्पण।।
शक्ति की देवी को मेरा नमन है।
मनोहर जो हे मां को करू अर्पण।।

- मनोहर सिंह चौहान मधुकर

देशभक्ति

खत्म करो उन गद्दारों को
जो रौंदते हैं मातृभूमि के पहरेदारों को ।

धरा हमसे कह रही है
मिटा दो जुल्म के ठेकेदारों को
घुसपैठ कर बैठें हैं जो
उजाड़ फेंको उन किरायेदारों को
खत्म करो उन........

मोहलत माँग रहें हैं
उऋण कर दो उन कर्जदारों को
कितनी उलाहना दें हम
वतन के उन रसूखदारों को
खत्म करो उन.........

जज्बात अपना बेंच रहे हैं
समझा दो उन दुकानदारों को
सुषुप्त अवस्था में पड़े हैं
जगा दो ऐसे ईमानदारों को

खत्म करो उन गद्दारों को
जो रौंदते हैं मातृभूमि के पहरेदारों को.....

-मुकेश उइके "मयारू"

भूकंप की तैयारी सिर्फ इमारतों के बारे में नहीं है

सोशल मीडिया, टीवी चैनलों और अखबारों के जरिए आम लोगों के जान-माल को भूकंप से बचने के लिए सतर्क और सजग किया जा सकता है। भूकंप से जान-माल से बचाव न हो पाने की वजह यह भी है कि भूकंप आने का वक्त और अंतराल के बारे में वैज्ञानिक कुछ बता पाने की हालात में नहीं हैं। भूकंप आता है, तो लोग मनाते हैं कि वे बचे रहें, लेकिन कुछ साल गुजरता है और फिर भूल जाते हैं कि भूकंप फिर आ सकता है और उससे उनकी जान जा सकती है या गंभीर रूप से घायल हो सकते हैं। इसलिए मानसिक और आर्थिक दोनों तरह से भूकंप से बचने के लिए तैयार रहना जरूरी है। यह सोच कर हम नहीं बच सकते हैं कि ईश्वर जैसा चाहोगे वैसा ही होगा। और यह सोच बनाना भी ठीक नहीं कि इंसान के हाथ में कुछ भी नहीं है। यह सब खुद को तसल्ली देने के लिए तो हम कर सकते हैं, लेकिन प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए सजगता और अभ्यास के जरिए बेहतर बचाव का उपाय हो सकता है।

- डॉ सत्यवान सौरभ

भारतीय भूभाग का लगभग 58त्न भूकंप की चपेट में है। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा तैयार किए गए भारत के भूकंपीय ज़ोनिंग मानचित्र के अनुसार, भारत को चार ज़ोन - द्बद्ब, द्बद्बद्ब, द्बङ्क और ङ्क में विभाजित किया गया है। वैज्ञानिकों ने हिमालयी राज्य में संभावित बड़े भूकंप की चेतावनी दी है। भारत का भू-भाग बड़े भूकंपीय तथ्य/प्रतिक्रिया व्यक्त करता है, विशेष रूप से हिमालयी प्लेट सीमा, जिसमें बड़ी भूकंपीय घटना (7 और अधिक परिमाण) की क्षमता है। भारत में भूकंप का मुख्य कारण इंडियन प्लेट के यूरेशियन प्लेट से टकराने के कारण होते हैं। इस अभिसरण के परिणामस्वरूप हिमालय पर्वत का निर्माण हुआ है, साथ ही इस क्षेत्र में लगातार भूकंप आ रहे हैं।

भूकंप की तैयारी पर भारत की नीति मुख्य रूप से संरचनात्मक विवरण के पैमाने पर संचालित होती है। यह नेशनल बिल्डिंग कोड द्वारा निर्देशित है। इसमें स्तंभों, बीमों के आयामों को निर्दिष्ट करना और इन तत्वों को एक साथ जोड़ने वाले सुदृढीकरण के विवरण शामिल हैं। यह उन भवनों की उपेक्षा करता है जिनका निर्माण 1962 में ऐसे कोड प्रकाशित होने से पहले किया गया था। ऐसी इमारतें हमारे शहरों का एक बड़ा हिस्सा हैं। यह प्रवर्तन की प्रक्रियाओं में अचूकता मानता है। यह केवल दंड और अवैधताओं पर निर्भर करता है। यह भूकंप को व्यक्तिगत इमारतों की समस्या के रूप में मानता है। यह मानता है कि इमारतें मौजूद हैं और उनके शहरी संदर्भ से पूर्ण अलगाव में व्यवहार करती हैं। मौजूदा ढांचों की रेट्रोफिटिंग और अधिक दक्षता के साथ भूकंपीय कोड लागू करने के लिए कर-आधारित प्रोत्साहनों की एक प्रणाली बनाने की आवश्यकता है। यह अच्छी तरह से प्रशिक्षित पेशेवरों और सक्षम संगठनों का एक निकाय तैयार करेगा।

सोशल मीडिया, टीवी चैनलों और अखबारों के जरिए आम लोगों के जान-माल को भूकंप से बचने के लिए सतर्क और सजग किया जा सकता है। भूकंप से जान-माल से बचाव न हो पाने की वजह यह भी है कि भूकंप आने का वक्त और अंतराल के बारे में वैज्ञानिक कुछ बता पाने की हालात में नहीं हैं। भूकंप आता है, तो लोग मनाते हैं कि वे बचे रहें, लेकिन कुछ साल गुजरता है और फिर भूल जाते हैं कि भूकंप फिर आ सकता है और उससे उनकी जान जा सकती है या गंभीर रूप से घायल हो सकते हैं। इसलिए मानसिक और आर्थिक दोनों तरह से भूकंप से बचने के लिए तैयार रहना जरूरी है। यह सोच कर हम नहीं बच सकते हैं कि ईश्वर जैसा चाहोगे वैसा ही होगा। और यह सोच बनाना भी ठीक नहीं कि इंसान के हाथ में कुछ भी नहीं है। यह सब खुद को तसल्ली देने के लिए तो हम कर सकते हैं, लेकिन प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए सजगता और छद्म अभ्यास के जरिए बेहतर बचाव का उपाय हो सकता है।

जापान इस मामले में एक अच्छा उदाहरण है। इसने अक्सर होने वाले भूकंपों से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए तकनीकी उपायों में भारी निवेश किया है। भूकंप के प्रभाव को कम करने के लिए गगनचुंबी इमारतों को काउंटरवेट और अन्य उच्च तकनीक प्रावधानों के साथ बनाया गया है। छोटे घर लचीली नींव पर बनाए जाते हैं, और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को स्वचालित ट्रिगर के साथ एकीकृत किया जाता है जो भूकंप के दौरान बिजली, गैस और पानी की लाइनों को काट देते हैं। नीति को सर्वेक्षणों और लेखापरीक्षाओं से शुरू होना चाहिए जो भूकंप सभ्यता मानचित्र तैयार कर सकते हैं। ऐसे नक्शे का उपयोग करके, प्रवर्तन, प्रोत्साहन और प्रतिक्रिया केंद्रों को शहरी इलाकों में आनुपातिक रूप से वितरित किया जा सकता है। भूकंप की तैयारी पर एक नीति के लिए दूरदर्शी, क्रांतिकारी और परिवर्तनकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी। भूकंप के विभिन्न खतरों के प्रति भारत की भेद्यता के लिए स्मार्ट हैंडलिंग और दीर्घकालिक योजना की आवश्यकता है। भारत ने भूकंप प्रतिरोधी निर्माण के लिये बिल्डिंग कोड और मानक स्थापित किये हैं। यह सुनिश्चित करने के लिये इन कोड और मानकों को सख्ती से लागू करना महत्त्वपूर्ण है कि भूकंप का सामना करने हेतु नई इमारतों का निर्माण किया जाए। इसके लिये नियमित निरीक्षण एवं मौजूदा बिल्डिंग कोड के प्रवर्तन की भी आवश्यकता होगी। पुरानी इमारतें वर्तमान भूकंप प्रतिरोधी मानकों को पूरा नहीं करती हैं और उनमें से कई को उनके भूकंपीय प्रदर्शन में सुधार के लिये पुनः संयोजन या सुदृढीकरण किया जा सकता है। भूकंप के प्रभाव को कम करने के लिये आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना महत्त्वपूर्ण है। इसमें निकासी योजना विकसित करना, आपातकालीन आश्रयों की स्थापना और भूकंप का सामना करने के तरीके पर कर्मियों को प्रशिक्षित करना शामिल है। अनुसंधान एवं निगरानी में निवेश किये जाने से भूकंप तथा उसके कारणों की हमारी समझ में सुधार करने में मदद मिल सकती है और प्रभाव का अनुमान लगाने एवं उसे कम करने हेतु बेहतर तरीके विकसित करने में भी मदद मिल सकती है। भूमि-उपयोग नीतियों की योजना बनाने और उन्हें विकसित करते समय भूकंप के संभावित प्रभावों पर विचार करना महत्त्वपूर्ण है। इसमें भूकंप की संभावना वाले क्षेत्रों में विकास को सीमित करना शामिल है तथा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिये कि नए विकास को इस तरह से डिज़ाइन एवं निर्मित किया जाए जो क्षति के जोखिम को कम करता हो।

आलेख- रामायण-नैतिकता और जीवन मूल्यों का पाठ

आज सैकड़ों वर्षों के बाद भी समाज पर रामायण का आकर्षण बना हुआ है। दुनिया की लगभग सभी भाषाओं में रामायण का अनुवाद हो चुका है। रामलीलाओं के माध्यम से भी कई स्थानों पर रामकथा के पात्रों को जीवंत करने का प्रयास किया जाता है। जब टीवी पर रामायण सीरियल दिखाया जाता था तो सड़कें लगभग खाली हो जाती थीं और लोग टीवी के सामने बैठ जाते थे। एक बार एक आदमी बाहर किसी काम से गया। लेकिन उस काम में उम्मीद से ज्यादा समय लगा और रामायण का समय हो गया। उन्हें रामायण देखने की ललक महसूस हुई। उसने अपनी साइकिल एक जगह खड़ी की और एक घर में टीवी चल रहा था। उसने सोचा कि शायद रामायण चालू हो गया होगा और जब उसने झांका तो टीवी पर रामायण चल रही थी जैसा कि उसे उम्मीद थी। उस घर के व्यक्ति ने उन्हें घर में बुलाया और बैठने के लिए एक कुर्सी दी। कुछ देर बाद उस व्यक्ति को अहसास हुआ कि वह जिस घर में बैठा है वह किसी मुस्लिम व्यक्ति का है। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ उसने घर के मालिक से पूछा कि वह मुसलमान होते हुए भी उसके घर में रामायण कैसे चल रही है? तो मुस्लिम व्यक्ति ने उससे कहा, हमारे इतिहास में केवल लड़ाईयां हैं। इसने उसे मार डाला। उसने इसे मार डाला। यह हर जगह लिखा है। हर तरफ खून खराबा है। लेकिन अगर हमें नैतिकता और जीवन के मूल्य को देखना है तो हम इसे रामायण में देख सकते हैं। इसलिए हम सभी अपने घर में रामायण देखते हैं। यह सामाजिक मानस पर रामायण का प्रभाव है। लेकिन यह पता लगाना जरूरी है कि यह असर किस वजह से हुआ और यह आज भी क्यों कायम है।

राम पितृ आज्ञा को पसंद करते हैं और वन जाने के लिए राजी होते हैं। वन जाते समय राम सीता से कहते हैं कि वन में जंगली जानवर हैं। नरभक्षी राक्षस हैं। आपको वहां डर लगेगा। इसलिए जंगल में मत आना। मैं और लक्ष्मण हम दोनों वनवास को जाते हैं। उस समय सीता बहुत ही सुंदर उत्तर देती हैं। सीता कहती हैं कि मेरे पिता ने अपनी पुत्री उस पराक्रमी को दी है जिसने शिव का धनुष तोड़ा था। क्या अयोध्या का वह पराक्रमी राजकुमार अपनी पत्नी की नरभक्षी और राक्षसों से रक्षा नहीं कर सकता? राम सीता के प्रश्न का उत्तर नहीं दे सके और सीता को भी वन में चलने की अनुमति देते हैं। सीता कहती हैं, जहां राघव है, वहां सीता है। भले ही हमें कंद के फल खाकर जंगल में रहना पड़े, भले ही हमें कष्टों का सामना करना पड़े, लेकिन मैं वहीं रहूंगी जहां मेरे पति हैं। सीता ऐसी विधि के दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करती हैं। आज की युवतियों को भी इससे बड़ा संदेश लेने की जरूरत है।

आजकल हर जगह प्राइवेट नौकरी युवाओं को ही करनी पड़ती है। जिनकी तनख्वाह कम होती है उन्हें लड़कियां नहीं मिलतीं और अगर मिलती भी हैं तो वे कम तनख्वाह से संतुष्ट नहीं होते। कई बार ऐसी शादियां टिकती भी नहीं हैं। ऐसे समय में युवतियों को सीता का वचन जहां राघव हैं, वहीं सीता बहुत ज्यादा मार्गदर्शक हैं। वन में जाने से पहले राम कौशल्या माता से कहते हैं कि मैं अब वन में विचरण करने जा रहा हूं। अब भरत राजा बनने वाला है। भरत आपका पुत्र है और युवा है, पर स्मरण रहे कि वह राजा है, और यह समझ लो कि तुम्हें भी उसकी आज्ञा के अधीन रहना है। जब बच्चे बड़े हो जाते हैं और उनके पास पैसे का अधिकार होता है, तो माता-पिता को अपने बच्चों के फैसलों का सम्मान करना चाहिए और खुद को बदलना चाहिए। ताकि घर में विवाद से बचा जा सके।

राम, लक्ष्मण और सीता वनवास में रहे। उन्होंने कंद, फल खाए। वहां सभी बाधाओं और परेशानियों को स्वीकार किया इससे हमें याद रखना चाहिए कि आज जो स्थिति है जरूरी नहीं कि कल भी वैसी ही रहे। ईश्वर को दोष न देकर व्यक्ति को परिस्थिति को स्वीकार कर उससे बाहर निकलने का रास्ता खोजना चाहिए और अपना जीवन सुखमय व्यतीत करना चाहिए। इसका एहसास हमें राम के वनवास से होता है। राम और भरत का प्रेम आज के भाइयों के लिए भी बहुत अनुकरणीय है। क्योंकि आज हम एक पग जमीन या जमीन के टुकड़े के लिए भाइयों के बीच कलह या कड़वाहट या लड़ाई देखते हैं। राम और भरत का प्रेम आज के युग में भाइयों के लिए आदर्श हो सकता है। राम ने वानर राजा सुग्रीव से मित्रता की। इससे हमें पता चलता है कि अवसर आने पर हमें किसी ऐसे व्यक्ति से मित्रता करनी पड़ सकती है जो जहां शक्तिशाली हो और अपने उद्देश्य को सिद्ध करने के लिए उसकी सहायता लेनी पड़े। राम ने वानरों की सेना खड़ी की। इसका मतलब यह है कि हम यह महसूस करते हैं कि मनुष्य को उपलब्ध उपकरणों का उपयोग अपनी ताकत बनाने के लिए करना चाहिए। जैसे ही रावण ने सीता का अपहरण किया, सीता ने अपने गहने जमीन पर फेंक दिए। उसका उद्देश्य यह था कि शायद राम और लक्ष्मण इन गहनों के माध्यम से आकर पहुंचें। इससे हम यह संदेश ले सकते हैं कि महिलाओं को संकट के समय भी अपनी बुद्धि से काम लेना चाहिए। रावण ने सीता पर विवाह के लिए अनेक प्रकार से दबाव डाला। फिर भी सीता ने उसे कहा कि मैं विवाहित हूं। मैं दूसरे आदमी के बारे में नहीं सोच सकती। इससे लड़कियों और महिलाओं को सही संदेश मिलना चाहिए। यदि सीता रावण के चंगुल में रहते हुए भी उसे ना कह सकती है, तो हमें भी नाना प्रकार के प्रलोभनों को न कहना सीखना चाहिए। यह ध्यान रहे कि इससे कोई सांसारिक मतभेद या अन्य घटनाएं उत्पन्न नहीं होंगी। सीता को राम के पराक्रम पर पूरा विश्वास था। उसे विश्वास था कि राम समुद्र पार कर लंका आएंगे और उसे छुड़ाएंगे। महिलाओं को भी अपने पुरुषों की ताकत पर विश्वास करना चाहिए और धैर्य रखना चाहिए। हनुमंत ने रावण की सोने की लंका को जलाया। लंका जली। सीता को विश्वास दिलाया और वे राम के पास लौट आए। उससे हमें यह आभास होता है कि पाप की लंका कितनी भी बड़ी और वैभवशाली क्यों न हो, उसे जलाना ही है। पाप के साम्राज्य का एक दिन पतन होना तय है। हमें इस संदेश को अपनाना चाहिए।

राम रावण का वध करते हैं। रावण जमीन पर गिर जाता है। उस समय उसकी मृत्यु से पहले राम लक्ष्मण से कहते हैं कि यदि तुम्हें रावण से भी कुछ ज्ञान प्राप्त करना है तो तुम उसे ग्रहण कर लो। अर्थात यदि शत्रु को भी ज्ञान हो तो उसे प्राप्त करना चाहिए, इस विधि का सन्देश राम ने हमें दिया है। रावण को मारने के बाद, विभीषण ने राम से लंका में रहने का आग्रह किया। उस समय राम विभीषण को लंका का राज्य देते हैं और उससे कहते हैं कि भले ही लंका सोने की बनी हो, लेकिन उससे ही ज्यादा मुझे अपनी मां और अपनी मातृभूमि अयोध्या प्यारी है। आज भारत में बहुत से युवा पढ़ने के लिए विदेश जाते हैं और वहीं रहते हैं। ऐसे युवाओं को राम के संदेश पर ध्यान देना चाहिए कि अमेरिका कितना भी गौरवशाली क्यों न हो, मातृभूमि भारत और हमारी माता सर्वश्रेष्ठ है और उनके लिए काम करना चाहिए। रामायण के हर प्रसंग में हमारे लिए एक संदेश है। जीवन में मार्गदर्शक होते हैं। इसलिए हजारों साल बाद भी रामायण आज भी पढ़ी जाती है।

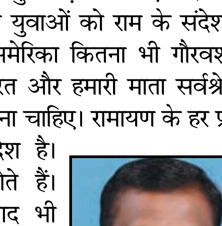

-मच्छिंद्र ऐनापुरे,
सांगली (महाराष्ट्र)

तुषार खन्ना ने अपनी पहली फिल्म स्टारफिश की शूटिंग शुरू की

जीएनएस। अपनी पहली फिल्म 'स्टारफिश' की शूटिंग शुरू करने के लिए उत्साह और आनंद व्यक्त करते हुए, तुषार खन्ना ने सेट से तस्वीरें साझा कीं।

माल्टा में 'स्टारफिश'की शूटिंग शुरू करते हुए, तुषार खन्ना ने सेट से बीटीएस तस्वीरें साझा करते हुए कहा, पहली फिल्म का पहला दिन #Starfish।

मनोरंजन उद्योग से कोई नाता न रखने वाले आउटसाइडर, तुषार अमृतसर जैसे छोटे से शहर से हैं और उन्होंने अपनी पहली फीचर फिल्म हासिल करने के लिए एक लंबी यात्रा तय की है। उसी के लिए आभार जताते हुए तुषार खन्ना ने कहा, अमृतसर दा मुंडा आज माल्टा में अपने सपनों को पूरा होते देख रहा है!

मेरी पहली फिल्म स्टारफिश के लिए आभारी, विनम्र और उत्साहित हूँ हस्टारफ़िश।

टेलीविज़न से बड़े पर्दे पर कदम रखते हुए, नागिन 6 फेम तुषार खन्ना टी-सीरीज़ और ऑलमाइटी मोशन पिक्चर के जॉइंट वेंचर के साथ अपनी फिल्म स्टारफिश की शुरुआत कर चुके है, जो बीना नायक के बेस्ट सेलर उपन्यास पर आधारित है। तुषार खन्ना के साथ, मिलिंद सोमन, खुशहाली कुमार, और एहान भट भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।विभिन्न शैलियों और प्लेटफार्मों में अलग अलग परियोजनाओं के माध्यम से अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए, तुषार खन्ना ने टेलीविजन शो पिया अलबेला के साथ अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। एक भरोसेमंद स्टार के रूप पे उभरते हुए, तुषार खन्ना ने छठे सीज़न के लिए भारतीय टेलीविजन पर सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक - नागिन में अभिनय किया।अखिलेश जायसवाल द्वारा निर्देशित रोमांस ड्रामा स्टारफिश के लिए तैयार, तुषार खन्ना सिल्वर स्क्रीन पर अपने आगमन को चिह्नित करने के लिए तैयार हैं।

सोनी सब के शो 'दिल दियां गल्लां' में क्या आग लगने की एक दुर्घटना बरार परिवार को एकसाथ लाएगी और उनकी जिन्दगी में एक खुशहाल अध्या्य शुरू होगा ?

जीएनएस। सोनी सब के शो 'दिल दियां गल्लां ' में एक पंजाबी परिवार के प्रवास की भावुक कर देने वाली कहानी है। इस परिवार की तीन पीढ़ियाँ हैं, जिनमें से पहली दो पीढ़ियाँ माफ करना और भुलाना नहीं चाहती हैं, लेकिन जब तीसरी पीढ़ी दखल देती है, तब उन्हें अपने अतीत का सामना करने और हालात को ठीक करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। आने वाले एपिसोड्स में दर्शक दिलप्रीत (पंकज बेरी) और मनदीप (संदीप बसवाना) का पच्चीसप सालों के बाद आमना-सामना होता देखेंगे।

आस्थाप (रीमा वोहरा) को गुंडे किडनैप कर लेते हैं और उसे एक गोदाम में रखा जाता है, जहाँ आग लग जाती है। जब दिलप्रीत और मनदीप को इस बारे में पता चलता है, तो वे घबरा जाते हैं और आस्थाा को बचाने के लिये दौड़ते हैं। दिलप्रीत आस्थाा को बचाने की कोशिश करता है, लेकिन बाप-बेटे की किस्मात में कुछ और ही है। दिलप्रीत फंस जाता है और आखिरकार मनदीप

आकर आस्थाक और अपने पिता को उस जानलेवा आग से बचाता है।

क्या् मनदीप द्वारा दिलप्रीत और आस्थाा की जान बचाने से बरार परिवार की जिन्दकगियों में एक नया अध्याफय खुलेगा?

मनदीप की भूमिका निभा रहे संदीप बसवाना ने कहा, मुझे लगता है कि आने वाले एपिसोड्स दर्शकों को बहुत रोमांचित करेंगे, क्यों कि शो की शुरूआत से ही वे जिसका इंतजार कर रहे थे, वह अब होगा। इस सीक्वें स की तैयारी के लिये मैंने बड़ी मेहनत की थी, क्यों कि मैं दृश्य को जितना संभव हो, असली और स्वा भाविक दिखाना चाहता था। मेरा मानना है कि पंकज जी जैसे बेहतरीन कलाकारों के साथ काम करने से आपको वाकई अपना प्रदर्शन बेहतर करने और अपना बेस्ट देने में मदद मिलती है। तो इस हफ्ते 'दिल दियां गल्लां ' देखना न भूलें!''

देखते रहिये 'दिल दियां गल्लां ' हर सोमवार से शनिवार शाम 7-30 बजे, सिर्फ सोनी सब पर

सफ़र।

[कविता]

जिंदगी के सफ़र में आगे बढ़ते ,
रहने के लिए,
एक मजबूत इरादों से भरपूर,
जज्बा और जुनून,
वेशक जरूरी है।
यह वक्त की दस्तूर व,
अरसे से चली आ रही,
रस्म अदायगी के लिए,
बन चुकी मजबूरी है।
ज़िन्दगी एक सफ़र है,
ताउम्र हम अनजान रास्ते पर,
बेतहाशा हरपल चलते रहने की,
भरपूर कोशिश करते हैं।
लोग सफ़र की राह पर,
बड़ी -बड़ी मुश्किलें उठने की ,
हर वक्त बातें करते रहते हैं।
राह ही मंजिल होती है,
पर लोग मंजिल की तलाश में रहते हैं।
सफ़र में हमेशा बिना थके हुए,
आगे बढ़ते रहने की हर समय,
बड़ी -बड़ी बातें करते रहते हैं।
लोग इस बात को नहीं मानते हैं कि,
सफ़र में दुआओं की भी,
पड़ती बड़ी सी जरूरत है।
अक्सर लोग सफ़र की राह पर,
मुश्किलों की बात कहते -फिरते हैं।
जिंदादिली और उम्दा जज्बा की,
बड़ी अहमियत है वालीं बाते,
अक्सर खुद नहीं समझते हैं।

-डॉ0 अशोक ,पटना ,बिहार

गज़ल

जहॉ झूठों को सच बताया जाता हैं
वहॉ खूब हंगामा मचाया जाता हैं

रोटी मांगने मांगू आया द्वार पर
पोस्टर रोटी का दिखाया जाता हैं

रख दिया लिफाफा जब आपकी जेब में
उसको क़ानून से बचाया जाता हैं

चींटी भी मारी नहीं उसने कभी यहॉ
खून का इल्ज़ाम लगाया जाता हैं

पूछिये ग़रीब से क्या हाल है उसका
उस पर ही ज़ोर आजमाया जाता हैं

बिन रिश्वत होता नहीं है कोई काम
तब तो फाइल को अटकाया जाता हैं

ये बस्ती शरीफों की नहीं रही अब
यहॉ गुण्डों को ही बसाया जाता हैं

सही बात को जान ना सके ये पीढ़ी
उसे गलत इतिहास पढ़ाया जाता हैं

झुक गई कमर उसकी भूख से फिर भी
खूब बोझ उससे उठवाया जाता हैं

करें काम रमेश कितना भी अच्छा फिर भी
उसे ही कामचोर बताया जाता हैं

-रमेश मनोहरा

जय मां

हे जगजननी तुझको में करू नमन।
सुंदर रूप नो है तेरे करू वर्णन।।

प्रथम शैलपुत्री करे बेल सवारी।
सुंदर रूप मन मोहे करू वंदन।।

ये ब्रह्मचारिणी जपे रुद्राक्ष माला।
जिसे प्रिय पुष्प कमलमैं करू अर्पण।।

तिसरी चंद्रघंटा करती अरी दमन।
मां रखे ध्यान मै करू गीत गुंजन।।
चौथी कुष्मांडा करे बाघ सवारी।
असुर डरते लीला में वर्णन करू।।

पंचम स्कन्द माता मंगल करने वाली।
है दुख नाशनी माते करू दर्शन।।
छठी कात्यायनी दानवता की शत्रु।
भक्तों के कष्ट हरे करू मन अर्पण।।
कालरात्रि महा प्रलय खाने वाली।
रक्षा करती जो संकट में करू मनन।।
अष्टम महागौरी स्वेत वस्त्र सोहे।
बेल सवार मां के करू चरण वंदन।।
नवी सिद्ध दातरी झोलिया भरती।
चरणों में मां के नमन करू अर्पण।।
शक्ति की देवी को मेरा नमन है।
मनोहर मां को जो हे अर्पण करू।।

- मनोहर सिंह चौहान मधुकर

द्वंद्व

दो विपरीत विचारधाराओं के बीच
हमेशा द्वंद्व देखने को मिलता है,
एक विचारधारा से सारे लोग खुश रहते हैं
तो दूसरी विचारधारा से
चंद लोगों का ही चेहरा खिलता है,
मनुवाद अधिकारों को कुचलकर
चंद लोगों को अधिकार देता है,
पर अम्बेडकरवाद सबको
समता का स्वीकार देता है,
द्वंद्व मानसिक व शारीरिक होता है,
विजेता अट्टहास करता,
पराजित गुलामी ढोता है,
कोई किसी पर अपनी अतिवादी विचार न झोंके,
इसीलिए संभल जाओ
अमानवीयता के हिमायतियों,
द्वंद्व ऐसा भी न हो जाये कि
किसी पक्ष को समूल उखाड़ फेंके,
सोचने भी चाहिए आफत अनदेखे,
हमेशा कारगर नहीं होते
साम दाम दंड भेद,
अभी भी वक़्त है मांग लो खेद,
समय हमेशा एक सा नहीं होता,
चमत्कारी भी दे सकता है पूर्ण धोखा।

-राजेन्द्र लाहिरी

सबका जीवन भरा कष्टों से

सबका जीवन भरा कष्टों से
पर हंसकर पार करो तुम

माना धन की कमी है सभी को
पर दिल से रहीश बनो तुम ।

आज अकेले कर परिश्रम
दिखा दो ताकत सभी को तुम ।

करके जरूरतें कम अपनी
खुशियों को बढ़ा लो तुम ।

आज पैदल कल साइकिल से चल
गाड़ी में बैठ जाना एक दिन तुम

बड़ों का आदर छोटों से प्यार
सबके दिलों पर राज करो तुम
गम में होके सरीक सभी के
दुखों को कम कर दो ना तुम
मुरझाए चेहरे हैं चारों तरफ
बोल मीठे बोल खिलखिला दो तुम
अपनी चाहतों को फैला कर
रोते को सीमा हंसा दो ना तुम

-सीमा रंगा इन्द्रा हरियाणा

जय जवान जय किसान हिंदी काव्य संग्रह

भारत की एकता,अखंडता और भाईचारे का सुंदर संदेश

काश मेरी कद ऊंची होती,तो मैं सेना में भर्ती हो जाता फिर कोई देखता भारत माता की ओर,तो उसकी आंखें नोच लेता।

इस प्रकार से वीर रस से आप्लावित उत्साह से भरे काव्य सृजन करने वाले,और अपनी लेखनी को साहित्य,किसान,और देश के जवान सैनिकों को समर्पित करने वाले कलम के सिपाही राष्ट्र प्रेम के कवि

श्री देवेन्द्र कुमार सिन्हा जी मात्र 18 साल की उम्र में जोश-खरोश दिखाते हुए अपने आप को भारत माता की मिट्टी की के लिए समर्पित हो गए,पर दुर्भाग्य की बात यह रही की छोटा कद-काठी के कारण इसके वो योग्य नहीं हो पाए और उनको मायूस होना पड़ा,और उपरोक्त कविता का सृजन करते हुए अपनी पीड़ा को व्यक्त कर डाला।

श्री सिन्हा जी की कविता में राष्ट्रीयता की भावना,देशप्रेम की भावना,एकता भाईचारे की भावना,समरसता की भावना,धरती के भगवान कृषक के प्रति प्रेम, कूट-कूट कर भरी हुई है। इसी प्रकार उनकी कविता में जनमानस,और देश की सुखङ्कशांति के लिए देवी माँ सरस्वती से प्रार्थना की गई-

विद्या बुद्धि का भंडार दे,स्वर्ग से सुंदर संसार दे
अंधियारे में एक दीप जलाकर,जगमग जग,घर-द्वार दे।

और ऐसा ही जन्म धात्री माँ के दिव्य रूप की महिमा उनके द्वारा गाई गई जैसे-

माँ !तू वात्सल्य की महादेवी,केवल दुग्ध नही वक्ष स्थल में
जननी तू सारी श्रृष्टि की,में दया करुणा का सागर है मुखमंडल में।

ऐसा उद्गार उनके उद्दात मन का परिचय कराता है। और यही सब भावनाऐं उनके काव्य संकलन जय जवान जय किसान में देखते बनती है।उनके काव्य का प्रमुख स्वर ओजस्वी वाणी और प्रखर शंखनाद है, जिसको हम उनकी सिंहनाद करो रे में देख सकते हैं इसमें उन्होंने कहा-

प्रचंड प्रदिप्त तेरा भाल है,लाल-लाल मोचन मानो तेरा भाल है
दुश्मनों का दल,यदि तेरा काल है,तो तू साक्षात प्रलयंकर भूचाल है।
सिंहनाद करो रे...।

इसी प्रकार उन्होंने अपने काव्य अंश माटी कहे किसान से में माटी क्या कहना चाहती है, अपनी सुकोमल मधुर वाणी से आशीष के रूप में में प्रस्तुत किया है जैसे-

माटी कहे किसान से,खेत जोत रहा है,मैं कहती हूं तू स्वर्णिम बीज बो रहा है
तू फावड़ा कुदाल ले,मुझे खोद रहा है,नहीं नहीं बेटे तू,नवरत्न खोज रहा है।

ऐसे ही कुछ अंश उनके काव्य मेरे तन मन प्राण में देखने को मिलती है जहाँ पर उन्होंने भारत माता को केन्द्रीत करते हुए वसुधैव कुटुंबकम की सुंदर परिभाषा प्रस्तुत की। जिसमें उन्होंने इस सूक्त वाक्य को विश्व कल्याण का एक संकल्प बताया।

इसी कड़ी में उन्होंने देश की आन बान शान पर,देश भक्ति का परिचय देते हुए दुश्मनों के प्रति आक्रोश की भावना व्यक्ति की है-

तेरे पथ परवाकर दुश्मन ,कांटे लाख बिछाए
तेरी सीमा पर करे आक्रमण,आंखे लाल दिखाए
हम न सहेंगे टूट पड़ेंगे,तेरा हर बेटा अभिनंदन।

अंत में श्री सिन्हा जी ने अपने काव्य अंश प्रियवर में जीवन की सार्थकता पर जगत पिता को श्रद्धा के उद्गार प्रेषित करते हुए कहा है-

ये जीवन प्रभु तेरा वरदान,पूर्ण हुआ सब अरमानतीर्थ महातीर्थ का शुभ दर्शन,पूर्ण हुआ यज्ञ हवन पूजन अनुष्ठान
भक्ति की सरिता बहे अविरल,हुआ जीवन धन्य सफल।।

इस तरह से यह कहा जा सकता है की श्री सिन्हा जी की लेखनी और उनका काव्य संकलन जय जवान जय किसान यथा नाम तथा गुण को उद्घाटित करता है इसमें कोई दो राय नही।इनकी कविता में देश भक्ति, मिट्टी के प्रति प्यार,आस्था, समर्पण,भाव का सुंदर संदेश है।अपने इस संदेश को देने में वे सफल भी रहे है।और निश्चित ही इनके इस संदेश से हमारे भारत वासियों में एकता सद्भावना और भाईचारे की भावना जागृत होगी।

समीक्षाकार
अशोक पटेल आशु

संजीव-नी।

धोख देने में माहिर होने लगे हो।

आप अपनो हो या हो बेगाने,
आप जग जाहिर होने लगे हो।

जालिम ये जमाना,ना समझ नही ।
रंजिशों मेंआप भी माहिर होने लगे हो।

न जाने किस की सोहबत में रहते हो,
तमाम शाजिशों में शुमार होने लगे हो।

शुरू से परवरिश ऐसी तो न तुम्हारी,
पीठ पर खंजर हजार चलाने लगे हो।

तुम ना तो फरेबी या सियासत दार हो।
फिर क्यों दिल से शातिर होने लगे हो।

क्या किया तुमने लूट कर खुद का आशियाना,
खूबसूरत जिंदगी वीरान बनाने लगे हो ।

-संजीव ठाकुर, रायपुर

एक ग़ज़ल

कहाँ क्या - क्या करें जब काम ही हम भूल जाते हैं।
समय पर याद रखना जो वही हम भूल जाते हैं।।1।।
हजारों बार समझाया न मानी तो लगी ठोकर,
न जाने क्यों बुजुर्गों की कही हम भूल जाते हैं।।2।।

अँधेरी रात गाढ़ी है सबेरा भी तो आयेगा,
पलट जायेगी हर बाज़ी, यही हम भूल जाते हैं।।3।।
रहेगा बाप का बेटा भले ही गुण बदल जाएँ,
बनेगा दूध से ही तो दही हम भूल जाते हैं।।4।।

गरीबी देखकर जब हम सताते हैं गरीबों को,
हमारी जिन्दगी ऐसी रही हम भूल जाते हैं।।5।।
किसी को गर्व इतना है कि हम सा है नहीं जग में,
सहन करने की तुलना में मही हम भूल जाते हैं।।6।।

बुरा है लालची होना सभी को भान है इसका,
मगर क्या है ग़लत क्या है सही हम भूल जाते हैं।।7।।
करो जैसा भरो वैसा वहाँ हर प्राण का लेखा,
मगर वह पाप पुण्यों की बही हम भूल जाते हैं।।8।।

-गिरेन्द्रसिंह भदौरिया प्राण"

//माँ काली//

अजब रूप माँ कालिका, दिखती है विकराल।
टूट पड़े गर दैत्य पर, बन जाती है काल।।
एक हाथ खप्पर धरे, दूजे में तलवार।
क्रोध सहे ना कालिका, माने कभी न हार।।

ज्वाला सी क्रोधित सदा, बिखरे लंबे बाल।
लाल लाल जिभिया रहे, मइया रूप विशाल।।
सच्चे मन से प्रार्थना, माता कर स्वीकार।
भक्त खड़े हैं द्वार पर, करते जय -जयकार।।

मुख निकले आवाज जी, गूँज उठे संसार।
असुरों का वो रक्त पी, करती है हुंकार।।
मिलकर देवी देवता, जोड़े दोनों हाथ।
रौद्र रूप अब शांत हो, आये भोलेनाथ।।

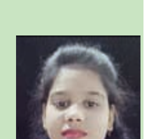

-प्रिया देवांगन प्रियू

गज़ल

नेताजी ने हमारे साथ यह एहसान किया है
देकर महंगाई पेट को देख रमज़ान किया है

जो गुंडे है लफंगे है और है बदमाश भी वो
ऐसे लोगों का यहॉ तमगों से सम्मान किया है

प्रेम से भेजा था दावतनामा आपने हमको
अपने घर बुलाकर फिर हमारा अपमान किया है
पहले तो की घुसपैठ और फिर जीता विश्वास
फिर घोखे से अपने नाम मेरा मकान किया है

आजादी के नाम पर मिले है धोखे पर धोखे
हम गरीबों को आजतक खूब परेशान किया है

कहने को कहते है खोल दी वाणी की खिड़कियॉ
मगर जो बोले जुबां काटकर बेजुबान किया है

सत्ता कुर्सी में होकर मदहोश सभी नेता है
रमेश को छोड़ सभी ने पूरा अरमान किया है

-रमेश मनोहरा

संजीवनी

मीठा विश्वास है झूठे वायदे का।
यह लेनदेन है बहुत फायदे का।।

वह धंधा करता है मुखौटों का।
कारोबार है बहुत फायदे का।

सच के बीच भी लोग फरेब करते हैं।
यह चलन भी है बहुत कायदे का ।।

यहां कौन सच्चा है कौन झूठाहै।।
काम निकालते डराकर सबूत कायदे का ।।

सियासत अवाम के बीच आ जाती हैं
पुलिंदा लेकर बड़े अकूत वायदे का।।

सच गुम है झूठ के बवंडर में संजीव।
फरेबी फायदे ले जाते हैं साबुत कायदे का।।

-संजीव ठाकुर,

रामनवमी विशेष,राम-घनश्याम: समन्वय के श्वेत पद्म!

बागेश्वरधाम के धीरेन्द्रकृष्ण शास्त्रीजी का यह कथन मीडिया और समाज में बहुचर्चित हो रहा है कि भारत हिन्दू राष्ट्र था, है और रहेगा। कुछ पत्रकारों ने तो इस बयान को लेकर उनसे यहांतक पूछ लिया कि क्या ऐसा होने पर दूसरे धर्म के लोग भारत में नहीं रहेंगे? शायद ऐसा तर्क देनेवाले या तो सनातन धर्म की विशालता को नहीं समझ रहे है, या फिर वामपंथी विचारधारा की चंद बूंदों का उनकी निर्मल बुद्धि पर कोई कंटीला असर हो चूका है...

क्योंकि सनातन धर्म के किसी भी शास्त्र ने कभी और कहीं भी संकुचित होकर बात नहीं रखी। आपको ऐसा कोई सन्दर्भ नहीं मिलता कि किसी ऋषि ने जाति-पांति, राज्य-जनपद, गाँव-परिवार को केवल समाज को बांटने के उद्देश्य से दूसरों के जीवन में विष घोलने का आदेश दिया हो।

सनातन के भारत में तो विश्वभर से कल्याणकारी विचारों को प्राप्त करने की ललक दिखाई देती है, यहाँ पृथ्वी (वसुधा) को एक परिवार के रूप में लेने की अद्भुत अवधारणा को जिया जाता है, यहाँ देवताओं को पत्थर में स्थापित करके ही सम्मान नहीं किया जाता, यहाँ तो सूर्य की भी स्तुति है, अग्नि का भी स्तोत्र है, वायु और जल के भी देवता है, वृक्षों की भी पूजा होती है, कई पशु देवताओं के वाहन हैं, नदी, भूमि, या गाय अथवा तुलसी हो, सभी ने यहाँ माँ का दर्जा पाया है! यहाँ चंद्र मामा है, सूरज दादा है, यहाँ सर्वे सन्तु निरामया- कहकर पूरे विश्व को स्वस्थ देखने की परोपकारी भावना है। फिर भी बिना सोचे-समझे एक समय के मंत्री स्वामीप्रसाद मौर्य और उनके समर्थकों ने रामचरित मानस की प्रति जलाने का साहस किया! और यह भी मांग कर दी कि इस 'किताब' पर बैन लगाया जाए!

दोस्तों, इसी संदर्भ में 'रामचरित मानस' के केवल एक ही प्रसंग से निकली तुलसीदासजी की समन्वय की सौरभ का परिचय प्राप्त करना बिल्कुल प्रासंगिक रहेगा।

क्या आप जानते हैं कि जब भरतजी रामचंद्रजी को बुलाने वन पहुंचे, तो उनके साथ आए वसिष्ठजी ने राम-सीता-लक्ष्मण के अयोध्या आने के बदले में क्या शर्त रखी थी? उन्होंने माता कैकेयी आदि की उपस्थिति में ही भरत और शत्रुघ्न से कहा था कि, तुम कानन गवन्हु दोऊ भाई! -भरत! तुम और शत्रुघ्न 14 वर्ष के लिए वन में चले जाओ! और उस समय दोनों भाइयों की मुख-रेखा क्या कह रही थी? तुलसीदासजी लिखते हैं- सुनि सुवचन हर्षे दोउ भ्राता! - यह आदेश सुनते ही दोनों के हृदय हर्ष से भर गए!

क्या पारिवारिक सौहार्द का इससे बड़ा कोई उदाहरण हो सकता है? उस समय तीनों माताओं को भी भरतजी साथ लाये थे, जब माताओं के दर्शन किये, तब श्री रामचंद्रजी की पहली प्रतिक्रिया क्या थी?

तुलसीदासजी लिखते हैं प्रथम राम भेंटि कैकेई, सरल सुभांय भगति मति भेई! तुलसीदासजी ने भगवान रामचन्द्रजी की इस प्रतिभा को पारिवारिक समरसता के सीमा-चिह्न के रूप में प्रस्तुत किया है! जिस माता की जिद्द के कारण उन्हें चक्रवर्ती राज्य छोड़कर वन में भटकना पड़ रहा था, उस माता के प्रति रत्तीभर भी दुर्भावना न होना, और सरल स्वभाव के साथ उनको ही सर्वप्रथम गले लगाना, उनका अभिवादन करना, सबकुछ कितना अद्भुत है!

'कहाँ विप्रश्रेष्ठ ब्रह्मर्षि वसिष्ठ जी और कहाँ भीलराज गुह! मनासकार ऐसे सामाजिक अंतर को एक ही झटके में भेदकर रख देते हैं, लिखते हैं कि जब वसिष्ठ जी की दृष्टि उस केवट पर पड़ी, तब क्या हुआ?

प्रेम पुलकि केवट कही नामू, कीन्ह दुरी तें दंड प्रणामू!
रामसखा ऋषि बरबस भेंटा, जनु मही लुठत सनेह समेटा!

ब्राह्मण होने का दर्प नहीं, राज्यगुरु होने का अभिमान नहीं! क्या ऋषि के द्वारा केवट को उत्साह के साथ आश्लेष में लेने की भाव सम्पन्नता किसी भी तरह से विभाजनकारी लगती है? तुलसीदासजी तो आगे यहाँ तक लिखते हैं कि जेहि लखि लखन हूँ ते अधिक, मिल मुदित मुनिराउ! निषादराज को देखकर मुनिवर वसिष्ठ इतने प्रसन्न हुए, कि वे लक्ष्मणजी से मिलने से भी उतने प्रसन्न नहीं दिखे थे!

आज जब सास-बहू के सीरियलों में या ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के कुछ सीरियलों में महिलाओं को महिलाओं के खिलाफ षड्यंत्रकारी दिखाया जाता है, और निहायत बुरी महिलाओं के पात्रों को बढ़ा-चढाकर अपने ही परिवार को राजनीति का अखाड़ा बनाने वाली दिखाया जाता है, ऐसे समय में तुलसीदासजी सास-बहू के रिश्ते की अनन्य झलक किन शब्दों में देते हैं? सीताजी ने जब वन में अपनी तीनों सासों को देखा, तो उनके पीले मुख को देखकर काँप उठीं, मुंदे नयन सहमी सुकुमारी! तीनों सासों की सेवा वे इतनी शीघ्रता से कर रही थीं, कि तीनों को लगा कि सीताजी तीन-तीन रूप धारण कर के हमारी सेवा कर रही हैं!

मित्रों, भारतीय सनातन संस्कृति के ऐसे अनुपम मूल्यों को आत्मसात् करने के लिए, या पारिवारिक मूल्यों की सुगंध लेने के लिए जिनके पास सक्षम 'नाक' है ही नहीं, तभी तो समन्वय के श्वेत पद्म के सामान इस ग्रन्थ को आक्षेपों के घेरे में डालने की चेष्टा हो रही है!

भगवान रामचन्द्रजी के पावन प्राकट्योत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय तीर्थ होने का गौरव प्राप्त कर रही अयोध्या इस वर्ष भी फिर एक बार त्रेतायुग के वातावरण की साक्षी बनने जा रही है। जो कोई अभी भी श्री राम के चरित्र को को केवल 'सनातन धर्म के युगावतार का ही चरित्र' समझता है, वह शायद मानवता को समझने में विफल रहा है। क्योंकि जिन लोगों को फूट डालो और शासन करो की अपनी क्षमता पर घमंड है, वे क्यों न चाहे हिंदू-मुस्लिम, ब्राह्मण-दलित, ऊंच-नीच, या उत्तर भारत-दक्षिण भारत, कहकर विभाजन की मंशा को कितनी भी हवा देते रहे, अंततः लोकनायक वही बनता है, जो समाज को समन्वयभाव से जोड़ सके!

हिंदी साहित्य के धूमकेतु आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी जी ने कहा था कि लोकनायक वही हो सकता है, जो समन्वय कर सके। क्योंकि भारतीय समाज में नाना भांति परस्पर विरोधिनी संस्कृतियां, साधनाएं, विचार और धर्म सिद्धांत प्रचलित रहते हैं, ऐसे में यदि हम परस्पर समन्वयकारी नहीं होते, तो अब तक युगों पहले हम टूट चुके होते। जैसे बुद्ध समन्वयकारी थे, वैसे ही गीता में समन्वय की चेष्टा की गई है। उसी प्रकार तुलसीदासजी भी समन्वयकारी महाकवि थे।

चैत्र शुक्ला नवमी भगवान स्वामिनारायण का भी प्राकट्यदिन है। गुजरात में साणंद के पास मछियाव गांव में उन्होंने एक बार समर्पित भक्त एवं विधवा ठकुराइन सुजानकुंवर जी से कहा था कि आप अपनी बहू के साथ अपने मतभेदों को छोड़कर उसे सौहार्दपूर्वक स्वीकार कर लें। बार बार कहने पर भी वे नहीं मानीं, उलटा श्रीहरि को कहने लगीं कि महाराज, आप हमारे गृहस्थों के झगड़ों दूर रहे, वही अच्छा! श्रीहरि ने उसी पल तैयार हो रहे भोजन को भी छोड़ दिया, और संतों के साथ गाँव से निकल दिए... । 36 बार जिस गाँव में उन्हों ने पधरावनी की थी, उसे उन्होंने जीवनभर के लिए छोड़ दिया, केवल इसलिए कि उस माताजी ने समन्वय को नहीं अपनाया और एकता को ठुकरा दिया था !

राम और घनश्याम के चरित्र और स्मृति की महिमा से आलोकित रामनवमी का यह दिन हम सब पर समझदारी, सहयोग, समन्वय, सेवा और समर्पण का पंचामृत बरसाए, तो हमारे लिए हर पल राम और घनश्याम जयंती के आनंद का ही होगा! बाकी सच तो यह है कि कीजे नाथ हृदय मंह डेरा की प्रार्थना के बदले में प्रभु श्रीराम को मिटने की मंशा रखने वाले हमेशा की लिए इतिहास से मिट जाते हैं...

हरिकृष्ण शास्त्री सुरत

पूर्व जेल अधीक्षक उषाराज के बंगले पहुंची पुलिस

ताले तोड़कर ली तलाशी, दस्तावेज किए जप्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 15 करोड़ गबन मामले में 2 दिनों की रिमांड पर चल रही पूर्व जेल अधीक्षक उषाराज के बंगले की रविवार दोपहर पुलिस ने ताला तोड़कर तलाशी ली। करीब 1 घंटे तक तलाशी अभियान जारी रहा।

केंद्रीय जेल भैरवगढ़ के कर्मचारी व अधिकारियों की जीपीएफ राशि का गबन करने के मामले में शुक्रवार शनिवार रात पूर्व जेल अधीक्षक उषाराज को पुलिस ने गिरफ्तार कर मुख्य आरोपी रिपुदमन के साथ न्यायालय में पेश किया था जहां से 2 दिन की रिमांड पर लिया गया है। रविवार दोपहर 3:30 बजे पुलिस पूर्व जेल अधीक्षक को केंद्रीय जेल स्थित उनके बंगले लेकर पहुंची। जहां ताले तोड़कर तलाशी ली गई इस दौरान पुलिस के हाथ गबन से जुड़े दस्तावेजों के साथ मकान संबंधी दस्तावेज बरामद हुए हैं। बताया जा रहा है कि उषाराज पुलिस पूछताछ में सहयोग नहीं कर रही है और गबन का आरोप रिपुदमन पर लगा रही है।

रिपुदमन को लाया गया शासकीय आवास

पूर्व जेल अधीक्षक के साथ जेल लेखा शाखा के अकाउंटेंट मुख्य आरोपी रिपु दमन भी 2 दिन की पुलिस रिमांड पर है। शनिवार रात पुलिस उसे केंद्रीय जेल परिसर में बने शासकीय आवास लेकर पहुंची थी। वही सुबह दोबारा से उसे शासकीय आवास लाया गया और तलाशी ली गई। उसमें कुछ दस्तावेजों की जानकारी पुलिस को दी है। विदित हो कि रिपुदमन के फरार होने के दौरान उसके आवास पर नोटिस चस्पा किया गया था और ताले तोड़कर तलाशी भी ली गई थी उस दौरान कुछ दस्तावेज और आभूषणों के बिल बरामद हुए थे।

16 सदस्यों की टीम लगी है जांच में

एसपी सत्येंद्र कुमार शुक्ल के अनुसार 67 जेल कर्मचारियों और अधिकारियों के जीपीएफ, वेतन और ग्रेजुएटी के खातों से 122 बार ट्रांजैक्शन कर 13 करोड़ से अधिक की राशि का गबन किया गया है। जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है जिस में शामिल 16 सदस्य लगातार जांच कर रहे हैं। अब तक 5 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है दो फरार चल रहा है जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर अन्य की भी गिरफ्तारी की जाएगी।

उज्जैन उत्तर के विधायक श्री जैन की अनुशंसा पर क्षेत्र में निर्माण और विकास कार्यों के लिये 13 लाख रु. से अधिक की राशि स्वीकृत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन उत्तर के विधायक श्री पारस जैन की अनुशंसा पर विधानसभा क्षेत्र विकास योजना वर्ष 2022-23 के अन्तर्गत क्षेत्र में विभिन्न निर्माण और विकास कार्यों के लिये कलेक्टर कार्यालय द्वारा 13 लाख 39 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसमें उज्जैन शहर के वार्ड-4 नागेश्वरधाम कॉलोनी में लाखनसिंह रणावत, जितेंद्रसिंह डोडिया के घर के सामने स्थित शासकीय भूमि पर जन-सुविधा हेतु स्थाई शेड निर्माण कार्य हेतु छह लाख 50 हजार रुपये तथा उज्जैन शहर के वार्ड-4 तिरूपतिधाम कॉलोनी में शैलेंद्रसिंह बुंदेला के घर के सामने स्थित शासकीय भूमि पर जन-सुविधा हेतु स्थाई शेड निर्माण कार्य हेतु छह लाख 89 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

सार समाचार

इंदौर-धार के बदमाशों ने किया था युवक का अपहरण

-3 को लिया हिरासत में, रुपयों की बरामदगी के प्रयास

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घर में घुसकर युवक का अपहरण करने और होटल में बंधक बनाकर रखने के बाद 4 लाख की फरौती लेकर रिहा करने वाले इंदौर-धार के तीन बदमाशों को शनिवार शाम पुलिस ने हिरासत में ले लिया। जिनसे पूछताछ की वसूले गये रुपये बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। 23 मार्च की रात बडनृगर की व्यास कालोनी में रहने वाले घनश्याम पिता मोहनसिंह गोविल का चार पहिया वाहन से आए तीन बदमाशों ने घर में घुसकर अपहरण कर लिया था। बदमाशों ने उसके परिजनों को 4 लाख रुपये लेकर बेटमा बुलाया और रुपए लेने के बाद घनश्याम को रिहा कर दिया। घटनाक्रम के बाद शुक्रवार को बडनृगर थाना पहुंच घनश्याम ने मामले की शिकायत दर्ज कराई। शनिवार शाम इंदौर के रहने वाले शुभम भदौरिया और धार निवासी निलेश के साथ कृष्णा को हिरासत में लिया गया है। तीनों से वसूली गए 4 लाख बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। टीआई मनीष मिश्र का कहना था कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।बताया जा रहा है कि घनश्याम गोविल मूलरुप से धार जिले सादलपुर स्थित पिंजराया का रहने वाला है। कुछ समय से वह बडनृगर व्यास कालोनी में किराए का मकान लेकर रह रहा था। परिवार कृषक है और घनश्याम गुजरात से कीटनाशक दवा लाकर सेल्समेनी का काम करता था। उसे शुभम भदौरिया से डेढ़ लाख रुपये उधार लिये थे। जिसे लौटा भी चुका है। बावजूद शुभम उससे ब्याज के तौर पर रुपयों की मांग कर रहा था।

महिदपुर विधायक श्री चौहान की अनुशंसा पर क्षेत्र में निर्माण और विकास कार्यों के लिये 22 लाख रु. से अधिक की राशि स्वीकृत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिदपुर के विधायक श्री बहादुर सिंह चौहान की अनुशंसा पर विधानसभा क्षेत्र विकास योजना वर्ष 2022-23 के अन्तर्गत क्षेत्र में विभिन्न निर्माण और विकास कार्यों के लिये कलेक्टर कार्यालय द्वारा 22 लाख 24 हजार 63 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसमें ग्राम बोरखेड़ा पित्रामल में सांस्कृतिक गतिविधियों के लिये भवन निर्माण हेतु पांच लाख रुपये, ग्राम पलवा, राघवी, महु, मेलानिया, कानाखेड़ी एकलासपुर, खेड़ामद्दा, बरुखेड़ी, रबदानिया, बालोदा, रोहलखुर्द और रानी पिपल्या में पेयजल आपूर्ति हेतु दोपहिया जीआई वाटर टेंकर क्षमता 5500 लीटर टायर साइज 900 गुणा 16 हेतु 17 लाख 24 हजार 63 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

अरिंदम में लायंस क्लब उज्जैन क्लासिक को सर्वाधिक 12 अवार्ड

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 3233 जी2 रीजन 2 वर्ष 2022-23 की रीजन कॉन्फ्रेंस अरिंदम में 26 मार्च रविवार को संपन्न हुई, जिसमें लायंस क्लब उज्जैन क्लासिक को सर्वाधिक 12 अवार्ड प्राप्त हुए। अरिंदम में बेस्ट क्लब अध्यक्ष ला लोकेन्द्र भूतड़ा, बेस्ट सचिव का अवार्ड ला रविन्द्र वि. मूले, बेस्ट कोषाध्यक्ष का अवार्ड ला अजय खत्री को प्राप्त हुआ। इसके अलावा बेस्ट क्लब अवार्ड, पिन कलेक्शन अवार्ड, बेस्ट स्क्रैपबुक, अवार्ड, बेस्ट फोटो एल्बम सबसे ज़्यादा 175 सेवा गतिविधि का अवार्ड निःशुल्क मेडिकल उपकरण क्लब अध्यक्ष लायन लोकेंद्र भूतड़ा को एमजेएफ बनने का अवार्ड लायंस क्लब उज्जैन क्लासिक को प्राप्त हुए। आभार एमजेएफ ला संतोष अग्रवाल द्वारा व्यक्त किया गया।

नागदा-खाचरौद विधायक श्री गुर्जर की अनुशंसा पर क्षेत्र में निर्माण और विकास कार्यों के लिये 22 लाख रु. से अधिक की राशि स्वीकृत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा-खाचरौद के विधायक श्री दिलीप सिंह गुर्जर की अनुशंसा पर विधानसभा क्षेत्र विकास योजना वर्ष 2022-23 के अन्तर्गत क्षेत्र में विभिन्न निर्माण और विकास कार्यों के लिये कलेक्टर कार्यालय द्वारा 22 लाख 45 हजार 300 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसमें नागदा शहर के शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय में शौचालय निर्माण हेतु तीन लाख रुपये, ग्राम बरखेड़ा जावरा में भंवरलाल के घर से गोपी चौहान के घर तक सीसी रोड निर्माण हेतु चार लाख रुपये, ग्राम गोठड़ा में अनोखीलाल चौधरी के घर के सामने सांस्कृतिक गतिविधियों के लिये स्थाई शेड निर्माण हेतु आठ लाख रुपये, नगर पालिका नागदा में चंबल नदी के किनारे कायाकल्प और बिजली लाइन व पोल हेतु दो लाख 45 हजार 300 रुपये, ग्राम सुरेल में नलकूप खनन हेतु एक लाख 50 हजार रुपये, ग्राम मड़ावदा में ब्राह्मण समाज धर्मशाला के सामने नलकूप खनन हेतु एक लाख 50 हजार रुपये और ग्राम झिरमिरा में सार्वजनिक गतिविधियों के लिये स्थाई शेड निर्माण हेतु दो लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

घट्टिया के विधायक श्री मालवीय की अनुशंसा पर क्षेत्र में निर्माण और विकास कार्यों के लिये 3 लाख रु. की राशि स्वीकृत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घट्टिया के विधायक श्री रामलाल मालवीय की अनुशंसा पर विधानसभा क्षेत्र विकास योजना वर्ष 2022-23 के अन्तर्गत ग्राम सिलोदा रावल में देवराम के घर से पीरूलाल परिहार के घर तक सीसी रोड निर्माण हेतु कलेक्टर कार्यालय द्वारा तीन लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

भारत विकास परिषद अवंतिका का हुआ दायित्व ग्रहण समारोह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत विकास परिषद अवंतिका के गठन उपरांत दायित्व ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सहायता अधिकारी चंद्रेश मंडलोई, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय मंत्री एवं रीजनल संयुक्त सचिव भाविप सेंट्रल रीजन प्रदीप अग्रवाल, समन्वयक प्रकाश चित्तौड़ा रहे। भाविप मध्य भारत पश्चिम प्रांत संरक्षक ओमप्रकाश गुप्ता द्वारा अध्यक्ष चिराग शाह, सचिव अजय मिश्रा, कोषाध्यक्ष नीरज गुप्ता को दायित्व ग्रहण कर शपथ दिलाई। इस अवसर पर संरक्षक बुध्दिप्रकाश सोनी, शाखा संस्थापक राजेन्द्र शाह, समन्वयक सुधीर तोमर, विठ्ठल नागर, मंगेश भुजाड़े, अशोक राजवानी आदि की उपस्थिति में शाखा के अन्य पदाधिकारी एवं संस्था के समस्त नवीन सदस्यों को दायित्व ग्रहण करवाया। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में चिराग शाह ने कहा कि मैं सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से सजीव संपर्क बनाकर कार्ययोजना बनाउंगा तथा भारत विकास परिषद के उद्देश्यों को पूर्ण करने का प्रयास करूंगा। संचालन विठ्ठल नागर ने किया एवं आभार सचिव अजय मिश्रा ने माना। नवीन पदाधिकारियों के पदभार ग्रहण पर अजय खत्री, प्रकाश राजवानी, नीरज गुप्ता, संजय बागड़ी, गिरीश पाटीदार, भरत बागड़िया, मुकेश अग्रवाल, पवन त्रिपाठी, सुभाष सोनी, दीपक शाह, विशाल गांधी, मनीष चौधरी, मनोज मंडल, स्वप्निल शाह, डॉ. कमलेश फरक्या, श्याम मोदी, जितेन्द्र जैन, केके पोरवाल (कृष्णकुमार), अशोक पाटीदार, मयंक सोनी, गोपाल राठी, अनुश्का देवड़ा, महेश चौधरी, निलेश शर्मा, अजय कुमरावत, गिरीश भाटी, सचिन नीमा, पुष्करण दुबे, पुरषोत्तम नीमा, रवि राणा आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए अभिनंदन किया।

कलेक्टर द्वारा जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा हेतु बैठक ली गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम की अध्यक्षता में प्रशासनिक संकुल भवन के तृतीय तल पर स्थित सभाकक्ष में जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत ग्रामों में नवीन नल कनेक्शन प्रदाय की अद्यतन प्रगति सम्बन्धी पत्रक स्थिति की समीक्षा की गई। इसमें जानकारी दी गई कि उज्जैन जिले में एक अप्रैल 2022 के अनुसार कुल दो लाख 86 हजार 843 घर है। इनमें कुल घरेलु नल कनेक्शन एक लाख 12 हजार 95 है। 25 मार्च 2023 की स्थिति में एक लाख 29 हजार 517 घरों में नल कनेक्शन किये जा चुके हैं।

समीक्षा के दौरान एई पीएचई द्वारा जानकारी दी गई कि घट्टिया के नीलकंठ गांव में तथा कालियादेह पैलेस में पानी की टंकी बनाने में कुछ अड़चनें आ रही है। कलेक्टर ने इसका शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर ने विगत बैठक के पश्चात पालन प्रतिवेदन की समीक्षा की।

जल जीवन मिशन के अन्तर्गत स्वीकृत योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई कि उज्जैन जिले में कुल प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त योजनाओं की संख्या 530 है। इनमें निविदा स्वीकृत योजनाओं की संख्या 503 है। कार्य पूर्ण योजनाओं की संख्या 109 है तथा प्रगतिरत योजनाओं की संख्या 350 है। स्वीकृत योजनाओं की विकास खण्डवार प्रगति की समीक्षा के दौरान बड़नगर में निर्धारित लक्ष्य अनुसार प्रगति नहीं होने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिये कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत भूमि सम्बन्धी विवादों का निराकरण एसडीएम स्तर पर करवाया जाये। बड़नगर में मिशन में प्रगति में सुधार किया जाये।

कलेक्टर ने कहा कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत योजनाओं का क्रियान्वयन विधिवत कार्य योजना बनाकर किया जाये। ग्रामवार सूची बनाई जाये तथा प्रत्येक ग्राम में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत कार्यवाही की जाये। खाचरौद में ठेकेदार द्वारा समय-सीमा पर काम नहीं किये जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की तथा सम्बन्धित ठेकेदार को कहा कि निर्धारित समय-सीमा में यदि काम पूरा नहीं हुआ तो कड़ी कार्यवाही की जायेगी। महिदपुर में प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि आठ गांवों में पाईप समय-सीमा में सप्लाय नहीं हुए हैं। इस पर सम्बन्धित ठेकेदार के विरूद्ध नाराजगी व्यक्त करते हुए शीघ्र-अतिशीघ्र कार्य को पूरा करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये। कलेक्टर ने सभी एई को निर्देश दिये कि आगामी 31 जुलाई तक जल जीवन मिशन के तहत शत-प्रतिशत कार्य पूरे किये जायें।

कलेक्टर द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत विकास खण्डवार स्कूल और आंगनवाड़ियों में पेयजल व्यवस्था की प्रगति की समीक्षा की गई। इसमें उज्जैन के चंदेसरी में बनी पानी की पुरानी टंकी को डिसमेंटल करने के लिये अगले सात दिन के अन्दर टंकी के राईटअप की कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर ने कहा कि जल जीवन मिशन की आगामी बैठक से पहले सभी निर्धारित लक्ष्य के अनुसार काम करें, अन्यथा सम्बन्धित एई पीएचई के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। बड़नगर में स्कूलों में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा के दौरान एमपीईबी द्वारा निर्धारित गुणवत्ता और क्षमता की केबल नहीं लगाये जाने पर कलेक्टर ने सम्बन्धित अधिकारी को नोटिस देने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि स्कूल शिक्षा और पीएचई के सब-इंजीनियर संयुक्त रूप से निरीक्षण करने के पश्चात योजना के हस्तांतरण की कार्यवाही करेंगे।

कलेक्टर ने आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए निर्देश दिये कि जल जीवन मिशन का कार्य तेज गति से किया जाये तथा शत-प्रतिशत कार्य पूरे किये जायें। लोक स्वास्व्द यांत्रिकी विभाग के सभी सब-इंजीनियर के सभी प्रकार के अवकाश निरस्त करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर ने कहा कि बिना उनकी अनुमति के सब-इंजीनियर अवकाश पर न जायें। ठेकेदार अधूरे कार्य को शीघ्र-अतिशीघ्र पूरा करें, अन्यथा उनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज की जायेगी।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री अंकिता धाकरे, एसई पीएचई श्री राजीव खुराना, समस्त एई पीएचई, महिला एवं बाल विकास विभाग के श्री साबिर अहमद सिद्धिकी, स्कूल शिक्षा विभाग के श्री गिरीश तिवारी एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

लायंस क्लब उज्जैन उड़ान 7 अवार्ड से सम्मानित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 3233 जी2 रीजन 2 वर्ष 2022-23 की रीजन कॉन्फ्रेंस अरिंदम में 26 मार्च रविवार को संपन्न हुई, जिसमें लायंस क्लब उज्जैन उड़ान को 7 अवार्ड से सम्मानित किया गया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ला डॉ अजय गुप्ता व रीजन चेयर पर्सन ला संतोष अग्रवाल के करकमलों द्वारा अवार्ड वितरण किया गया।

मेयर इन काउंसिल में निगम बजट पर चर्चा जारी

चौराहों के चौडीकरण एवं सौन्दर्यकरण का प्रजेंटेशन देखा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिक निगम उज्जैन के वित्तीय वर्ष 2023-24 का प्रस्तावित बजट मेयर इन काउंसिल के सदस्यों एवं निगम अधिकारियों की उपस्थिति में प्रस्तुत कर बजट पर आय एवं व्यय पर चर्चा कर नवीन मद जोड़कर अनुशंसा सहित बजट निगम परिषद की ओर स्वीकृति हेतु भेजा जाएगा। रविवार को मेयर इन कांउसिल सम्मिलन में निगम बजट पर विभागवार आय-व्यय पर विस्तृत चर्चा की गई तथा शहर के विभिन्न व्यस्ततम चौराहों के चौडरीकरण एवं सौन्दर्यकरण कार्य का प्रजेंटेशन भी देखा गया।

महापौर श्री मुकेश टटवाल की अध्यक्षता में मेयर इन काउंसिल सम्मिलन महापौर कार्यालय ग्राण्ड होटल एमआईसी हॉल में जारी है, सम्मिलन में निगम आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देशानुसार अपर आयुक्त वित्त श्री आदित्य नागर द्वारा नगर निगम के विभिन्न विभागों से बजट प्रस्तावों को संकलित कर मेयर इन काउंसिल सम्मिलन में प्रेषित किया गया था, एमआईसी द्वारा विभागवार, मदवार, आय-व्यय, सुझाव एवं संशोधनों पर विस्तृत चर्चा की गई। रविवार को स्टोर, वर्कशाप, अग्निशमन, उद्यान, सूचना प्रौद्योगिकी एवं नवाचार प्रकोष्ठ, शिल्पज्ञ, सिंहस्थ प्रकोष्ठ, स्वच्छ भारत मिशन, अमृत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, स्वास्थ्य, प्रकाश, एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी इत्यादि विभागों द्वारा किये जा रहे कार्यो, आय-व्यय के साथ ही बजट प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में शहर के विभिन्न व्यस्ततम चौराहों के चौड़ीकरण एवं सौन्दर्यकरण कार्य का प्रजेंटेशन महापौर श्री मुकेश टटवाल, एमआईसी सदस्यों एवं निगम अधिकारियों द्वारा देखा गया।

अपर आयुक्त वित्त श्री आदित्य नागर ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम के सभी विभागों से बजट प्रस्ताव संकलित कर एमआईसी में रखे गए है। जिसमें महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा निगम आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह, एमआईसी सदस्यों एवं निगम अधिकारीयों के साथ वित्तीय वर्ष 2023-24 के निगम बजट पर विस्तृत चर्चा की गई, बजट में नागरिकों एवं प्रबुद्धजनों से प्राप्त सुझावों को भी सम्मिलित किया गया है साथ ही कुछ नवीव प्रस्तावों को भी बजट में जोड़ा गया है।

5वीं 8वीं बोर्ड पैटर्न परीक्षा

12 हजार से अधिक परीक्षा केन्द्रों पर उत्साह से पहुँचे 24 लाख विद्यार्थी पहले दिन हुई भाषा और विज्ञान की परीक्षा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 5वीं, 8वीं कक्षाओं की बोर्ड पैटर्न परीक्षा के पहले दिन प्रदेश भर के कोई 12 हजार से अधिक परीक्षा केन्द्रों पर कक्षा 5 की भाषा विषय ओर कक्षा 8 के विज्ञान विषयों की परीक्षा सफलता पूर्वक सम्पक्ष्ं हुई। संपूण प्रदेश में कहीं से भी किसी प्रकार के अप्रिय प्रसंग की कोई भी रिर्पोट नही है। उल्लेंखनीय है कि, इस वर्ष से शासकीय शालाओं के साथ ही निजी स्कू लों और मदरसों के विद्यार्थी भी बोर्ड पैटर्न परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। विगत वर्ष राज्यस शिक्षा केन्द्र के द्वारा मात्र शासकीय विद्यालयों के कक्षा 5 और 8 के विद्यार्थियों हेतु बोर्ड पैटर्न परीक्षा का आयोजन किया था।

इस वर्ष 1 लाख 13 हजार 4 सौ 22 शासकीय, निजी शालाओं और मदरसों के लगभग 24 लाख 73 हजार बच्चो, इन परीक्षाओं में सम्मिलित हो रहे हैं। जिनमें से 427 निजी स्कूबलों के 18 हजार 3 सौ 20 बच्चों के लिए एनसीईआरटी पाठ्यक्रम के अनुसार पृथक से भाषा विषय के प्रश्नष पत्र तैयार किए गए हैं।

परीक्षा के पहले दिन सहभागी विद्यार्थी अपने अपने स्कूलों में एकत्रित होकर अपने शिक्षकों और अभिभावकों के साथ निर्धारित परीक्षा केन्द्रो तक पहुँचे। इस दौरान बच्चोंर में परीक्षा को लेकर दिखाई दे रहा उत्सारह परीक्षा के पश्चा?त और अधिक बडा हुआ नजर आया। परीक्षा देकर बाहर निकले परीक्षार्थियों में से अनेकों ने खुशी खुशी कहा कि आज का पेपर बहुत सरल था और हमें इस परीक्षा से एक नया आत्मअविश्वाीस प्राप्त हुआ है।

परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए राज्यी शिक्षा केन्द्र व्दाऔरा पृथक से एक आई.टी. पोर्टल तैयार किया गया है। जिसके माध्यिम से परीक्षा की संपूर्ण संचालन व्युवस्थााएं ऑनलाइन की गई हैं। इसी पोर्टल के माध्याम से विद्यार्थियों का सत्या पन, परीक्षा केन्द्रों का निर्धारण, केन्द्रा ध्यक्क्षों की मेंपिंग, सामग्री वितरण आदि कार्यो के संपादन के साथ ही परीक्षार्थियों के रोल नंबर और प्रवेश पत्र जारी करने की सुविधा भी प्रदान की गई है। इसी पोर्टल के माध्यणम से विद्यार्थियों की परीक्षा में उपस्थिति भी दर्ज की जा रही है। परीक्षा उपरांत होने वाले मूल्यांकन कार्यों और अंक सूची प्रदान करने की सुविधा भी इसी पोर्टल के द्वारा प्रदान की जायेगी।

उल्लेखनीय है कि निर्धारित समय सारिणी के अनुसार कक्षा पॉचवी और आठवीं की बोर्ड पैटर्न परीक्षाएं 25 मार्च से प्रारंभ होकर 3 अप्रेल 2023 तक संपादित होगी।

सुबह 9 से साढे 11 बजे तक आयोजित परीक्षाओं के बाद दोपहर डेढ़ बजे राज्यस शिक्षा केन्द्रप संचालक श्री धनराजू एस ने मैदानी अधिकारियों के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक आयोजित कर प्रथम दिवस परीक्षा के निर्विघ्न सम्पिन्ने होने पर संतोष व्यआक्त किया और सभी सहयोगियों को उनकी कर्तव्यर परायणता के लिए साधुवाद दिए। इस वर्चुअल बैठक में जिला अधिकारी गण ने आगामी परीक्षा दिवसों को लेकर अपनी तैयारियों से अवगत कराया साथ ही राज्यम स्तिर से आवश्य क मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। बैठक में सभी जिलों के प्राचार्य डाइट, डीपीसी, एपीसी एकेडमिक और मैदानी अधिकारी सहयोगी उपस्थित थे।

कोविड-19 और इनफ्लुएंजा पर एडवाइजरी जारी बचाव के लिये आवश्यक सावधानियाँ रखें

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। केन्द्र सरकार की 10 मार्च और 16 मार्च को जारी गाइडलाइन के तारतम्य में राज्य सरकार ने कोविड-19 और इनफ्लुएंजा से बचाव के लिये संयुक्त एडवाइजरी जारी की है। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी के अनुसार देश में मध्य फरवरी के बाद से, कोविड-19 के मामलों में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। देश के कुछ राज्यों में सक्रिय कोविड-19 के मामले रिपोर्ट किए जा रहे हैं। केरल में 26.4 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 21.7, गुजरात में 13.9, कर्नाटक में 8.6 और तमिलनाडु में 6.3 प्रतिशत मामले रिपोर्ट किये गये। इसको ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा सभी राज्यों को आईएलआई/एसएआरआई केसेस की मॉनिटरिंग किये जाने के संबंध में निर्देश जारी किये गये हैं।

इनफ्लुएंजा एवं कोविड-19 के लक्षण लगभग समान है। अतः कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन करने की सलाह दी गई है। इन रोगों के संचरण को सीमित करने के लिए, विशेष रूप से श्वसन और हाथ की स्वच्छता के पालन के बारे में सामुदायिक जागरूकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है। इसमें विशेष रूप से सह-रुग्ण व्यक्तियों और बुजुर्गों को भीड़भाड़ और बंद स्थानों से बचना है। स्वास्थ्य की देखभाल करने वाले चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के साथ रोगियों और उनके परिचारकों को मास्क पहनना है।

भीड़भाड़ वाली और बंद जगहों पर मास्क पहनना, छींकते या खाँसते समय नाक और मुँह को ढँकने के लिए रूमाल/टिश्यू का इस्तेमाल करना है। हाथों की स्वच्छता बनाए रखना/हाथों को बार-बार धोना है। सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से परहेज करना है। जाँच को बढ़ावा देना और लक्षणों की जल्द जानकारी देना है। साँस की बीमारियों से पीड़ित होने पर व्यक्तिगत संपर्क को सीमित करना है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारियों को दवाओं, बिस्तरों एवं आईसीयू बेड सहित अस्पताल की तैयारियों का जायजा लेना भी उपयोगी होगा। केन्द्र सरकार की पूर्व में जारी की गई गाइड लाइन को ध्यान में रखते हुए, आईडीएसपी के द्वारा आईएलआई/एसएआरआई केसेस की मॉनिटरिंग करना अनिवार्य है। साथ ही हॉस्पिटल में कोविड-19 से संबंधित सभी प्रकार की तैयारियों के संबंध में भी एडवाइजरी और निर्देश जारी किए गए हैं। आईसीयू बेड, आईसीयू, मेडिकल इक्विपमेंट्स और टीकाकरण का इंतजाम रखने के निर्देश हैं।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)